संसेक्स	72,831.94
निफ्टी	22,096.75
सोना	61,350
चांदी	76,500
डॉलर	83.52

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
शनिवार 23 मार्च 2024
फाल्गुन शुक्ल 10 विक्रम सम्वत 2080
वर्ष 15, अंक 182
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

ए राजा को बरी करने के खिलाफ सीबीआई की अपील पर सुनवाई करेगा कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2जी स्पेक्ट्रम घोटाले के मामले में पूर्व दूरसंचार मंत्री ए. राजा, कुछ कंपनियों और अन्य को बरी किए जाने को चुनौती देने वाली सीबीआई की अपील को शुक्रवार को स्वीकार कर लिया। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने कहा कि उपलब्ध सामग्री और विभिन्न पक्षों के वकीलों की दलीलों के आधार पर सीबीआई ने प्रथम दृष्टया एक मामला बनाया है जिसमें गहन अध्ययन की और अपीलों पर विस्तार से सुनवाई की जरूरत है। न्यायाधीश ने कहा कि अपील को मई माह में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए। सीबीआई ने 2018 में अपील दायर की थी। इस पर न्यायाधीश ने 14 मार्च को अपना फैसला सुरक्षित रखा था। विशेष अदालत ने 21 दिसंबर, 2017 को राजा, द्रमुक सांसद कनिमोई और अन्य को 2जी घोटाले से जुड़े सीबीआई तथा ईडी के मामलों में बरी कर दिया था।

होली के दिन दोपहर बाद शुरु होगी मेट्रो

नई दिल्ली। देशभर में 25 मार्च को होली का त्योहार मनाया जाएगा है। इस दिन दिल्ली में मेट्रो के टाइमिंग में बदलाव किया गया है। दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन ने पोस्ट में बताया है कि 25 मार्च को होली वाले दिन मेट्रो सेवा दोपहर 2 बजकर 30 मिनट से शुरू होगी। मेट्रो के अनुसार, होली वाले त्योहार के दिन सुबह के वक्त मेट्रो नहीं चलेगी। दिल्ली मेट्रो की सभी लाइन पर मेट्रो इस दिन सुबह के वक्त बंद रहेगी।

डीएमआरसी ने बताया है कि सुबह के वक्त रैपिट मेट्रो लाइन से लेकर एयरपोर्ट एक्सप्रेस सर्विस लाइन दोपहर ढाई बजे तक बंद रहेगी। दोपहर ढाई बजे के बाद सभी टर्मिनल स्टेशन से मेट्रो सेवा शुरू होगी। इसके बाद आम दिनों की तरह मेट्रो सर्विस चलेगी।

यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को देखकर डीएमआरसी ने अपनी सेवाएं देर से शुरू करने का फैसला किया है। होली के दिन सुबह से ही जगह-जगह होली समारोह शुरू हो जाते हैं, जिसमें बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा होते हैं। इसकारण मेट्रो की सामान्य टाइमिंग से होली समारोह में किसी भी तरह का हस्तक्षेप ना हो इसलिए डीएमआरसी ने मेट्रो को देर से शुरू करने का फैसला किया है। दोपहर 2ः30 बजे के बाद, मेट्रो सेवाएं सभी लाइनों पर फिर से शुरू हो जाएगी और नियमित समय का पालन करेंगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि शहर के यात्री अपनी दिनचर्या में लौट सकें।

कर्नाटक में पुष्पक का सफल परीक्षण

बेंगलुरू। इसरो ने शुक्रवार को एक बड़ी सफलता हासिल की है। री-यूजेबल लॉन्च व्हीकल (आरएलवी)के क्षेत्र में इसरो ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। कर्नाटक के चित्रदुर्ग में स्थित एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज में शुक्रवार 22 मार्च 2024 को 7 बजकर 10 मिनट पर रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल पुष्पक का परीक्षण कराया गया है। इस परीक्षण के दौरान पुष्पक ऑटोमैटिक तरीके से रनवे पर लैंड हुआ। इसके इसरो के लिए एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। इस परीक्षण के जरिए इसरो ने री-यूजेबल लॉन्च व्हीकल की ऑटोनोमस लैंडिक की क्षमता का प्रदर्शन किया। पंखों वाले इस व्हीकल को अधिक कठिन युद्धाभ्यास करने, क्रॉस रें और डाउनरेंज दोनों को सही करने और पूरी तरह से ऑटोनोमस मोड में रनवे पर उतरने के लिए तैयार किया गया है। इसरो ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि पिछले साल आरएलवी-एलईएक्स 01 का मिशन पूरा किया गया था। इसके बाद अब आरएलवी-एलईएक्स 02 का टेस्ट हुआ।

केजरीवाल 28 मार्च तक रिमांड पर

अदालत ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कथित शराब नीति घोटाला मामले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 28 मार्च तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया। ईडी ने 10 दिन का रिमांड मांगा था।

राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष सीबीआई न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने अपने फैसले में कहा पेश मामले में साक्ष्यों व गवाहों के बयानों को देखने के बाद वे महसूस करती हैं कि आरोपी केजरीवाल से हिरासत में पूछताछ जरूरी है। उन्होंने ईडी के उस तर्क को स्वीकार कर लिया कि मामले की गंभीरता व अन्य आरोपियों के समक्ष आमना सामना करवाना जरूरी है ताकि सभी तथ्यों को खुलासा हो सके। अदालत ने केजरीवाल को केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा कल रात उनकी गिरफ्तारी के बाद आज पेश किए जाने के बाद आदेश पारित किया केजरीवाल ने ईडी द्वारा उन्हें जारी किए गए नौ समन को नजरअंदाज कर दिया था।

केजरीवाल को पद से हटाने जनहित याचिका

इस घटनाक्रम के बीच ही दिल्ली उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर कर सीएम केजरीवाल को पद से हटाने की मांग की गई है। यह जनहित याचिका अधिवक्ता शशि रंजन कुमार सिंह के माध्यम से दायर की गई है।

इंडिया ब्लॉक के नेता चुनाव आयोग के दफ्तर पहुंचे

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ़्तारी के विरोध में इंडिया ब्लॉक के नेता चुनाव आयोग पहुंचे हैं। जानकारी अनुसार यहां पहुंचने वालों में आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं के साथ ही कांग्रेस, टीएमसी, सीपीआई (एम), डीएमके, समाजवादी पार्टी, एनसीपी (शरतचंद्र पवार) के नेता भी शामिल थे। चुनाव आयोग के दफ्तर पहुंचने वालों में प्रमुख रुप से केसी वेणुगोपाल, डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी, डेरेक ओ ब्रायन, मोहम्मद नदीमुल हक, सीताराम येचुरी, संदीप पाठक, पंकज गुप्ता, जितेन्द्र अव्हाड, पी विल्सन, जावेद अली के नाम सामने आए हैं।

केजरीवाल की गिरफ्तार पर अन्ना ने कहा, उन्हें कोई दुख नहीं

दिल्ली में शराब घोटाला मामले में ईडी ने सीएम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया। केजरीवाल की गिरफ्तारी पर समाजसेवी अन्ना हजारे की ओर से प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की गिरफ्तारी पर उन्हें कोई दुख नहीं है।

समाजसेवी हजारे ने कहा कि केजरीवाल के दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने के बाद नई शराब पॉलिसी लेकर आए, इस लेकर मैंने उन्हें दो बार पत्र लिखा था। मुझे इस बात का दुख है कि मेरी बात नहीं मानी गई और अब वह गिरफ्तार हो गए हैं।

अन्ना ने कहा कि जब केजरीवाल और मनीष सिसोदिया आंदोलन के समय हमारे साथ आए थे, तब भी मैंने उन दोनों से कहा था कि देश की भलाई के लिए काम करना है। लेकिन, दोनों ने मेरी बातों को नहीं मना। ना ही केजरीवाल ने मेरी बात मानी।

दिल्ली शराब घोटाले के मुख्य सरगना केजरीवाल, हवाला के द्वारा 45 करोड़ रुपये गोवा भेजा

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली शराब घोटाले मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। करीब दो घंटे की पूछताछ और आवास पर तलाशी के बाद ईडी ने केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। वहीं, गिरफ्तारी के खिलाफ केजरीवाल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की विशेष पीठ के समक्ष भी सुनवाई होनी थी। लेकिन केजरीवाल ने अपनी याचिका वापस ले ली है।

गुरुवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी ने बताया कि केजरीवाल दिल्ली शराब घोटाले के किंगपिन (सरगना) हैं। ईडी ने कहा कि केजरीवाल दिल्ली शराब नीति के गठन में सीधे तौर पर शामिल थे। केजरीवाल ने रिश्वत लेने के लिए कुछ खासों लोगों का पक्ष लिया। अपराध से हुई आय का इस्तेमाल आम आदमी पार्टी के गोवा चुनावों के लिए किया था। ईडी ने दो लोगों की चैट का हवाला दिया, जिसमें कैश को लेकर बातचीत हो रही है। ईडी ने बताया कि हवाला के द्वारा गोवा 45 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए। अलग-अलग लोगों को बड़ी धनराशि दी गई। ईडी ने इन लोगों की सीडीआर डिटेल हासिल की है। इनके फोन रिकॉर्ड भी हमारे पास हैं। विजय नायर की एक कंपनी से भी सबूत मिले हैं। चार रूट के जरिए पैसा गोवा ट्रांसफर किया गया।

ईडी ने राउज एवेन्यू कोर्ट को बताया कि शराब घोटाले में आरोपी कविता के बयान भी दर्ज किए गए हैं। दर्ज बयानों के मुताबिक केजरीवाल ने कविता से मुलाकात कर कहा कि उन्हें दिल्ली शराब नीति पर मिलकर एक साथ काम करना चाहिए। ईडी ने कहा कि दो बार कैश का ट्रांसफर हुआ था। शराब घोटाले का आरोपी नायर केजरीवाल के लिए काम कर रहा था। नायरर दरअसल केजरीवाल के घर के पास ही रह रहा था। वह केजरीवाल का करीबी था। वह दरअसल बिचौलिये की तरह काम कर रहा था। केजरीवाल ने दक्षिण लॉबी से रिश्वत मांगी थी। हमारे पास उनके खिलाफ रिश्वत मांगने के पुख्ता सबूत हैं।

ईडी ने राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई शुरू होते ही केजरीवाल की गिरफ्तारी का आधार बताकर कोर्ट में 28 पेजों की दलीलें पेश की हैं। ईडी के वकील एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कोर्ट को बताया कि आरोपी (केजरीवाल) को गुरुवार रात नौ बजकर पांच मिनट पर गिरफ्तार किया गया था। उन्हें 24 घंटों के भीतर कोर्ट के सामने पेश किया गया है। उधर केजरीवाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि किसी को दोषी मानने के कारण और ईडी के पास मौजूद सामग्री के बीच एक संबंध होना चाहिए।

वोटरों को रिझाने वाले उम्मीदवार हो जाएं सावधान, चालाकी की तो होगी कार्यवाही

चुनाव में गड़बड़ी करने वालों पर नजर रखेंगी फ्लाइंग स्क्वॉड की 420 टीमें

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में किसी भी तरह की गड़बड़ी के चलते केंद्रीय चुनाव सख्त नजर आ रहा है। क्योंकि उम्मीदवार अपने वोटरों को अपनी ओर रिझाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनते हैं। इसी को देखते हुए दिल्ली की हर विधानसभा क्षेत्र के लिए तीन फ्लाइंग स्क्वॉड और तीन एसएसटी बनाई गई हैं। फ्लाइंग स्क्वॉड की टीमें घूम-घूम कर चुनावी गतिविधियों पर नजर रखेंगी।

दिल्ली में 25 मई को मतदान होना है। इससे पहले प्रचार के दौरान वोटरों को लुभाने, डराने या प्रभावित करने के लिए किसी तरह के हथकंडे अपनाने से रोकने के लिए 420 टीमें तैयार कर ली गई हैं। ये टीमें चुनाव के दौरान कैश,

ड्रग्स, गिफ्ट्स, अवैध हथियार, संदेहास्पद चीजों और असामाजिक तत्वों के आवाजाही की निगरानी करेंगी। इनके साथ विडियोग्राफी भी की जाएगी, जहां भी आचार संहिता के उल्लंघन का मामला नजर आएगा, उसे रिकॉर्ड किया जाएगा। इसकी रिपोर्ट रिटर्निंग ऑफिसर को भेजी जाएगी। किसी के पास भी किसी अवैध चीज मिलती है तो जब्त कर मुकदमे दर्ज किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि 210 फ्लाइंग स्क्वॉड और 210 स्टैटिक सर्विलांस टीमें हैं। हर टीम के साथ पुलिस, इनकम टैक्स, जिला मैजिस्ट्रैट, आबकारी या एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट समेत कुछ विभागों का स्टाफ भी रहेगा। ये टीमें चुनाव होने तक तीन शिफ्टों में काम करेंगी।

वोटरों को लुभाने के लिए शराब या पैसा या गिफ्ट बांटने वाले टारगेट पर रहेंगे। इनके साथ एक विडियोग्राफर होगा, इसी तरह एसएसटी के मेंबर विधानसभा इलाकों में बने अहम चेक पोस्ट पर तैनात रहेंगे। ये टीमें संवेदनशील जगहों की पहचान कर चेक पोस्ट तय करेंगी। वहां से गुजरने वाली गाड़ियों पर नजर रखी जाएगी। किसी भी तरह के अवैध शराब, हथियार, 50 हजार से ज्यादा कैश समेत कई चीजों की आवाजाही पर नजर रखेंगी। अगर 10 लाख रुपये से ज्यादा कैश पकड़ा जाएगा तो आयकर विभाग को सूचित किया जाएगा। ये टीमें चुनाव आयोग से तय स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर का पालन करेंगी।

भारत के इतिहास में पहली बार राज्यपाल की शक्तियों को कम करने का वादा चुनावी घोषणापत्र में

चेन्नई। भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि लोकसभा चुनाव में किसी राजनीतिक दल ने अपने घोषणापत्र में राज्यपाल की शक्तियों को कम करने का वादा किया है। दरअसल तमिलनाडु के सत्तारूढ़ दल द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने अपने घोषणापत्र में जनता से राज्यपाल की ताकत को कम करने का वादा किया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने घोषणापत्र जारी कर कहा कि डीएमके पार्टी चुनाव से पहले घोषणापत्र तैयार करती है, और हम अपने वादों पर खरा उतरते हैं।

देश में गैर भाजपाई सरकारों और राज्यपालों के बीच टकराव आम हो गया है। पंजाब, पश्चिम बंगाल और केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में यह आरोप लगते रहे हैं कि राज्यपाल भाजपा के नुमाइंदों के तौर पर कार्य करते रहे हैं। इस टीस के कारण डी.एम.के. ने अपना चुनावी घोषणापत्र में राज्यपाल की नियुक्ति में मुख्यमंत्री की भूमिका सुनिश्चित करने और राज्यपाल की ताकत कम करने को लेकर वादा किया है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के इतिहास में ये अभूतपूर्व है कि किसी पार्टी ने अपने घोषणापत्र में राज्यपाल की ताकत कम करने के जुड़ा वादा किया है।

माना जा रहा है कि राज्यपाल आर.एन. रवि के साथ बार-बार विवाद होने के कारण पार्टी ने अपने घोषणापत्र में इस वादों को जगह दी है। दोनों के बीच का विवाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। पार्टी का आरोप है कि राज्यपाल भाजपा के नुमाइंदे के तौर पर काम कर रहे हैं। हालांकि डी.एम.के. के अलावा गैर भाजपा शासित प्रदेशों की सरकारें भी राज्यपाल पर इसी तरह के आरोप लगाती रही हैं।

618 करोड़ के चुनावी बांड का नहीं मिल रहा है हिसाब किताब

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया ने चुनाव आयोग को चुनावी बांड से संबंधित सभी जानकारी उपलब्ध करा दी है। गुरुवार की शाम को चुनाव आयोग ने इस वेबसाइट में अपडेट कर दिया है। प्रारंभिक जांच में 618।73 करोड रुपए के 1628 बांड के खरीदारों का पता नहीं लगा है। राजनीतिक दलों ने इन बांड को स्टेट बैंक से भुना लिया है।

बड़ी कारपोरेट कंपनियों ने नहीं दिया चुनावी चंदा

स्टेट बैंक द्वारा जो चुनाव चंदे के बांड का विवरण दिया है। उसमें बड़ी भारतीय कंपनियों के नाम नहीं है। यह सभी को आश्चर्यचकित कर रहा है। यह माना जा रहा है, कि बड़ी कंपनियों से चुनावी बांड के स्थान पर राजनीतिक दलों को नगद में चंदा दिया है। इस तरह की चर्चाएं अब होने लगी हैं।

500 करोड़ का राजस्व 360 करोड़ के बांड खरीदे

चुनाव आयोग द्वारा जारी चुनाव बांड के विश्लेषण से पता चला है, कि रिलायंस से जुड़ी क्विक सप्लाई चैन प्राइवेट लिमिटेड ने 410 करोड रुपए के चुनावी बांड से चंदा देने वाली तीसरी बड़ी कंपनी है। इसने भारतीय जनता पार्टी को 385 करोड़ तथा शिवसेना को 25 करोड रुपए का चंदा दिया है। 2021-22 में इस कंपनी का लाभ केवल 22 करोड रुपए का था। लेकिन इसी अवधि में इसने 360 करोड रुपए का चुनावी चंदा दिया। वर्ष 2022-23 में कंपनी का कुल राजस्व 500 करोड रुपए का था। इस अवधि में उसने 50 करोड रुपए के चुनावी बांड खरीद कर चुनाव चंदा दिया। 1368 करोड रुपए का बांड से चंदा दिया गया। मेघा इंजीनियरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा 966 करोड रुपए,केवेंटर समूह द्वारा 617 करोड़,क्विक सप्लाई चैन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 480 करोड़ तथा वेदांता लिमिटेड द्वारा 400 करोड रुपए का चंदा राजनीतिक दलों को दिया गया है।

कांग्रेस ने 57 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की

बहरामपुर से अधीर तो गुलबर्गा से लड़ेंगे खरगे के दामाद

नई दिल्ली। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के उम्मीदवारों को अपनी तीसरी सूची जारी कर दी है। इसमें कुल 57 नाम हैं जिसमें अधीर रंजन चौधरी को पश्चिम बंगाल की बहरामपुर से टिकट दिया गया है जबकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दामाद राधाकृष्ण को कर्नाटक के गुलबर्गा से मैदान में उतारा गया है। कर्नाटक के बेंगलुरू मध्य संसदीय क्षेत्र से मंसूर खान को टिकट दिया गया है जो पूर्व केंद्रीय मंत्री रहमान खान के पुत्र हैं। बता दें कि देश में 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव 19 अप्रैल से शुरू होंगे। इसके बाद छह और चरणों में 26 अप्रैल, सात मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और एक जून को मतदान होगा। लोकसभा के 543 निर्वाचन क्षेत्रों में लगभग 97 करोड़ पंजीकृत मतदाता, 10.5 लाख मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष अमित चावणा को आणंद और वरिष्ठ नेता सुखराम राठवा को छोटा उदयपुर से उम्मीदवार घोषित

किया गया है। कांग्रेस ने राजस्थान में गंगानगर से कुलदीप इंदौरा, पाली से संगीता बेनीवाल, झालावाड़ बारन से उर्मिला जैन भाया और जयपुर से सुनील शर्मा को उम्मीदवार बनाया है। राजस्थान की सीकर सीट माकपा के लिए छोड़ी गई है। तेलंगाना की सिकंदराबाद सीट से डी नागेंद्र और चेवेल्ला से रंजीत रेड्डी को टिकट दिया गया है।रंजीत रेड्डी पिछले दिनों भारत राष्ट्र समिति छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। पूर्व गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे की पुत्री प्रणीति शिंदे को उम्मीदवार बनाया गया है। पश्चिम बंगाल की मालदा दक्षिण सीट से वर्तमान सांसद अबू हासिम खान चौधरी के स्थान पर उनके पुत्र ईसा खान चौधरी को टिकट दिया गया है। कांग्रेस लोकसभा चुनाव के लिए अब तक 138 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। उसने पहली सूची में 39 और दूसरी सूची में 43 उम्मीदवार घोषित किए थे। कांग्रेस की ओर से जारी उम्मीदवारों की तीसरी सूची के अनुसार, अरणाचल प्रदेश की दो सीट, गुजरात की 11, कर्नाटक की 17, महाराष्ट्र की सात, राजस्थान की पांच, तेलंगाना की पांच, पश्चिम बंगाल की आठ और पुडुचेरी की एकमात्र सीट के लिए प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। अरुणाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख नबाम तुकी को अरुणाचल पश्चिम से उम्मीदवार बनाया गया है।

वरिष्ठ कांग्रेसी ने राहुल को दिखाया आईना, इंदिरा का नारा था-

ना जात पर, न पात पर, मोहर लगेगी हाथ पर

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी जहां भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान जाति जनगणना की वकालत कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य और वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर जाति जनगणना कराने के लिए पार्टी के आक्रामक अभियान पर सवाल उठाए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री शर्मा ने पत्र में लिखा है कि पार्टी कभी भी पहचान की राजनीति में शामिल नहीं हुई और न ही इसका समर्थन किया है। उन्होंने अपने पत्र में इंदिरा गांधी हवाला देकर कहा है कि 1980 के लोकसभा चुनावों में उनका नारा था ना जात पर, न पात पर, मोहर लगेगी हाथ पर और सितंबर 1990 में राजीव गांधी ने लोकसभा में चर्चा के दौरान भाषण देकर कहा था कि, अगर हमारे देश में जातिवाद को स्थापित करने के लिए जाति को

ANAND SHARMA
Member, CWC

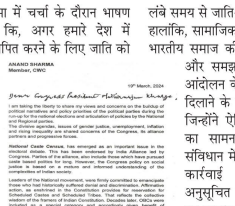

19th March, 2024

Dear Congress President Mallikarjun Kharge,

I am taking the liberty to share my views and concerns on the buildup of political narratives and policy priorities of the political parties during the run-up for the national elections and articulation of policies by the National and Regional parties.

The divisive agendas, issues of gender justice, unemployment, inflation and rising inequality are shared concerns of the Congress, its alliance partners and progressive forces.

National Caste Census, has emerged as an important issue in the electoral debate. This has been endorsed by India Alliance led by Congress. Parties of the alliance, also include those which have pursued caste based politics for long. However, the Congress policy on social justice is based on a mature and informed understanding of the complexities of Indian society.

Leaders of the National movement, were firmly committed to emancipate those who had historically suffered denial and discrimination. Affirmative action, as enshrined in the Constitution provides for reservation for Scheduled Castes and Scheduled Tribes. That reflects the collective wisdom of the framers of Indian Constitution. Decades later, OBCs were included as a special category and accordingly given benefit of reservations. That has found acceptance across the country now for 34 years.

Though caste is a reality of Indian society, Congress has never engaged in nor endorsed identity politics. That is detrimental to democracy in a society with a rich diversity of region, religion, caste and ethnicity.

परिभाषित किया जाता है तब हमें समस्या है...

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शर्मा का कहना है कि गठबंधन में वे दल भी शामिल हैं जिन्होंने लंबे समय से जाति-आधारित राजनीति की है। हालांकि, सामाजिक न्याय पर कांग्रेस की नीति भारतीय समाज की जटिलताओं की परिपक्व और समझ पर आधारित है। राष्ट्रीय आंदोलन के नेता उन लोगों को मुक्ति दिलाने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध थे, जिन्होंने ऐतिहासिक रूप से भेदभाव का सामना किया था। जैसा कि संविधान में निहित है कि सकारात्मक कार्रवाई अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण का प्रावधान करती है। यह भारतीय संविधान निर्माताओं के सामूहिक ज्ञान को दर्शाता है। दशकों बाद ओबीसी को एक विशेष श्रेणी के रूप में शामिल किया गया और तदनुसार आरक्षण का लाभ दिया गया।

कांग्रेस नेता शर्मा ने कहा कि जाति जनगणना न रामबाण हो सकती है और न ही बेरोजगारी और मौजूदा असमानताओं का समाधान हो सकती है। उन्होंने कहा कि विभाजनकारी एजेंडा, लैंगिक न्याय के मुद्दे, बेरोजगारी, मुद्रास्फीति और बढ़ती असमानता कांग्रेस, उसके गठबंधन सहयोगियों और प्रगतिशील ताकतों की साझा चिंताएं हैं। उन्होंने कहा है कि भले ही जाति भारतीय समाज की एक वास्तविकता है, लेकिन कांग्रेस कभी भी पहचान की राजनीति में शामिल नहीं हुई है और न ही इसका समर्थन करती है। शर्मा ने पत्र में लिखा कि मेरी विनम्र राय में इस इंदिरा जी और राजीव जी की विरासत का अपमान माना जाएगा।

गढ़चिरौली में पुलिस ने इनामी नक्सली को किया गिरफ्तार

गढ़चिरौली। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए राज्यों में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद है। इस बीच गढ़चिरौली में पुलिस ने इनामी नक्सली को किया गिरफ्तार है। नक्सलियों की तरफ से किसी भी तरह की हिंसक वारदात को रोकने के लिए पुलिस और सुरक्षाबलों की टीमें पूरी तरह से मुस्तैद हैं। यह नक्सली सुरक्षाबलों के खिलाफ कई हिंसक वारदातों में सक्रिय रूप से शामिल था।

जानकारी के मुताबिक भामरागढ़ सीमा में भामरागढ़ क्यूआरटी चौकी भामरागढ़ पार्टी और सीआरपीएफ के जवान चौकी क्षेत्र में नाकेबंदी कर रहे थे। इसी दौरान सब-डिवीजनल पुलिस अधिकारी भामरागढ़ को गोपनीय सूचना मिली कि नाकाबंदी की जगह के आसपास एक व्यक्ति को संदिग्ध रूप से घूमते हुए देखा गया है।

पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसकी पहचान पेका माडी पुंगती के रूप में हुई। आगे की जांच में ये भी सामने आय कि पुंगती नक्सली है और उस पर डेढ़ लाख का इनाम भी घोषित है। चुनाव से पहले गढ़चिरौली में हार्डकोर नक्सली की गिरफ्तारी पुलिस बल के लिए बड़ी कामयाबी मानी जा रही है।

बता दें कि हाल ही में गढ़चिरौली में पुलिस की कमांडो टीम और नक्सलियों के बीच बड़ी मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ में 4 नक्सली मारे गए थे। मुठभेड़ के बाद जंगल से 4 नक्सलियों के शव बरामद किए गए थे।

होलिका दहन कल, परसो फिजाओ में उड़ेगा रंग गुलाल

होलिका दहन की तैयारी में जुटे लोग, अनहोनी को रोकने पुलिस ने बनाई रणनीति, प्रवासी मजदूरों की हो रही घर वापसी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रेम आपसी भाईचारे और सौहार्द के रूप में मनाया जाने वाला हिंदू धर्मावलंबियों का प्रमुख त्योहार होली 25 मार्च को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जिसकी शुरुआत कल 24 मार्च को होलिका दहन के साथ की जाएगी। जिसके ठीक दूसरे दिन संपूर्ण जिले में रंग गुलाल से होली खेली जाएगी।जहां लोग सभी शिकवे गिले भुलाकर रंग गुलाल खेलकर इस पर्व को मनाएंगे। हालांकि इस पर्व को अभी 2 दिन शेष है लेकिन जिले में इसकी तैयारियां लगभग पूरी हो गई है। वही होली पर्व की आमद को देखते हुए बाजार एक बार फिर गुलजार हो चुका है जहां तरह-तरह के रंग गुलाल पिचकारी मुखोटे लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते नजर आ रहे हैं। वही गठिया माला सहित अन्य मिठाइयों से बाजार सज कर तैयार है। बताया जा रहा है कि प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी रंग गुलाल सहित अन्य सामग्रियों में 15 से प्रति 20त्न की वृद्धि हुई है । मतलब साफ है की रंगों के इस त्यौहार में हर साल की तरह इस साल भी महंगाई लोगों की मुश्किलें बढ़ा सकती हैं। उधर होली पर्व विशेष को लेकर प्रवासी मजदूरों की घर वापसी का सिलसिला लगातार जारी है इसके चलते रेलवे स्टेशन बस स्टैंड में काफी भीड़ देखी जा रही है।

रंग गुलाल तथा पिचकारियों से सजी दुकानें

बाजार पर होली का रंग चढ़ने लगा है।होलिका दहन के साथ ही रंगो का त्यौहार होली पर्व प्रारंभ हो जाता है।लोग एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर गले मिलते हैं। जहा बच्चे युवा महिलाएं सभी रंगों में सरोबार हो जाते हैं और जमकर मस्ती होती है।पंचमी तक चलने वाले रंगोत्सव पर्व के चलते रंग गुलाल तथा पिचकारियों की दुकानें सज गई हैं।गुजरी बाजार ,मेन रोड,और लोहिया चौक सहित अन्य मार्गो पर सजी दुकाने लोगों को लुभाने लगी हैं। इस बार चाईना आइटम बाजार से गायब हो गए हैं।वही होली पर्व को लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

बच्चों में दिख रहा खासा उत्साह

जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में रंगोत्सव की तैयारी शुरू हो गई है। होली में रंगों का विशेष महत्व होता है इसलिए बाजार में रंग गुलाल व पिचकारियों की दुकाने सजने लगी है। कार्टून कैरेक्टर्स से लेकर टैंक व अन्य तरह की पिचकारियां बाजार में आकर्षण का केन्द्र है। त्यौहार मनाने के लिए लोग तैयारी में जुट गए है।वही रंग गुलाल व पिचकारियों की सजी दुकान होली पर्व के आगमन का संकेत कर रही है। होलीका दहन का यह पर्व कल रविवार को मनाया जाएगा, जिसकी तैयारी शुरू हो गई है। खास तौर पर बच्चों में होली के पर्व को लेकर ज्यादा उत्साह है। इसलिए बच्चों को ध्यान मे रखते हुए खास तरह के पिचकारी व रंग भी बाजार में लाए गए है। जहा पिचकारी 20 से 500 रुपए तक के दाम में उपलब्ध है।

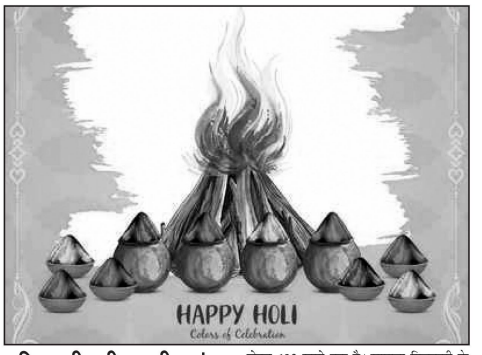

पिचकारी बनी सबकी पसंद

होली के पर्व में पिचकारी की डिमांड बच्चों की होती है। बच्चों में कार्टून कैरेक्टर्स का ज्यादा क्रेज है। मोटू और पतलू, ऑगी एण्ड कॉक्रोचेस, छोटा भीम, नोबिता, डोरेमोन, शॉन द शीप, निन्जा हथौड़ी सहित कई तरह के कार्टून कैरेक्टर्स के पिचकारी उपलब्ध है।वही स्पाइडरमैन, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ, खिलाड़ियों के मुखौटे, शक्तिमान के मुखौटे उपलब्ध हैं। इनकी कीमत 30 रुपये से लेकर 120 रुपये तक है। सामान्य पिचकारी के साथ-साथ म्यूजिक पिचकारी बच्चों को खूब भा रही है। इनकी कीमत 40 रुपये से लेकर 500 रुपये तक बताई जा रही है। इसके अलावा पानी टैंक के डिजाइन वाले पिचकारी भी काफी पसंद किए जा रहे है।

कपड़ों पर मिल रही छूट,गठीया माला पर की जा रही कलाकारी

होली के त्योहार को देखते हुए बाजार रंग-बिरंगे कपड़ों से गुलजार हो गए हैं। लुभावने आफर के साथ दुकानदार लोगों को आकर्षित करने के प्रयास में हैं। जहां 30 से 40 फीसद की छूट, एक की खरीदी पर एक फ्री सहित अनेक ऑफर दिए जा रहे हैं।वही गठिया माला एक बार फिर से इस त्यौहार की रौनक बढाने के लिए बाजार में उतर चुकी है जहां हलवाई गठिया माला पर तरह तरह की डिजाइन बनाकर लोगो को ललचा रहे है।वही पहले 50 रु किलो बिकने वाली गठिया माला इस बार 70 से 80 रु किलो तक बेची जा रही है।

अपनों के संग होली मनाने घर लौट रहे प्रवासी मजदूर

होली के इस पर्व विशेष पर अपनों के संग होली मनाने के लिए प्रवासी मजदूरों का जिला मुख्यालय पहुंचने का दौर बदस्तूर जारी है। इन दिनों प्रवासी मजदूरों की घर वापसी की संख्या में काफी इजाफा देखा जा रहा है। जहां प्रवासी मजदूर होली का यहा पर्व अपने परिवार के साथ मनाएंगे वही पर्व के कुछ दिन बाद वापस रोजगार की तलाश में पलायन कर जाएंगे ।बात अगर रेलवे स्टेशन की करे तो बालाघाट रेलवे स्टेशन में आने वाली सभी ट्रेनों की बोगिया प्रवासी मजदूरों से भरी नजर आ रही है, तो वहीं बसों के भीतर प्रवासी मजदूर ठूस ठूस कर भरे हुए दिखाई दे रहे हैं। जहां हर कोई इस वर्ष पर्व विशेष पर जल्द से जल्द अपने घर पहुंचने की कोशिश में है। बताया जा रहा है कि प्रवासी मजदूरों की घर वापसी का सिलसिला होलिका दहन तक देखा जाएगा। जहां अपनों के बीच पर्व मनाने के बाद सभी प्रवासी मजदूर एक बार फिर से रोजी-रोटी की तलाश में महाराष्ट्र ,छत्तीसगढ़, गुजरात , मुंबई सहित अन्य महानगरों की ओर चले जाएंगे।

होलिका दहन की तैयारी में जुटे लोग

बात अगर ग्रामीण अंचलों की करे तो ग्रामीण क्षेत्रों में होलिका दहन की तैयारी में लोग पखवारे भर पहले से ही जुट गए हैं। सूखी लकड़ियों सहित झाड़-झंखाड़ जगह-जगह इकट्ठा किए जा रहे हैं। उधर, घरों में महिलाओं ने होलिका दहन के लिए गोबर की गूलरी कंडे बनाने भी शुरू कर दी हैं।ज्ञात हो कि पहले होलिका दहन से पूर्व लकड़ी के इंतजाम के लिए युवक रात में कुल्हाड़ी लेकर निकलते थे और पेड़ों से लकड़ी काटकर लाते थे। दो-चार दिन में ही होलिका दहन स्थल पर हरी लकड़ियों का ढेर लग जाता था। इसके बाद बाजार से थोड़ी सूखी लकड़ी लाकर होलिका दहन होता था। वही गांवो में जिसके पेड़ होते थे, उनके मालिक पूरी रात जागकर उनकी सुरक्षा करते थे। इसके बावजूद युवाओं की टोलियां लकड़ी काटने में कामयाब हो जाती थीं, लेकिन अब ऐनवक्त पर आरा मशीनों से लकड़ियां खरीदकर लाई जाती हैं और होलिका दहन की रस्म निभाई जाती।

लांजी पुलिस ने 48 पेटी देशी प्लेन मदिरा के साथ एक व्यक्ति को किया गिरफ्तार

लांजी (पद्मेश न्यूज)। होली पर्व जहां रंगों का उत्सव रहता है वहीं आज कल इस पर्वो को कुछ लोगों ने शराब पीने का भी दिन बना लिया है। युवा पीढ़ी हो या अन्य शराब की आदि हो चुकी है होली मतलब जमकर शराब पीना और रंग में भंग डालना ऐसे मे अवैध शराब का कारोबार करने वाले भी सक्रिय हो जाते है। दुसरी ओर जिला कलेक्टर के द्वारा 25 मार्च को शुष्क दिवस भी घोषित किया गया है ऐसे में शराब का अवैध कारोबार करने वाले खासे सक्रिय हो जाते है और पहले से ही अपने पास शराब का लम सम स्टॉक रख लेते है ताकि होली पर्व में जमकर अवैध रूप से शराब बेची जा सके। इसी कड़ी में लांजी पुलिस को एक बडी सफलता हाथ लगी है जहां पुलिस ने 48 पेटी देशी प्लेन मदिरा करीब 1 लाख 38 हजार की शराब जप्त कर आरोपी को हिरासत में लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 मार्च को लांजी पुलिस को जानकारी प्राप्त हुई की उमरी मे एक आदमी के द्वारा बडी मात्रा में शराब का स्टॉक किया गया है और बेचने की तैयारी में है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी दिनेश सोलंकी के नेतृत्व में मुखबिर की सूचना के आधार पर लांजी पुलिस ने एक टीम तैयार कर मुखबिर के द्वारा बताये गये स्थान पर पंहुचे जहां उमरी निवासी राजीव उर्फ पप्पू पिता देवलाल बिसेन जाति पंवार उम्र 35 वर्ष के पास से लगभग 48 पेटी देशी शराब जप्त कर आरोपी राजीव एवं शराब की 48 पेटी को लेकर पुलिस थाना लांजी लाया गया। उक्त शराब तकरीबन 1 लाख 38 हजार 2 सौ 40 रूपये की बताई जा रही है। लांजी पुलिस के द्वारा आरोपी राजीव बिसेन के विरूद्ध आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत कार्यवाही आरोपी को हिरासत में लेकर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। इस कार्यवाही में प्रमुख रूप से थाना प्रभारी दिनेश सोलंकी, एएसआई महेश तुरकने, आरक्षक नरेन्द्र सोनवे, चेतन सोनी, सचिन बुंदेला, विजय सिसोदिया, रूपसिंह रावत, रूपेन्द्र ठाकरे,भूनेश्वरी हनोते, अनारकली भारद्वाज का सराहनीय योगदान रहा।

गांधी बाल उद्यान में घुमने आये विद्यान हनवत की साईकिल हुई चोरी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के गांधी बाल उद्यान से २२ मार्च की शाम करीब ७ बजे विद्यान हनवत की रेंजर साईकिल अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर ली गई। जिसमें उनके द्वारा पुलिस थाना वारासिवनी में लिखित शिकायत दर्ज करवा दी गई है ।जिसमें पुलिस के द्वारा जांच करने की बात कही जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कृष्ण कुमार हनवत वार्ड नंबर १ मिश्रा नगर निवासी के द्वारा १० मार्च को अपने पुत्र विद्यान हनवत के लिए हीरो कंपनी की एक रेंजर साईकिल करीब ९५०० रुपए की खरीदी गई थी। जिसमें २२ मार्च को विद्यान हनवत अपनी साईकिल को लेकर गांधी बाल उद्यान में घूमने के लिए आए हुए थे ।जिन्होंने अपनी साइकिल को गांधी बाल उद्यान के सामने पार्किंग में खड़ा कर वह अंदर घूमने के लिए चले गया। जहां पर खेलकूद करने के बाद वह घर जाने के लिए वापस अपनी साइकिल के स्थान पर पहुंचे तो देखा कि वहां उनकी साइकिल नहीं थी ।जिसे आसपास ढूंढने पर कहीं पता ना चलने पर उनके द्वारा यह जानकारी अपने पिता कृष्ण कुमार हनवत को दी गई। जिन्होंने मौके पर पहुंचकर आस पड़ोस में पतासाजी की। परंतु कहीं भी पता ना चलने पर पुलिस थाना वारासिवनी में आकर मामले में लिखित शिकायत दर्ज करवाई है। जिसमें पुलिस के द्वारा जांच प्रारंभ कर दी गई है।

मीडिया के लिये पीबी का प्रदेश में पहला प्रशिक्षण बालाघाट में सम्पन्न

मतदान के दिन मीडिया की अत्यावश्यक सर्विस मानते हुए आयोग ने दी नई सुविधा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। आम लोकसभा निर्वाचन -2024 के अंतर्गत गुरुवार को जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देशन में संचार प्रतिनिधियों के लिए दो महत्वपुर्ण और प्रिटिंग प्रेस संचालकों के लिये प्रशिक्षण आयोजित किये गए। एक- एमसीएमसी अंतर्गत पेड न्यूज के विभिन्न प्रावधानों तथा दूसरा आयोग द्वारा संचार प्रतिनिधियों की आवश्यक सर्विस मानते हुए डाक मत पत्र के माध्यम से वोटिंग के लिए दी गई सुविधा का प्रशिक्षण दिया गया। इस नई व्यवस्था को लागू कराने के लिए प्रदेश में इस नवाचार का पहला प्रशिक्षण बालाघाट में हुआ। मास्टर ट्रेनर शरद खंडेलवाल ने संचार प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित करते हुए बताया कि निर्वाचन आयोग ने लोकतंत्र में 100 प्रतिशत मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस निर्णय के अनुसार मतदान के दिन ऐसे पत्रकार जो रिपोर्टिंग कार्यो में संलग्न होने के कारण अपने मतदान का उपयोग नही कर पाते है। इसलिये उन्हें स्वास्थ्य विभाग, फायर व अग्निशमन तथा बिजली विभाग की तरह आवश्यक सेवा मानते हुए पीबी की सुविधा दी गई है। इस सुविधा का लाभ सिर्फ वो संचार प्रतिनिधि ले पाएंगे जिन्हें निर्वाचन आयोग द्वारा प्राधिकृत किया जाएगा। मास्टर ट्रेनर खंडेलवाल ने बड़ी संख्या में उपस्थित संचार प्रतिनिधियों को प्रारूप-12 डी में मतदाता होने सम्बंधी जानकारी देते हुए सुविधा का लाभ लेने या नही लेने की सहमति देने वाले प्रारूप को भरने तथा पोस्टल बैलेट का सुविधा केंद्रों में लाभ लेने का प्रशिक्षण भी दिया। इस दौरान अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, एसडीएम गोपाल सोनी, पोस्टल बैलेट नोडल अधिकारी राजेश खोबरागड़े, सहायक नोडल अधिकारी गजानंद कटारे और उपसंचालक जनसम्पर्क पुष्पेंद्र

वास्कले उपस्थित रहें।

राजनितिक दलों व अभ्यर्थियों की ओर से आने वाले प्रेसनोट के प्रकाशन में सावधानी बरतें

मीडिया अनुवीक्षण व मीडिया प्रमाणन के सम्बंध में प्रशिक्षण देते हुए मास्टर ट्रेनर श्री खंडेलवाल ने कहा कि ऐसा कोई भी समाचार जो किसी एक पार्टी या अभ्यर्थी की प्रशंसा करते हुए उसको विजेता होने का दावा करता हो या किसी एक अभ्यर्थी को अधिक महत्व देते हुए समाचार प्रकाशित करते है। ऐसे समाचार प्रकाशन से बचने का अनुरोध किया। साथ ही आगे बताया कि कई बार निर्वाचन के दौरान कई राजनीतिक दल व अभ्यर्थी अपने प्रेसनोट जारी करते है। जाहिर है वे अपनी प्रशंसा करते है। ऐसे प्रेसनोट एक से अधिक समाचार पत्रों में हूबहू फोटो और विशेषताओं के साथ प्रकाशित होते है। वे समाचार सूचना या जानकारी से अधिक प्रचार हो जाता है। ऐसी स्थिति में पेड न्यूज की श्रेणी में माना जायेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि केबल टेलीविजन, सोशल मीडिया, ई-पेपर, सिनेमा, निजी एफएम रेडियो चैनल, सार्वजनिक स्थानों पर लगने वाले दृश्य व श्रव्य माध्यम, बल्क एसएमएस, रिकॉर्डेड वॉइस मेसेज और इंटरनेट वेबसाइट पर विज्ञापन प्रकाशन व प्रसारण के लिए जिला स्तरीय एमसीएमसी समिति से प्रमाणन प्रमाण पत्र लेने के बाद ही अग्रेषित करें।

जिला स्तरीय समिति से प्रमाणन के लिए पंजीकृत दलों को 3 दिन व अपंजीकृत दलों 7 दिनों पूर्व देना होगा आवेदन

प्रशिक्षण के दौरान संचार प्रतिनिधियों को बताया गया कि कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय एमसीएमसी समिति से प्रमाणन के लिए पंजीकृत राष्ट्रीय व राज्य राजनीतिक दलों व अभ्यर्थियों को विज्ञापन जारी करने की प्रस्तावित शुरुआत से 3 दिन पूर्व आवेदन करना होगा। इसी तरह किसी अन्य व्यक्ति या अपंजीकृत राजनीतिक राजनीतिक दलों के मामलें में आवेदन 7 दिनों पूर्व करना होगा। जिला स्तरीय समिति में अध्यक्ष कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा, सदस्य के रूप में डिप्टी कलेक्टर राहुल नायक, आकाशवाणी के कार्यक्रम अधिकारी कुंवर विक्रम सिंह, ई-गवर्नेंस प्रबंधक विवेक मेश्राम, स्वतंत्र पत्रकार के रूप में सोहन वैद्य और सदस्य सचिव पुष्पेंद्र वास्कले को नियुक्त किया गया है।

अन्य विधानसभा के मतदाता पत्रकार बालाघाट में पोस्टल बैलेट के माध्यम से करेंगे मतदान

आयोग द्वारा निर्धारित की गई इस नवीन पहल का बालाघाट के संचार प्रतिनिधियों में खासी रुचि दिखाई है। संचार प्रतिनिधियों ने प्रशिक्षण के दौरान ही पोस्टल बैलेट का उपयोग करने की सहमति प्रदान की है। ऐसे संचार प्रतिनिधियों से निर्धारित प्रारूप-12- डी भरवाया गया। इस नई सुविधा के माध्यम से बालाघाट के अलावा जिले की अन्य विधानसभा और प्रथम चरण के अन्य संसदीय क्षेत्र के मतदाता पत्रकार लाभ उठा सकेंगे।

कार्यालय तहसीलदार, तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

।। विज्ञप्ति।।

क्रमांक/ / वाचक/ तह०/ २०२४ लालबर्रा, दिनांक / /२०२४ रा०प्र०क्र०/ /ड-१५४/२०-२०

मौजा -....................
रा०नि०म०

आवेदक/आवेदिका पुनाराम पिता सखाराम जाति गोंड निवासी ग्राम लवादा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट।

अपीलार्थी

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका पुनाराम पिता सखाराम जाति गोंड निवासी ग्राम लवादा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम लवादा रा०नि०म० कनकी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट मे स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता / माता / पुत्र /पुत्री अन्य (काका) गुव्हा पिता भादु का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रकरण अधिनियम १९६९ की धारा १२ (२) म.प्र. मृत्यु पंजीयन १९९९ नियम १२(२) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक ०१-०१-१९९८ मृत्यु की घटना स्थल ग्राम लवादा अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उपरोक्त पत्र के संबंध मे हितबद्ध पक्षकार को समाचार के माध्यम से अवगत कराया जाता है कि उक्त संबंध में न्यायालय में उपस्थित होकर न्यायालयीन प्रक्रीया के तहत जवाब रखा जावे।

जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह दिनांक २९/०३/२०२४ के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथी उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक २२/०३/२०२४ को मेरे हस्ताक्षर एव न्यायालय की पदमूद्रा से जारी किया गया।

(संजय बारस्कर)
तहसीलदार लालबर्रा

अंजली बंसपाल
को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं
-शुभेच्छु -
अवधेश बंशपाल पति, कुंती बंशपाल (दादी), आशा बंशपाल (मम्मी), ब्रजलाल बंशपाल (पापा), कैलाश ठाकुर (पापा), लता ठाकुर (मम्मी), संदीप बंशपाल, नीतू बंशपाल, लवलेश सिसोदिया, सोनू प्रिया, मनीष कुर्वे, निक्की कुर्वे एवं समस्त बंशपाल परिवार बकोड़ा लालबर्रा।

वाणी राहंगडाले
को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं
-शुभेच्छु -
भिमेन्द्र राहंगडाले, इंदु राहंगडाले (पापा-मम्मी)
चरण राहंगडाले, लेखन राहंगडाले (दादा-दादी)
एवं समस्त राहंगडाले परिवार, ग्राम भमोड़ी, बालाघाट

लामता में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

परसवाड़ा में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

आम सूचना

समस्त आम जनता/बैंक/वित्तीय संस्थाओं को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है मेरे पक्षकार श्रीमती सिया गिडवानी पति श्री राकेश गिडवानी ने शहर बालाघाट पहन १३/२, तहसील एवं जिला बालाघाट में स्थित खसरा नंबर १११/३, १११/४/२, १११/६ संपत्ति में से २६१९ वर्गफुट को इस भूमि के स्वामी श्रीमती खेलनबाई नगपुरे पति श्री साहेबलाल नगपुरे से क्रय करने का करार कर लिया है तथा अब इस सौदेशुदा संपत्ति की उपरोक्त वर्णित भूस्वामी से रजिस्ट्री की कार्यवाही करवाया जाना है, अतएव समस्त आम जनता को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त वर्णित संपत्ति को उपरोक्त वर्णित भूस्वामी से रजिस्ट्री करवाने में यदि किसी व्यक्ति, बैंक या संस्था को इस बिक्री में कोई वैधानिक आपत्ति हो अथवा किसी व्यक्ति या संस्था का उपरोक्त संपत्ति पर कोर्ठ वैधानिक भार या वैधानिक हित या हिस्सा हो तो आगामी एक सप्ताह के अंदर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज सहित अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा भविष्य में उपरोक्त संपत्ति के क्रय विक्रय बाबद बाद में किसी भी व्यक्ति या संस्था की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

अनिल सावलानी
एडव्होकेट
कार्यालय मुखर्जी काम्पलेक्स
वार्ड नंबर १८ बालाघाट
मोबाईल-९४२५४४८०४४

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का आप ने किया विरोध

काली पुतली चौक में की जमकर नारेबाजी, ईडी को बताया केंद्र सरकार के हाथों की कठपुतली, केजरीवाल को तत्काल रिहा किए जाने की करी मांग

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 21 मार्च की बीती रात ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है ।राजधानी दिल्ली की सियासत में बीती रात हुए बड़े घटनाक्रम में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईडी द्वारा गिरफ्तार करने के खिलाफ दिल्ली सहित पूरे देश मे आप पार्टी द्वारा प्रदर्शन किया जा रहा है जिसका एक नजारा शुक्रवार को बालाघाट नगर के कालीपुतली चौक में देखने को मिला जहां अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने के विरोध में आप पार्टी कार्यकारिणी इकाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईडी के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री की इस गिरफ्तारी को फर्जी गिरफ्तारी और लोकतंत्र की हत्या बताया है। जहां उन्होंने चुनाव के एन वक्त पूर्व अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को बीजेपी की एक बड़ी हार बताते हुए प्रदर्शन किया। जहां उन्होंने अरविंद केजरीवाल को तत्काल रिहा किए जाने की मांग की है।आपको बताए कि दिल्ली के कथित शराब घोटाला मामले में ईडी मुख्यमंत्री केजरीवाल को 9 सम्मन भेजने के बाद, कल 10वां सम्मन लेकर खुद ही पहुंची और लगभग दो घंटे चली पूछताछ के बाद उन्हें कल रात गिरफ्तार कर लिया गया. इसके विरोध में आम आदमी पार्टी द्वारा यह प्रदर्शन किया गया।

झूठे केस में फसाने के लिए कराया गया है गिरफ्तार- शिव जायसवाल

प्रदर्शन को लेकर की गई चर्चा के दौरान आम आदमी पार्टी लोकसभा प्रभारी शिव जायसवाल ने बताया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को अनावश्यक रूप से ईडी से परेशान करवरकर उन्हें ईडी के माध्यम से गिरफ्तार कराया गया है। यह तानाशाही रवैया है। ईडी ने भी बिना किसी प्रमाण के उन्हें गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पूर्व पार्टी के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर भी 50-60 बार छापे मारे गए ,1 रू की जप्ति आज तक नहीं बन पाई है। इसी तरह राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज उठाई थी तो उन्हें भी झूठे केस में फंसा कर गिरफ्तार किया गया है इसी तरह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज उठाई तो लोकसभा चुनाव के एन वक्त पूर्व उन्हें झूठे केस में फसाने के लिए गिरफ्तार किया गया है। ताकि वह चुनाव प्रचार ना कर सके। मोदी को हार का डर सता रहा है इसके पूर्व चुनाव में दिल्ली और पंजाब में मोदी चुनाव नहीं जीत सके। उन्हें पता है कि यदि केजरीवाल चुनाव प्रचार करेंगे तो अन्य जगहों पर भी वे चुनाव नहीं जीत पाएंगे इसीलिए उनकी गिरफ्तारी ईडी के माध्यम से कराई गई है ।जिसका जवाब आगामी समय में जनता देगी। प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी लोकसभा उपाध्यक्ष शरद जैन ,सोशल मीडिया प्रभारी रजनीश नायडू ,जिला उपाध्यक्ष सादिक भाई ,लोकसभा सचिव दीपक रहांगडाले, शीतल प्रसाद, सूरज सोनवाने,और सुरेंद्र बोरकर सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में मृत व्यक्ति के पीड़ित परिवार को नहीं मिला इंसाफ ?

मृतक के परिजनों ने एसपी कार्यालय में सौंपा ज्ञापन, आरोपी वाहन चालक के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही किए जाने की करी मांग

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। हट्टा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोठियाटोला पोडारदंड नाला समीप 28 जनवरी को एक चौपहिया वाहन की ठोस से गंभीर रूप से घायल हुए कोठियाटोला निवासी महेश पिता अजाब सिंह मरकाम की मौत हो गई थी इस मामले में हट्टा पुलिस द्वारा अब तक चौपहिया वाहन चालक के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई है। जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए मृतक के पीड़ित परिवार ने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक ज्ञापन सौपकर उक्त चौपहिया वाहन को जप्त कर आरोपी वाहन चालक के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है ।जिन्होंने कई बार मामले की शिकायत करने पर भी हट्टा पुलिस द्वारा उक्त वाहन चालक के खिलाफ कोई कार्यवाही ना करने का आरोप लगाते हुए ज्ञापन के माध्यम से उन्हें इंसाफ दिलाए जाने की गुहार लगाई है।

ढेड़ माह बीतने के बाद भी हट्टा पुलिस नहीं कर रही कोई कार्यवाही -रमेश

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान मृतक महेश के बड़े भाई रमेश मरकाम ने बताया कि 28 जनवरी को उनका भाई महेश कही से अपने घर वापस आ रहा। तब पोडारदंड नाला की पुलिया के उपर एम.पी.50.जेड.ए. 1185 हुण्डाई क्रेटा सफेद रंग के कार चालक द्वारा तेज गति व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाकर उसे सामने से ठोस मार दिया। जिसके कारण घटना स्थल पर मेरे भाई को अत्यधिक चोट आयी थी। 100 नंबर डायल कर मेरे भाई महेश को बालाघाट चिकित्सालय लाया गया था जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने उसे गोंदिया रेफर कर दिया था जिस पर गोंदिया के एक निजी हास्पीटल में ईलाज चला। ईलाज के दौरान दिनांक 07 फरवरी की सुबह महेश की मृत्यु हो गई। पोडारदंड नाला समीप हुई इस घटना को वहां कई लोगों ने देखा था जिसकी जानकारी हमने हट्टा पुलिस को दी ,लेकिन कई बार जानकारी देने पर भी हट्टा पुलिस द्वारा आरोपी के वाहन को जप्त कर उस पर वैधानिक कार्यवाही नहीं की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस घटना को करीब डेढ़ माह हो गया है 7 से 8 बार हट्टा थाना के चक्कर लगा चुके हैं पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसमें जो गवाह है पुलिस ने उनके कोरे कागज पर साइन ले लिए हैं और उन्हें वापस कर दिया है। थाने से कोई कार्यवाही होगी ऐसी हमे कोई उम्मीद नहीं है ।जिसके चलते आज हमने एसपी कार्यालय में ज्ञापन सौपकर कर शिकायत करते हुए मामले में इंसाफ दिए जाने की गुहार लगाई है। हमारी मांग है कि आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही कर हमें इंसाफ दिलाया जाए।

बालाघाट रिटर्निंग अधिकारी ने संसदीय क्षेत्र के नोडल अधिकारियों के साथ बैठक की

पोस्टल बैलेट और ईडीसी की तैयारियों के सम्बंध में दिए निर्देश

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। कलेक्टर व रिटर्निंग अधिकारी डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने गुरुवार को कलेक्टर सभागृह में संसदीय क्षेत्र 15 बालाघाट-सिवनी के नोडल अधिकारियों तथा सहायक रिटर्निंग अधिकारियो के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि संसदीय क्षेत्र के सभी अधिकारी एक होकर कार्य सम्पादित करेंगे तो आसान होगा। पहले चरण में निर्वाचन होने के कारण समय ज्यादा नही है। इसलिये आपसी समय सबसे आवश्यक है। शांतिपूर्ण व निष्पक्षतापूर्ण निर्वाचन के लिए एक दूसरे से समन्वय के साथ सूचनाओं का आदान प्रदान करना आवश्यक है। आरओ डॉ. मिश्रा द्वारा पोस्टल बैलेट और ईडीसी जारी करने के सम्बंध में निर्देशित किया गया कि 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता व दिव्यांग तथा अत्यावश्यक सेवाओ में संलग्न होने वाले अधिकारियों के मतदान सुविधा केंद्रों व चलित मतदान केंद्र पर करवाने के लिए कार्यवाही करना है। दिव्यांग व 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता से बीएलओ के माध्यम से पावती प्राप्त कर नोडल अधिकारी को 24 मार्च से सुनिश्चित किया जाना है। साथ ही आरओ डॉ. मिश्रा ने निर्देश दिए है कि पोस्टल बैलेट सहित मतदान दल कर्मियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण की सुविधाजनक व्यवस्था सुनिश्चित करें।

प्रशिक्षण के दौरान फॉर्म-12 भरा जा रहा है, इसकी जानकारी भी उसी दिन उपलब्ध कराएंगे। जो अधिकारी अन्य जिलों में पदस्थ है उन्हें साथ ही इस बात का विशेष ध्यान दे कि पिछले निर्वाचन में छोटी-मोटी जो गलतियां सामने आयी होगी, उन्हें दुरुस्त करने के लिए बार प्रशिक्षण में दूर करें। चलित मतदान के लिए रूट चार्ट पूर्व से ही निर्धारित कर ले। बैठक में अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, जिपं सीईओ डीएस रणदा, उपजिला निर्वाचन अधिकारी केसी ठाकुर, बैहर एसडीएम विवेक केवी,वारासिवनी एसडीएम राजीव रंजन पांडेय, बालाघाट गोपाल सोनी, कटंगी एमआर धुर्वे, परसवाड़ा केसी सिंहसार सहित सिवनी व बरघाट के अधिकारी मौजूद रहें।

सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल युवक की उपचार के दौरान मौत

करीब 14 दिनों तक अलग-अलग अस्पतालों में चला था उपचार, परिजनों ने ठोस मारने वाले आरक्षक के खिलाफ कार्यवाही की करी मांग

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। ग्रामीण थाना नवेगांव क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोसमी में 7 मार्च की देर रात हुए एक सड़क हादसे में ,गंभीर रूप से घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक का नाम ग्राम कोसमी वार्ड नंबर 9 आदर्श नगर निवासी 29 वर्षीय अजय पिता परशुराम बर्वे बताया गया है। जहा अस्पताल से तहरीर मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही कर शुक्रवार की सुबह शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है वही मामले की जांच के लिए डायरी नवेगांव थाना पहुंचाई गई है।

वैवाहिक कार्यक्रम से लौट रहा था अजय

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोसमी वार्ड नंबर 9 आदर्श नगर निवासी अजय बर्वे बालाघाट रेलवे स्टेशन स्थित रैक पॉइंट में मजदूरी का कार्य करता था ।बताया जा रहा है कि अजय 7 मार्च को सरेखा निवासी राहुल पांचे के घर वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गया था। जहां 7 मार्च की रात्रि करीब 11:30 बजे वह अपने दोस्त अनिल खंडाते के साथ अलग अलग मोटरसाइकिल से घर वापस आने के लिए निकाले थे। बताया जा रहा है कि रात्रि करीब 12 बजे के आसपास जब वह अपने गांव कोसमी पहुचकर नेमा फोटो कॉपी के सामने से अपने घर की तरफ मुड़ रहा था उसी दरमियान थाना नवेगांव की तरफ से आ रहे आरक्षक अरविंद गुर्जर की मोटरसाइकिल अजय की मोटरसाइकिल से टकरा गई। जहां आमने-सामने दोनों मोटरसाइकिल के बीच हुई इस भिड़ंत में अजय और अरविंद दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां आरक्षक अरविंद गुर्जर का उपचार कर उसे दो दिन बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। तो वही इस हादसे में गंभीर रूप से घायल होने पर अजय बर्वे का प्राथमिक उपचार कर चिकित्सकों ने उसे रेफर कर दिया। जहां अजय के परिजनों ने बेहतर उपचार के लिए उसे नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां अजय की हालत और अधिक खराब हो गई। जिस पर जिसकी गंभीर हालत को देखते हुए वहां के चिकित्सकों ने उसे गोंदिया रेफर कर दिया। जिस पर उनके परिजनों ने अजय को गोंदिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसका ब्रेन का ऑपरेशन किया गया। बताया जा रहा है की युवक को गोंदिया के निजी अस्पताल में करीब 10 दिनों तक भर्ती रखा गया था। जहां उसकी हालत में किसी प्रकार का सुधार न आने और हालत लगातार बिगड़ती देख वहां के चिकित्सकों ने उसे नागपुर एम्स के लिए रिफर कर दिया जहां के चिकित्सकों ने 21 मार्च की दोपहर अजय की छुट्टी कर, घर ले जाकर उसकी सेवा करने की बात कहते हुए उन्हें बालाघाट के लिए वापस कर दिया। जिस पर उनके परिजनो ने अजय को जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया जहां देर रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

नवेगांव पुलिस करेंगी आगामी जाँच

उधर जिला अस्पताल चिकित्सक से तहरीर मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने युवक के शव को बरामद कर, मृतक के परिजनों के बयान दर्ज किए। वहीं पंचनामा बनाकर अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की। जहां जाफी 174 के तहत मर्ग कायम कर मृतक युवक के शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है वही मामले की जांच के लिए डायरी ग्रामीण थाना नवेगांव पहुंचाई गई है। अब इस मामले की आगामी जांच नवेगांव थाना पुलिस द्वारा की जाएगी।

मृतक के परिजनों ने आरक्षक पर कार्यवाही की करी मांग

बताया जा रहा है कि 7 मार्च की देर रात इस हादसे के बाद अजय के परिजनों ने आरक्षक अरविंद गुर्जर से कई बार संपर्क कर अजय के उपचार करने की बात कही, वही अजय के उपचार के लिए कुछ आर्थिक मदद किए जाने की गुहार लगाई। लेकिन आरक्षक अरविंद गुर्जर ने घायल युवक और उनके परिजनों कि किसी भी प्रकार की कोई मदद नहीं की ।जिसपर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए अजय के परिजनों व स्थानीय युवकों ने अजय की मोटरसाइकिल को ठोस मारने वाले पुलिस आरक्षक अरविंद गुर्जर पर कड़ी कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

ओलावृष्टि में नष्ट हुई फसल के मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीणों ने दिया आवेदन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। बैहर क्षेत्र में बीते दिनों हुई ओलावृष्टि में बहुत से किसानो की फसल चौपट हो गई, जिससे अनेकों किसानों को नुकसान उठाना पड़ा है, जिसको लेकर बैहर क्षेत्र के लगभग आधा सैकड़ा से अधिक किसानों व ग्रामीणों द्वारा जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन दिया गया है, जिसमें उन्होंने जिला प्रशासन से यह मांग की है कि उनके क्षेत्र में हुई ओलावृष्टि से उनके क्षेत्र की फसल और ग्रामों में कुछ स्थानो पर भारी नुकसान हुआ है जिसे जिला प्रशासन उनके क्षेत्र का सर्वे करवाकर उन्हें उचित मुआवजा देने की मांग को लेकर उन्होंने कलेक्टर गिरीश कुमार मिश्रा को एक ज्ञापन सौंपा है। आपको बता दे की अभी बीते दिनों बेमौसम हुई बारिश और ओलावृष्टि से जिले के कई क्षेत्रो में अतिवृष्टि और ओलावृष्टि से किसने की फसल तबाह हुई है, एवं कुछ क्षेत्रों में ग्रामीणों के मकान भी टूटे हैं जिसको लेकर अब ग्रामीणों के द्वारा जिला प्रशासन से गुहार लगाई जा रही है कि उनके हुए नुकसान का मुआवजा जिला प्रशासन द्वारा दिया जाए, ऐसा ही एक मामला बैहर क्षेत्र अंतर्गत आने वाले वन ग्राम खिरसाड़ी का है जहां पर ओलावृष्टि की वजह से किसानों व ग्रामीणों के मकान के साथ-साथ फसल भी चौपट हुई है, जिसका सर्वे तो हुआ है ,किंतु जिस प्रकार से संबंधित विभाग के द्वारा सर्वे किया गया है, उसे हिसाब से किसानों को मुआवजा नहीं मिल रहा है, जिसकी मांग को लेकर ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर के नाम एक आवेदन दिया है जिसमें उन्होंने यह मांग की है कि उन्हें जिस प्रकार से उनके क्षेत्र में ओलावृष्टि हुई है उसका सही सर्वे कर उन्हें फसल का उचित मुआवजा दिया जाए।

पुनः जिला प्रशासन सर्वे करवाये - आनंद मडावी

ग्राम से पहुंचे आनंद मडावी बताते हैं कि बीते दिनों उनके क्षेत्र में ओलावृष्टि हुई थी जिससे उनके क्षेत्र की फसल के साथ-साथ कुछ ग्रामीणों के मकान भी टूट गए थे और पूरी तरह से फसल चौपट हो गई थी, जिसकी समस्या को लेकर वह जिला मुख्यालय पहुंचे हैं और उन्होंने बताया कि संबंधित विभाग के द्वारा सर्वे भी किया गया था, किंतु जिस प्रकार से सर्वे होना था वैसा सर्वे नहीं हुआ है और उन्हें महज कुछ ही प्रतिशत ओलावृष्टि की राशि प्रदान की जा रही है ,जबकि वह चाहते हैं की पुनः जिला प्रशासन सर्वे करें और उन्हें उचित मुआवजा प्रदान करें

पटवारी ने सर्वे सही नहीं किया है - गोकलसिंह धुर्वे

ग्रामीण गोकल सिंह धुर्वे बताते हैं कि जो सर्वे पटवारी के द्वारा उनके क्षेत्र का किया गया है , वह सर्वे सही नहीं हुआ है, जो सर्वे हुआ है उस से वह संतुष्ट नहीं है और वह चाहते हैं , कि फिर से सर्वे किया जाए और इसमें पूरा गांव ही सम्मिलित है जिनका सर्वे फिर से होना चाहिए और उन्हें उचित मुआवजा जिला प्रशासन के द्वारा दिया जाना चाहिए उन्होंने यह भी बताया कि उनके खेतों में जो फसल लगी थी, वह पूरी 100 प्रतिशत नष्ट हो चुकी है और अब उनके सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो चुका है, जिससे वह चाहते हैं कि प्रशासन उनकी मदद करें।

अब 26 मार्च को नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किये जायेंगे

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। आम लोकसभा निर्वाचन 24 के अंतर्गत शुक्रवार चौथें दिन एक अभ्यर्थी ने रिटर्निंग अधिकारी डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा को अपना न निर्देशन पत्र प्रस्तुत किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नाम निर्देशन पत्र बरघाट के धनेन्द्र शरणागत ने निर्दलीय रूप में पर्चा भरा है। इसके अलावा नाम निर्देशन पत्र ले जाने वाले अभ्यर्थियों में भारतीय कांग्रेस पार्टी से अरविंद देशमुख, दलसिंह पन्दे, रामकुमार नगपुरे, बहुजन समाजवादी पार्टी से भारत सिंह शिवहरे, बहुजन मुक्ति पार्टी से राजकुमार नागेश्वर, आरपीआई से डोमन सिंह, आम आदमी पार्टी से गोरेलाल रहांगडाले, जनता दल से दिलीप चौधरी, भारतीय अम्युनिस्ट पार्टी से अशोक कुमार मसीह, क्रांतिकारी समाजवादी मंच से सहेजलाल उपवंशी तथा निर्दलीय में महादेव नागदेवे, उमाशंकर मुंजारे, प्रदीप परांजपे, देवदत्त जोशी, श्याम मसराम, रामेश्वर बिसेन, राधेश्याम भोयर शामिल रहे।

सिख समाज द्वारा 23 मार्च को मनाया जाएगा शहीदे आजम सरदार भगत सिंह का शहादत दिवस

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सिख समाज एवं बाबा फतेह सिंह जत्थे द्वारा देश को आजाद कराने तथा हंसते-हंसते फांसी को गले लगाने वाले शहिद आजम सरदार भगत सिंह की शहादत दिवस को प्रणाम करते हुए नगर के विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं, राजनीतिक दल, अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ नगर के विभिन्न धर्मों के युवाओं द्वारा 23 मार्च को सुबह 9 बजे स्थानीय शहीद भगत सिंह अस्पताल में सभी के सहयोग से मनाया जाएगा। इस दौरान सिख समाज द्वारा अस्पताल में मरीजों को फल वितरण कर भगत सिंह के शहादत को याद करते हुए मरीजो के जल्दी से जल्दी ठीक होकर देश के हित में काम करने की कामना की जाएगी। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद द्वारा भगतसिंह जी की प्रतिमा को स्नान कराया जाएगा। एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बलिदान दिवस को याद किया जाएगा। सिख समाज के डॉक्टर जसविंदर सिंह सोंधी, हरचरण सिंह नरडे, दर्शनसिंह ढिल्लन, अमित सिंह बग्गा, सुरिंदरपालसिंह, अमृतपालसिंह युवा जसमीतसिंह नरडे जसकरणसिंह सोंधी, हरप्रीत सिंह खालसा, हरप्रीतसिंह अतालिया, गगन अतालिया, करण अतालिया, विक्रम सिंह कल्याबी एवं समाज के अन्य लोगों ने शहादत दिवस पर सर्वसमाज गणमान्य नागरिक युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

बिरसा क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक किसानों ने फसल के मुआवजे के लिए जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। बिरसा क्षेत्र के लगभग दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर जिला कलेक्टर को एक आवेदन दिया है, जिसमें उन्होंने यह मांग की है कि उनके क्षेत्र के दो से तीन ग्रामों में हुई ओलावृष्टि से उनकी फसल चौपट हो गई है, जिससे वह चाहते हैं कि उन्हें जिला प्रशासन द्वारा आर्थिक मदद की जाए, जिसके लिए उन्होंने एक आवेदन कलेक्टर महोदय को दिया है। आपको बता दे कि बीते दिनों 18 और 19 मार्च को हुई जिले में

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने जिले के बहुत से किसानों और ग्रामीणों को नुकसान पहुंचा है, जिससे किसानों की खेतों में लगी फसले अब पूरी तरह ओलावृष्टि से चौपट हो चुकी है और किसानों के सामने अब आर्थिक संकट उत्पन्न हो चुका है ,जिसको लेकर भले ही जिला प्रशासन द्वारा सर्वे करवाए गए हो, किंतु जिस प्रकार से उन्हें मुआवजा दिया जा रहा है उस मुआवजे से ग्रामीण व किसान संतुष्ट नहीं है, जिसको लेकर वह जिला प्रशासन के सामने आवेदन निवेदन कर रहे है ,जिसका लेकर 22 मार्च को जिला मुख्यालय पहुचे बिरसा क्षेत्र के कुछ ग्रामीणों ने बताया कि उनके क्षेत्र में 18 व 19 मार्च को अत्यधिक ओलावृष्टि हुई थी, जिससे उनकी फसले पूरी तरह चौपट हो गई, किंतु जिस प्रकार से मुआवजे दिया जा रहा है ,वह मुआवजे से वह संतुष्ट नहीं है और वह चाहते हैं कि एक बार पुनः सर्वे किया जाए और जो फसल चौपट हुई है , उसका वास्तविक मुआवजा किसानों को दिया जाए

नष्ट हुई फसल का फिर से निरीक्षण कराया जाय - विजय पटले

ग्रामीण विजय पटले और मेघराज चौधरी ने बताया कि वह बिरसा तहसील के ग्राम सारसडोल और बिसतवाही के आसपास के क्षेत्रो में 18 व 19 मार्च को भारी ओला वृष्टि और तेज़ बारिश से ग्राम सारसडोल एवं आसपास के गावों में किसानों की फसल पूरी तरह से 80 से 90 प्रतिशत नष्ट हो चुकी है, जिससे किसानों को बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है, जिससे वह चाहते है की ओला वृष्टि की उचित जांच कराई जाये और नष्ट हुई फसल का खेतो में निरीक्षण कराया जाय जिससे किसानों को उचित मुआवजा मिले।

पांडेवाड़ा के ग्रामीणों को नही मिल रहा नल-जल योजना का पानी

पीएचई विभाग एवं ठेकेदार के प्रति ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त, ग्रामीणों ने पीएचई विभाग से ग्राम में पानी टंकी का निर्माण करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)।
नगर मुख्यालय से लगभग १२ किमी. दूर ग्राम पंचायत पांडेवाड़ा में नल-जल योजना के तहत पीएचई विभाग के द्वारा घर-घर नल का कनेक्शन किया गया है ताकि छिंदलई वैनगंगा नदी का पानी पाईपलाईन के माध्यम से ग्रामीणों को मिल सके परन्तु पीएचई विभाग एवं ठेकेदार के द्वारा सही तरीके से ग्राम में पाईपलाईन का विस्तार एवं नल का कनेक्शन नही किया गया है। जिसके कारण ग्रामीणजनों को नल-जल योजना का पानी सप्ताह में एक या दो बार ही मिल रहा है तो वहीं कुछ वार्डों में पानी नही मिल रहा है जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। इस तरह से पीएचई विभाग की लापरवाही के चलते शासन की यह नल-जल योजना विफल होते नजर आ रही है। साथ ही कुछ वार्डों के हैंडपंप भी खराब हो चुके है ऐसी स्थिति में ग्रामीणजनों को दुर स्थित हैंडपंप व कुएं से पानी लाना पड़ रहा है एवं हैंडपंप में अधिक दबाव होने पर दूषित पानी भी निकल रहा है जिसे पीने मजबूर है ग्रामीणजन। जिससे उन्हे स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है। साथ ही गर्मी के दिनों में पानी के लिए खासा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणजनों ने पीएचई विभाग से पाईपलाईन में जो तकनीकी खराबी है उसमें सुधार कर नियमित रूप से पानी प्रदाय करने और ग्राम में पानी की टंकी का निर्माण करवाने की मांग की है ताकि नल-जल योजना का पानी सुचारू रूप से मिल सके।

पीएचई विभाग एवं ठेकेदार की लापरवाही के चलते नल-जल योजना हो रही विफल

आपकों बता दें कि शासन के द्वारा करोड़ों रूपयों की नल-जल योजना प्रारंभ की गई है और इस योजना के माध्यम से छिंदलई वैनगंगा नदी का पानी जाम के जल संयंत केन्द्र में जमा होता है जहां से पानी फिल्टर होने के बाद पाईपलाईन के माध्यम से ग्रामीणजनों को प्रदाय किया जाता है। इसी तरह ग्राम पंचायत पांडेवाड़ा में भी पीएचई विभाग के द्वारा नल-जल योजना के तहत घर-घर में नल कनेक्शन तो किया गया है परन्तु नियमित रूप से ग्रामीणजनों को नल-जल योजना का पानी नही मिल रहा है। जिससे ग्राम में पानी की समस्या बनी हुई है। वहीं पीएचई विभाग के माध्यम से ठेकेदार के द्वारा पाईपलाईन बिछाने के साथ ही ग्रामीणों के घरों में नल का कनेक्शन तो कर दिया गया है परन्तु ग्राम में पानी की टंकी नही होने के कारण खमरिया में बनाये गये पानी टंकी से पांडेवाड़ा में पानी पहुंचता है। जिसकी दूरी अधिक होने और पाईपलाईन में तकनाकी खराबी आने के कारण तेज गति से पानी नही पहुंच पाता है। ऐसी स्थिति में कुछ वार्ड में सप्ताह में एक या दो दिन ही पानी मिलता है। तो वहीं कुछ वार्ड में तो लंबे समय से नल-जल योजना का पानी नही मिल रहा है। जिससे ग्रामीणजनों को दुर स्थित हैंडपंप व कुएं से पानी लाना पड़ रहा है। जबकि पंचायत के द्वारा कई बार पीएचई विभाग से ग्राम में पानी टंकी निर्माण करने के साथ ही नियमित रूप से पानी प्रदाय करने की मांग कर चुके है परन्तु कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

सप्ताह में एक दिन आता है पानी - निर्मला

श्रीमती निर्मला गढ़पाले ने बताया कि नल-जल योजना के तहत घर-घर पर नल कनेक्शन किया गया है परन्तु कुछ वार्ड में सप्ताह में एक बार पानी आता है तो कुछ वार्ड में तो पानी ही नही आ रहा है सिर्फ नल कनेक्शन घर की शोभा बढ़ा रही है। जबकि रोज पानी मिलना चाहिए परन्तु नही मिल रहा है जिसके कारण ग्राम में पानी की समस्या बनी हुई है एवं पानी की समस्या को लेकर कई बार पंचायत के सरपंच-सचिव को अवगत करवा चुके है परन्तु कोई ध्यान नही दिया जा रहा है।

कुएं व हैंडपंप का पानी कर रहे उपयोग - हेमराज

हेमराज शरणागत ने बताया कि नल जल योजना के तहत घर-घर में नल-कनेक्शन किया गया है परन्तु सभी वार्डों में पानी नही मिल रहा है जिसके कारण ग्राम में पानी की समस्या बनी हुई है। ऐसी स्थिति में दूर स्थित हैंडपंप व कुएं से पानी ला रहे है। साथ ही यह भी बताया कि हैंडपंप में दबाव अधिक होने पर उससे दूषित पानी भी निकलता है जिसके सेवन से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है इसलिए हमारी मांग है कि जब शासन के द्वारा नल-जल योजना प्रारंभ की गई है तो नियमित रूप से पानी मिलना चाहिए और पाईपलाईन में तकनीकी खराबी है तो उसमें सुधार किया जाये।

नल कनेक्शन घर की बढ़ा रही शोभा - ओमकार

ओमकार पारधी ने बताया कि छिंदलई वैनगंगा नदी का शुध्द पानी पहुंचाने के लिए सरकार के द्वारा करोड़ों रूपयों की नल-जल योजना प्रारंभ की गई है और पाईपलाईन के माध्यम से पानी प्रदाय किया जाता है परन्तु पांडेवाड़ा के ग्रामीणजनों को इस योजना का पानी नही मिल रहा है एवं कुछ वार्ड में सप्ताह में एक बार पानी आता है वह भी बहुत कम मिलता है जिसके कारण ग्रामीणजनों को पानी के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और यह नल कनेक्शन घर की शोभा बढ़ा रही है। साथ ही यह भी बताया कि हैंडपंप में सुबह से पानी भरने वालों की भीड़ लग जाती है इसलिए हमारी मांग है कि पाईपलाईन में अगर तकनीकी खराबी है तो उसमें सुधार किया जाये और ग्राम में पानी टंकी का निर्माण किया जाये।

इनका कहना है

पीएचई विभाग की नल-जल योजना के तहत पांडेवाड़ा में नल कनेक्शन किया गया है परन्तु पानी नही मिल रहा है ऐसी स्थिति में दुर स्थित हैंडपंप व कुएं से पानी लाना पड़ता है और यह सब पीएचई विभाग के अधिकारी एवं ठेकेदार की लापरवाही के कारण हो रहा है क्योंकि उनके द्वारा सही तरीके से पाईपलाईन का कार्य नही किया गया है। जिसके कारण तेज गति से पानी नही पहुंच पता है क्योंकि खमरिया से पानी आता है, ग्राम में पानी टंकी नही है, अगर ग्राम में पानी टंकी बन जाती है तो पानी की समस्या दुर हो जायेगी इसलिए प्रशासन से मांग है कि पांडेवाड़ा में पानी टंकी का निर्माण करवाये।

युवराज सोनवाने
सरपंच
ग्राम पंचायत पांडेवाड़ा

होली पर्व शांति व सद्भावनापूर्वक मनाये क्षेत्रीयजन
थाना में शांति समिति की हुई बैठक

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित थाना परिसर में २२ मार्च को शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक नायब तहसीलदार सुरेश उपाध्याय, थाना प्रभारी हेमंत नायक एवं जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। इस बैठक में आगामी २४ मार्च को होलिका दहन व २५ मार्च को होली पर्व सद्भावनापूर्वक मनाने हेतु आवश्यक विचार विमर्श किया गया। बैठक के दौरान समाजसेवी व क्षेत्रीय गणमान्यजनों ने नगर मुख्यालय व विभिन्न ग्रामों में आयोजित होने वाले होलिका दहन कार्यक्रम की जानकारियों से अवगत करवाया। साथ ही यह भी कहा कि बस स्टैण्ड में बस खड़ी न होकर विश्रामगृह व हाईवे रोड़ पर बसे खड़ी हो रही है जिसके कारण बार-बार जाम लगने से आवागमन बाधित होने से स्थानीयजनों व राहगीरों को खासा परेशानी होती है इसलिए पुलिस प्रशासन यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की बात कही। साथ ही उपस्थितजनों ने यह भी कहा कि हाई स्कूल मार्ग में बसे खड़े होने से आवागमन करने वालों को परेशानी होती है एवं बस स्टैण्ड व हाई स्कूल में अवैध रूप से अतिक्रमण भी किया जा रहा है और हाई स्कूल मार्ग में लोग किसी भी स्थान पर अव्यवस्थित तरीके से वाहन खड़े कर देते है जिसके कारण हर समय दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी रहती है इसलिए प्रशासन से मांग है कि हाई स्कूल मार्ग पर अव्यवस्थित तरीके से जो बसे व अन्य वाहन करते है एवं अवैध रूप से अतिक्रमण कर रहे है उन पर सख्त कार्यवाही की जाये। जिस पर पुलिस प्रशासन के द्वारा उपस्थितजनों को आश्वास्त करते हुए कहा गया कि पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियों के मार्गदर्शन में नगर की यातायात व्यवस्था को बनाये एवं अन्य कार्यवाही की जायेगी। साथ ही सभी को होली का पर्व हिन्दु व शब ए बारात का पर्व मुस्लिम धर्मालंबियों के द्वारा शांति व सद्भावनापूर्वक बनाने की अपील की एवं घरों में रहकर ही होली का पर्व मनाने सहित अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये गये। विधायक प्रतिनिधि अनिल शर्मा ने बताया कि हमें व्हाट्सअप ग्रुप में एसएमएस मिला था कि शांति समिति की बैठक थाना में रखी गई है। जब बैठक में पहुंचे तो अधिकांश जनप्रतिनिधि बैठक में नही आये थे जबकि होली एवं ईद का पर्व आने वाला है दोनों समाज के लोग एवं जनप्रतिनिधियों को बुलाया जाना चाहिए था परन्तु उपस्थिति कम दिख रही है जिससे ऐसा लग रहा है कि उनको जानकारी नही दी गई होगी। साथ ही यह भी बताया कि पूर्व में शांति समिति की बैठक की जानकारी देने के लिए रजिस्टर लेकर गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधियों तक पुलिसकर्मी पहुंचते थे और हस्ताक्षर लेते थे जिससे सभी को जानकारी लग जाती थी कि आज बैठक है परन्तु अब व्हाटसअप ग्रुप में डाल दिया जाता है जिसे सभी नही देख पाते है इसलिए पुलिस प्रशासन से मांग है कि रजिस्टर के माध्यम से बैठक की जानकारी दी जाये एवं बैठक में जो सुझाव व प्रस्ताव लिये जाते है उस पर कार्यवाही भी होनी चाहिए। प्रभारी तहसीलदार सुरेशकुमार उपाध्याय ने बताया कि होलिका दहन होली व ईद पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित कर शांति व सौहार्दपूर्वक दोनों पर्व मनाने की अपील की गई है और पर्व पर शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस प्रशासन के द्वारा मानीटरिंग की जायेगी। साथ ही यह भी बताया कि सभी जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिकों को बैठक की जानकारी दी गई थी परन्तु वे क्यों नही आये वही लोग बता सकते है, हमारा काम है जानकारी देना। श्री उपाध्याय ने बताया कि हाई स्कूल मार्ग पर अव्यस्थित तरीके से वाहन खड़े करते है उन पर कार्यवाही का जायेगी, तेज आवाज में ध्वनि विस्तारक यंत्र बज रहे है तो शिकायत मिलते ही तत्काल कार्यवाही की जायेगी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक व पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

मरार माली समाज के पदाधिकारियों ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

समाज के ब्लाक सचिव को जान से मारने की धमकी देने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करने की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। मरार माली समाज ब्लाक लालबर्रा के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधुओं ने ग्राम खूरपुड़ी के संजय कावरे पर समाज के ब्लाक सचिव डोंगरूलाल मानेश्वर को गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए २२ मार्च को शाम ७ बजे थाना पहुंचकर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर संजय कावरे को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है एवं मांगे पूरी नही होने पर कठोर कदम उठाने की चेतावनी शासन-प्रशासन को दी है। आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत खूरपुड़ी निवासी संजय कावरे शराब पीकर अपनी पत्नि के साथ मारपीट करता था जिसके बाद सामाजिक बैठक में उन्हे समझाईश दी गई थी कि पत्नि के साथ मारपीट न करें परन्तु उसमें कोई सुधार नही आने के बाद उनकी पत्नि ६ माह से अपने पति से अलग होकर मायके में रह रही है और संजय कावरे को लग रहा है कि मरार माली समाज लालबर्रा ब्लाक सचिव डॉगरूलाल मानेश्वर एवं अन्य सामाजिक पदाधिकारियों ने मेरी पत्नि को मेरे से अलग किये है। इसी बात की वैमनस्यता रखते हुए २१ मार्च को पाथरशाही में मनिहारी का ठेला लेकर घुम रहे अमोली निवासी मरार माली समाज ब्लाक सचिव डॉगरूलाल मानेश्वर को संजय कावरे के द्वारा गाली-गलौच कर मारपीट करने के साथ ही जान से मारने की धमकी दी गई है और सामाजिक पदाधिकारियों को भी गाली-गलौच की गई है जिससे मरार माली समाज के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधुओं पर संजय के प्रति आक्रोश व्याप्त है। साथ ही घटना के बाद से पीड़ित श्री मानेश्वर डर हुआ है कही उनके साथ कोई अप्रिय घटना घटित न हो क्योंकि जिस व्यक्ति ने उन पर जानलेवा हमला किया है उसके खिलाफ पूर्व में भी थाने में प्रकरण दर्ज है और उसके उद्दण्ड, हिंसक रवैया के चलते जानकारी अनुसार उनकी पत्नि एवं बच्चे भी उसे अलग रहते है। ऐसे व्यक्ति पर सख्त कार्यवाही करने की मांग को लेकर मरार माली समाज के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधुओं ने २२ मार्च को थाना पहुंचकर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा है और खूरपुड़ी निवासी संजय पिता पतिराम कावरे को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है। चर्चा में पीड़ित मरार माली समाज ब्लाक सचिव डॉगरूलाल मानेश्वर ने बताया कि २१ मार्च को मनिहारी की दुकान (ठेला) लेकर ग्राम पाथरशाही गया था तभी दोपहर ३ बजे सुनेपन का फायदा उठाते हुए खूरपुड़ी निवासी संजय कावरे आया और मेरी पत्नि को मुझे अलग कर दिये हो कहकर मुझे एवं सामाजिक पदाधिकारियों को गाली-गलौच करने के साथ ही मेरे साथ मारपीट की है और जान से मारने की धमकी दी है जिसके बाद से मैं मानसिक रूप से परेशान हूं। साथ ही यह भी बताया कि पारिवारिक विवाद के चलते उनकी पत्नि अपने मायके में रहती है और संजय का कहना है कि हम लोगों ने उन्हे अलग किये है। इसी बात को लेकर उसने जान से मारने की धमकी दिया है, पुलिस प्रशासन से मांग है कि ऐसे व्यक्ति पर सख्त कार्यवाही करें। ज्ञापन सौंपने के दौरान मरार माली समाज लालबर्रा के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

मारपीट की घटना होने से समाज में आक्रोश व्याप्त - कतरू

मरार माली समाज के विविध सलाहकर कतरूलाल पंचतिलक ने बताया कि खूरपुड़ी निवासी संजय कावरे व उनकी पत्नि के विवाद का प्रकरण समाज में आया था जिसमें दोनों को समझाईश देकर आपसी सामंजस्य बनाये गये थे परन्तु संजय में कोई सुधार नही होने के कारण उनकी पत्नि मायके चली गई है और उसे लग रहा है कि सामाजिक पदाधिकारियों के निर्णय के कारण मेरी पत्नि मेरे से अलग हो गई है इसलिए उसने २१ मार्च को दोपहर ३ बजे समाज के ब्लाक सचिव के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी है। जिससे सामाजिक पदाधिकारियों में आक्रोश व्याप्त है इसलिए पुलिस प्रशासन से मांग है कि मारपीट करने वाले व्यक्ति पर सख्त कार्यवाही करें।

आरोपी पर सख्त कार्यवाही करें पुलिस प्रशासन - राजेन्द्र

न्याय समिति मरार माली समाज बालाघाट अध्यक्ष राजेन्द्र पंचेश्वर ने बताया कि समाज के ब्लाक सचिव के साथ खूरपुड़ी निवासी संजय कावरे के द्वारा मारपीट की गई है एवं सामाजिक पदाधिकारियों को भी गाली-गलौच की गई है जो गलत है ऐसे व्यक्ति पर सख्त कार्यवाही किये जाने की मांग को लेकर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा गया है और संजय को गिरफ्तार कर सख्य कार्यवाही करने की मांग की है। साथ ही यह भी बताया कि मांगे पूरी नही होने पर कठोर कदम उठाने बाध्य होगें जिसकी जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी।

इनका कहना है

मरार माली समाज के पदाधिकारियों ने लिखित शिकायत की है कि खूरपुड़ी निवासी संजय कावरे के द्वारा समाज के पदाधिकारियों को गाली-गलौच कर ब्लाक सचिव के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई है, मामले की जांच कर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

हेमंत नायक
थाना प्रभारी
लालबर्रा

हरिलाल चौहान का शोकाकुल माहौल में किया गया अंतिम संस्कार

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत औल्याकन्हार निवासी पूर्व ग्राम रक्षक ८५ वर्षीय हरिलाल चौहान का २२ मार्च को प्रातः ५ बजे हृदयगति रूक जाने से दुःखद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार स्थानीय मोक्षधाम में दोपहर २ बजे शोकाकुल माहौल में किया गया। चर्चा में सरपंच प्रतिनिधि ओपी बिसेन ने बताया कि हरिलाल चौहान पूर्व ग्राम रक्षक थे और कुछ दिनों स बीमार चल रहे थे एवं घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे, २२ मार्च को प्रातः ५ बजे हृदयगति रूक जाने से दुःखद निधन हो गया। जिनकी निधन होने की खबर लगते ही उनके परिजनों एवं चित-परिचितों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। स्व. हरिलाल चौहान सरल, स्वभाव व मृदुभाषी के धनी थे, अपने पीछे बेटा अरविंद चौहान, विनोद कुमार चौहान, प्रमोद चौहान, सुनील चौहान, बेटी श्रीमती अनीता सहित भरापूरा परिवार छोड़ गये है। जिनका अंतिम संस्कार औल्याकन्हार स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने दो मिनट कर मौन धारण कर मृतात्मा की शांति एवं परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से कामना की है। शोक व्यक्त करने वालों में श्रीमती प्रेमलता बिसेन सरपंच, ओपी बिसेन चेयरमैन औल्याकन्हार फिजिकल क्लब, छन्नूलाल कटरे पुर्व जनपद सदस्य, श्रीमती च्योति सिलारे पूर्व सरपंच, संतलाल पन्द्रें पंचायत सचिव, अनुपचंद चौरे पंचायत सचिव, शीतल प्रसाद हरिद्वाज, रामप्रसाद राणा पुर्व उपसरपंच, श्रीमती पुष्पलता भारद्वाज, श्रीमती दीपा धानेश्वर, शीतल ब्रम्हें, परमानन्द नागेश्वर, हितेश नागेश्वर, विनय हरिद्वाज, रोहित हरिद्वाज, धनेन्द्र पटले, श्रीमती डेलन बोपचे, श्रीमती सरला यादव, श्रीमती रविता पाण्डे, श्रीमती पुष्पा चौहान, दीपक कटरे, संदीप गुनेश्वर पंच, कोमल बोपचे, सोहनलाल कटरे, दीपक सिलारे, नंदकिशोर बिसेन, तरूण गौतम, कुंदन नागेश्वर, अमित हरिद्वाज, संतोष सोनवाने, सुनील बिसेन, जीतू पटेल, संतोष नागेश्वर, शान्तनु भारद्वाज, सुशील ब्रम्हें, अंकित नागेश्वर, भुनेश्वर कटरे, भोजराज कटरे, शंकरलाल यादव, संजय ब्रम्हें, राजेश बनवाले, गजेन्द्र हरिद्वाज, श्यामकिशोर यादव, महेन्द्र चौहान, प्रमोद चौहान, रोमेश हरिद्वाज उर्फ राजा भैया, सनम ब्रम्हें, निकेश ब्रम्हें, मोहम्मद सुलेमान खान, राजकुमार यादव, सम्पत्त यादव, कमल मेश्राम, धर्मेंद्र चौहान, मंगल सहारे, कृष्णा सहारे, डैलेष ब्रम्हें, प्रियांशु चौहान सहित अन्य ग्रामीणजन शामिल है।

कंजई में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड) एवं केबल टीवी
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक नेमीचंद एड़े पिता दुर्गाजी एड़े जाति पंवार निवासी ग्राम पंचायत रानीकुठार के द्वारा कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट में आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनकी माता स्व. सायवा बाई एड़े पति दुर्गाजी एड़े का निधन ११.०३.२००५ को हो चुका है और इनकी मृत्यु के उपरांत इन्हे मृत्यु प्रमाण पत्र तहसील कार्यालय से जारी किया जाना है। अतः जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे २८.०३.२०२४ के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

संजय बारस्कर
तहसीलदार लालबर्रा

शांति समिति की बैठक में सद्भावना पूर्वक त्योहार मनाने दिये गये दिशा निर्देश

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। पुलिस थाना वारासिवनी के सभा कक्ष में २२ मार्च को थाना क्षेत्र में आयोजित होने वाले विभिन्न त्यौहारों को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक थाना प्रभारी बिभेन्द्रु व्यंकट टांडिया ,उपनिरीक्षक धर्मराज बघेल ,पवन यादव सहित अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें २४ एवं २५ मार्च को क्षेत्र में मनाया जाने वाले होलीका दहन एवं धुलेंडी पर्व के साथ जारी रमजान के महीने को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। जिसमें उपस्थित जनों के द्वारा पर्व को लेकर विभिन्न प्रकार की जानकारियां दी गई । की किस प्रकार होली का पर्व मनाया जाता है कहां कहां होलिका का दहन किया जाता है। इस दौरान संवेदनशील इलाके कौन से हैं और किस प्रकार की व्यवस्था प्रभावित होती रहती है इसकी जानकारी दी गई। वहीं मुस्लिम समाज के उपस्थित जनों के द्वारा बताया कि वारासिवनी की जामा मस्जिद, ख्वाजा गरीब नवाज मस्जिद, सिविल लाइन की मस्जिद के साथ ही मेहंदीवाड़ा एवं बोटेझरी की मस्जिदों में रमजान पर्व मनाया जा रहा है। इस दौरान रोजेदार अपना रोजा खोलने शाम में आते हैं दोपहर में नमाज अदा की जाती है । इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था तैनात की जाए ताकि असामाजिक तत्वों के द्वारा माहौल को किसी प्रकार से खराब ना कर पायें। जहाँ सुबह से देर शाम तक होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारियां उपलब्ध कराई गई । वहीं ईद के विषय में भी बताया कि किस प्रकार से कार्यक्रम किए जाते हैं जिस पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की बात कही गई। वहीं थाना प्रभारी के द्वारा उपस्थित जनों को बताया कि वर्तमान में लोकसभा चुनाव को लेकर आदर्श आंचार संहिता लागू है । ऐसे में त्योहार सद्भावना पूर्वक प्रत्येक व्यक्ति अपनी धार्मिक आस्था के अनुरूप मनायें। इस दौरान किसी भी प्रकार से हुड़दंग करने का प्रयास नहीं होना चाहिये। पुलिस के द्वारा हर प्रकार से क्षेत्र में मुस्तैदी रखी जाएगी और सुरक्षा के समस्त इंतजाम प्रदान किए जाएंगे पर ध्यान रखें कि आदर्श आंचार संहिता का किसी भी प्रकार से उल्लंघन ना हो । त्योहारों में डीजे और लाउडस्पीकर की अनुमति लेकर उपयोग किया जायें। इसके अलावा उपस्थित जनों के द्वारा विभिन्न विषय जैसे नाबालिक बच्चों के द्वारा वाहन चलाना लोगों के द्वारा यातायात नियमों का पालन ना करना । वहीं नगर में घूम रहे बाहरी लोगों के मुसाफिरी के संबंध में चर्चा की गई। इस अवसर पर मुस्लिम समाज अध्यक्ष इकबाल खान ,दीप चौहान, विवेक ऐड़े ,समीम कुरैशी ,नजीर हुसैन ,समीर खैरो ,गणेश ठाकुर ,लोकेश ठाकरे ,उत्तम मेश्राम, धर्मेंद्र घोड़ीश्वर ,मतीन खान ,देवेंद्र उइके ,दीपक जैन ,एजाज कुरैशी सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। थाना प्रभारी बिभेन्द्रु व्यंकट टांडिया ने पद्मेश से चर्चा में बताया कि होली का दहन धुलेडी रमजान आंबेडकर जयंती ईद का त्यौहार को लेकर शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया था। वहीं इस दौरान लोकतंत्र का महापर्व लोकसभा चुनाव प्रारंभ हो गया है जिसकी आंचार संहिता लग गई है। इस बैठक में सभी समुदाय के लोग पहुंचे थे जिन्होंने अपने धर्म के महत्वपूर्ण त्यौहारों के बारे में विभिन्न बिंदु सुरक्षा के पॉइंट के साथ कार्यक्रमों की भी जानकारियां दी गई है। जिसमें विस्तार पूर्वक चर्चा की गई है और निश्चित त्यौहार के पहले ही पेट्रोलिंग पार्टी गस्त करेगी जो हुडदंगी लोगों पर लगाम लगाने का कार्य किया जायेगा। हमने निश्चित किया है कि समय से पहले यह व्यवस्था बनाई जाएगी। सभी को शांतिपूर्वक त्यौहार मनाने के लिए अपील करेंगे। इस दौरान आंचार संहिता में डीजे या लाउडस्पीकर का उपयोग अनुमति लेकर निर्धारित समय पर किया जायेगा। हमारे द्वारा मोडिफाइड साइलेंसर पर भी लगातार कार्यवाही की जा रही है।

होली पर सजने लगी रंगों-पिचकारियों की दुकान
बाजार में बनी हुई है निराशा

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। आपसी गिले शिकवे भुलाकर दोस्ती में रंगने का उत्सव रंगोत्सव का ५ दिवसीय पर्व २४ मार्च से प्रारंभ हो रहा है। जिसमें २५ मार्च को पूरे क्षेत्र में धुरेड़ी का पर्व गुलाल उड़ाकर धूमधाम से मनाया जायेगा। जिसको लेकर नगर सहित ग्रामीण अंचलों में लोगों ने अपने अपने स्तर पर तैयारी प्रारंभ कर लिये है । और पर्व को लेकर सभी उत्साहित नजर आ रहे है। जिसके लिये नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर रंग बिरंगी पिचकारी, गुलालों, टोपियों, मुखौटों व बताशों के मालों की दुकानें सजने लगी है । जहाँ बच्चों के द्वारा अपनी पसंदीदा पिचकारी मुखौटे पोंगा तुर्रा सहित अन्य खिलौने की खरीदी की जा रही है। परन्तु बाजार में रौनक नजर नही आ रही है जिसका मुख्य कारण महंगाई को माना जा रहा है। इस दौरान देखे तो ग्रामीण अंचल से लोग शहर में आ तो रहे हैं । परंतु वह आवश्यकतानुसार होली पर्व के लिए रंग गुलाल पिचकारी एवं अन्य सामग्री की खरीदी कम कर रहे है । साथ ही लोगों में होली पर्व को लेकर उत्साह नजर नही आ रहा है।

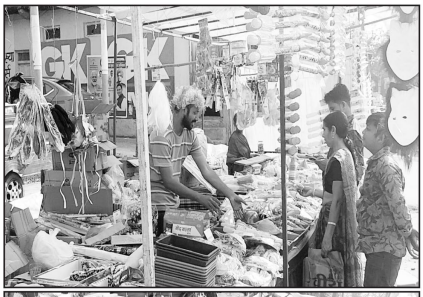

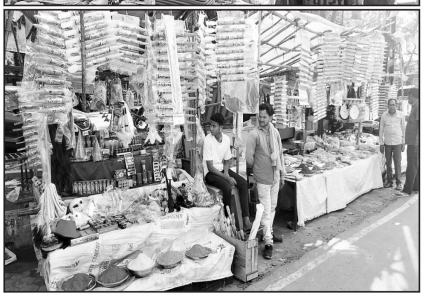

आंचार संहिता का पालन कर मनाना होगा त्योहार

लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आंचार संहिता जिले सहित क्षेत्र में प्रभावी रूप से लागू है । ऐसे में इस वर्ष होली पर्व में लोग पहले की तरह देर रात्रि तक डीजे नही बजा पायेंगें। यानि कि इस बार आदर्श आंचार संहिता का पालन करते हुए लोगों को होली का पर्व मनाना पड़ेगा। जिसमें होली जलाने और डीजे लगाने के लिए भी शासन से अनुमति लेना होगा। वहीं इस दौरान किसी प्रकार का हुड़दंग पुलिस विभाग के द्वारा सहन नहीं किया जाएगा। जिसको लेकर एक तरफ थोड़ी नाराजगी स्पष्ट रूप से देखी जा रही है।

होलिका दहन पर उठेगा व्यापार

हमारा क्षेत्र कृषि पर आधारित है गत दिवस हुई बारिश के कारण किसान परेशान है। वहीं बाहर कमाने गये लोग नही आये है ,वहीं महंगाई बढने के कारण पूर्व की तरह खरीदी नही कर पा रहे है। जिसके कारण व्यापारियों का व्यापार मंद चल रहा है। जिसमें होलिका दहन के दिन २४ मार्च को व्यापार में उछाल आने की बात कही जा रही है। क्योंकि त्यौहार के दिन सभी लोग अपने घरों को आते और उसी दिन बाजार से वह आवश्यकता अनुसार चीजों की खरीदी कर त्यौहार मनाते हैं।

करीब २५ प्रतिशत बड़ी है महंगाई -मनीष बुरड़े

व्यापारी मनीष बुरड़े ने बताया कि अभी चलन में पंप ,बंदूक ,गुब्बारे और मास्क है इसमें सर्वाधिक बच्चों के आइटम है जो सबसे ज्यादा बिकते हैं जिसमें आकर्षक मास्क पिचकारी है। अभी बाजार में रौनक नहीं है, क्योंकि अब त्यौहार का बाजार दो दिवस का हो गया है । उस हिसाब से बाजार उठेगा परंतु इधर देखे तो बाजार में महंगाई भी बहुत बड़ी है। हर वस्तु की कीमत पहले से २५ प्रतिशत बढ़ गई है ऐसे में महंगाई से बाजार पर फर्क तो पड़ा है। इस मर्तबा रंग नागपुर ,जबलपुर और इंदौर से आ रहा है । महंगाई के कारण ज्यादा दूर हम नहीं जा रहे हैं ,पर नेचुरल रंग ला रहे हैं क्योंकि प्रकृति को भी हमें देखना है। इस दौरान चाइना रंग का उपयोग नहीं किया जा रहा है बल्कि थोड़ा बहुत सामान का विक्रय हो रहा है।

कक्षा पांचवी और कक्षा आठवीं का मूल्यांकन कार्य अंतिम दौर में
अप्रैल के प्रथम सप्ताह में जारी हो सकता है रिजल्ट

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के द्वारा कक्षा पांचवी और कक्षा आठवीं की बोर्ड परीक्षा बीते दिनों ही संपन्न करवाई गई थी। जिसकी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन कार्य १८ मार्च से जिले में प्रारंभ हो गया था जो अंतिम दौर में चल रहा है। इसके बाद उक्त बोर्ड कक्षा का रिजल्ट राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के द्वारा जारी किया जायेगा। इसी कड़ी में जनपद शिक्षा केंद्र वारासिवनी के अंतर्गत विकासखंड स्तर पर उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य कमला नेहरू शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में १८ मार्च से किया जा रहा है। यह मूल्यांकन कार्य अपने अंतिम दौर में प्रारंभ है जो दो दिवस के भीतर पूर्ण होने की संभावना मूल्यांकन केंद्र प्रभारी के द्वारा बताई जा रही है। इसके बाद राज्य शिक्षा केंद्र के द्वारा कक्षा पांचवी और कक्षा आठवीं का रिजल्ट जारी किया जायेगा। जिसके लिए तीव्र गति से शांति पूर्वक मूल्यांकन कार्य किया जा रहा है।

विकासखंड बदलकर हो रहा मूल्यांकन

इस दौरान बालाघाट जिले के अंतर्गत किसी एक विकासखंड की उत्तर पुस्तिका का वारासिवनी में मूल्यांकन कार्य किया जा रहा है। वहीं वारासिवनी की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन कार्य जिले के किसी एक विकासखंड में किया जा रहा है। इस दौरान राज्य शिक्षा केंद्र के द्वारा मूल्यांकन कार्य कहां किसका होगा यह निर्धारण करवाया गया है। जिसमें पूरी तरह गोपनीयता रखी गई है यह कह सकते हैं कि छोटे स्तर पर बोर्ड पैटर्न पर मूल्यांकन कार्य किया जा रहा है।

आदर्श आंचार संहिता का रिजल्ट पर पड़ेगा असर

शिक्षा विभाग कहे या राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के द्वारा कक्षा पांचवी और कक्षा आठवीं का रिजल्ट जल्द घोषित करने की बात कही जा रही है। परंतु उक्त रिजल्ट में देरी होने की संभावना स्वाभाविक व्यक्त की जा रही है। क्योंकि वर्तमान में लोकसभा चुनाव को लेकर आदर्श आंचार संहिता जिले में प्रभावी बनी हुई है । ऐसे में अधिकांश शिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित हो रहा है ,और चुनाव में उनकी ड्यूटी भी निर्धारित की जा रही है। ऐसे में कक्षा पांचवी और कक्षा आठवीं का रिजल्ट जारी होने में देर वाजिब है । किंतु अप्रैल महीने के प्रथम सप्ताह में रिजल्ट जारी करने को लेकर बात शिक्षा विभाग के द्वारा कही जा रही है।

२३६ शिक्षक / शिक्षिकायें कर रहे मूल्यांकन कार्य

वारासिवनी विकासखंड स्तर पर कक्षा पांचवी और कक्षा आठवीं का मूल्यांकन कार्य केंद्र कमला नेहरू शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को राज्य शिक्षा केंद्र के द्वारा बनाया गया है। जहां पर संबंधित समस्त विषय के २३६ शिक्षकों की ड्यूटी मूल्यांकन कार्य के लिए लगाई गई है। जिनके द्वारा ३६००० उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य ६ कक्षो में निर्धारित समय से किया जा रहा है। जो तीव्र गति से किया जाना बताया जा रहा है ताकि जल्द से जल्द मूल्यांकन कार्य संपन्न कर रिजल्ट जारी करने का कार्य किया जा सके।

तीव्रता से किया जा रहा मूल्यांकन कार्य -सत्येंद्र शरणागत

बीआरसी सत्येंद्र शरणागत ने पद्मेश से चर्चा में बताया कि राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार कक्षा पांचवी और कक्षा आठवीं का मूल्यांकन कार्य ब्लॉक स्तर पर करवाया जा रहा है। जिसके लिए हमारे यहां कमला नेहरू शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केंद्र बनाया गया है जहां पर मूल्यांकन कार्य किया जा रहा है। यह कार्य १८ मार्च से प्रारंभ हो गया है ,जिसमें अभी तक ७५ प्रतिशत से अधिक मूल्यांकन कार्य हो गया है और संभवत: दो दिन में यह कार्य पूरा हो जाएगा। इसमें हमारे ब्लॉक की कॉपी कहीं और गई है किसी और ब्लॉक की कॉपी हमारे यहां आई है जिसका मूल्यांकन कार्य कर रहे हैं। रिजल्ट पर चुनाव प्रशिक्षण का असर पड़ेगा जिसमें अधिक शिक्षक वहां प्रशिक्षण में लगे हुए हैं । पर अन्य शिक्षक तीव्रता के साथ यह कार्य कर रहे हैं। फिर भी संभवत २ दिन में यह कार्य पूर्ण हो जाएगा और ३१ मार्च पर या अप्रैल के प्रथम सप्ताह पर रिजल्ट जारी कर दिया जायेगा।

वारा फ्लाई ओवर ब्रीज का कार्य होली के बाद होगा प्रारंभ-प्रदीप जायसवाल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने वारा फ्लाई ओवर कार्य का निरिक्षण कर सेतू निर्माण ,लोक निर्माण विभाग के अनुविभागीय अधिकारी अर्जून सनोडिया, उपयंत्री राकेश कुंभारे, निर्माण एंजेसी के प्रमुख लोग भी उपस्थित रहे। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया की एक माह पूर्व ही ४५८ मीटर लंबे पूल के लिये सर्विस सड़क का कार्य शिवधाम मोहल्ले होते हुये पूर्ण करा दिया गया है। इस डायवर्सन सड़क में ही नहर के उपर शिवधाम में एक पुल का निर्माण भी पूर्ण कर लिया गया है। यह सड़क सिद्धी विनायक मंदिर से शिवधाम मोहल्ले होते हूये जा रही है। साथ ही वारा रेल्वे का ड्रांईग का अप्रुवल भोपाल से भी स्वीकृ ति मिल चुकी है। इस पूल से जंहा रेल के गुजरते समय होने वाले समय को खराब होने से बचाया जायेगा। वहीं आवागमन के विषय में यह नयी पीढि के लिये एक बडी सौगात भी साबित होगा। इस कार्य को दो साल की समयावधि के पूर्व ही समाप्त कर दिया जायेगा। इस दौरान सूर्यभान सिंह पूसाम, दशाराम पटले, सुनील बंटी पारधी, उमाशंकर धार्मिक, पूनाराम सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। वारासिवनी से बालाघाट मुख्य मार्ग पर रेल के जाने से फाटक बंद होने से आवागमन पुरी तरह बंद होने के कारण राहगीरो व वाहन चालको को अनेको दिक्कतो का सामना करना पडता था। अनेको बार अति आवश्यक कार्य होने के बाद भी यह पीडा असहनीय प्रतित हो जाती है। अधिकारियों ने फ्लाई ओवर के लिये नाप किया है। जिससे यह प्रतित होता है कि शासकीय भूमि को छोड़कर निजि भूमियो का अधिग्रहण करके पुल बनाया जा रहा है। जबकि वारा में ही बाई ओर पर्याप्त शासकीय भूमि उपलब्ध है। जिसका अधिग्रहण करके प्रभावित होने वाले लगभग ५० ग्रामीणो के मकान व दूकान को बचाया जा सकता है। अत पर्याप्त शासकीय भूमि के आधार पर नक्शा संशोधित कर निर्माण कार्य प्रारंभ किया जायेगा। ग्रामीणो की इस मांग पर प्रदीप जायसवाल ने तत्काल अधिकारियो को इस संबध में निर्णय लेकर प्रभावित ग्रामीणो की हरसंभव मदद करने के निर्देश दिये है।

खैरलांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

भोरगढ़ में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कटंगी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

तमिलनाडु का राजनीतिक परिदृश्य और 2024 का आम चुनाव

तमिलनाडु 2019 के उलट, 2024 में त्रिकोणीय मुकाबले के लिए तैयार दिख रहा है। राज्य में डीएमके-नीत मोर्चा एकजुट है, भाजपा-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) एक और पार्टी पीएमके को साथ लाने में जुटा है, और एआईएडीएमके छोटे संगठनों के साथ रह गयी है। डीएमके नेतृत्व ने अपने सभी सहयोगियों को यथासंभव बढ़िया ढंग से समायोजित करते हुए, उन्हें गठबंधन में बनाये रखा है। राज्य की 39 सीटों में से 22 पर डीएमके किस्मत आजमायेगी। इसमें एक वह सीट भी शामिल है जो कोंगुनाडु मक्कल देसिया काची (केएमडीके) को आवंटित की गयी है और डीएमके के 'उगते सूरज' निशान पर लड़ी जा रही है। पहले की ही तरह, कांग्रेस के पास पुडुचेरी समेत 10 सीटें, और दो वाम दलों के पास दो-दो सीटें हैं। अभिनेता रह चुके कमल हासन की अगुवाई वाले एमएनएम को डीएमके गठबंधन में हाल ही में शामिल किया गया है। उसे इस बार कोई सीट तो आवंटित नहीं की जा सकी, लेकिन राज्यसभा सीट का वादा किया गया है। हासन ने सही कदम उठाया है। शायद उन्हें यह एहसास हो गया है कि दो प्रमुख द्रविड़ पार्टियों में से किसी एक का दामन थामे बिना मैदान में टिके रहना लगभग असंभव होगा।

डीएमडीके के अलावा, एआईएडीएमके के पास ऐसा कोई सहयोगी नहीं है जो उसके मत आधार (वोट बेस) में जरा भी योगदान कर सके। छह महीने पहले, उसने भाजपा के राज्य नेतृत्व, खासकर उसके अध्यक्ष के. अन्नामलाई, के साथ मतभेद को लेकर एनडीए छोड़ दिया था। अन्नामलाई ने पूर्व मुख्यमंत्रियों सी.एन. अन्नादुरई और जयललिता की आलोचना की थी। हालांकि ऐसी खबरें आती रही हैं कि भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व एआईएडीएमके के साथ हाथ मिलाना चाहता है ङ्क प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जयललिता के बारे में प्रशंसात्मक उल्लेख करते रहे हैंङ्क लेकिन एआईएडीएमके के महासचिव के. पलानीस्वामी भाजपा के साथ कोई ताल्लुक न रखने के अपने संकल्प पर अडिग हैं। नतीजतन, कई पार्टियां [जैसे टीएमसी (मूपनार) और पीएमके], जो 2019 में एआईएडीएमके के साथ थीं, भाजपा की ओर मुड़ गयी हैं। शायद उन्हें एक राष्ट्रीय पार्टी के साथ गठबंधन में रहना ज्यादा फायदेमंद लग रहा है। एआईएडीएमके से टूटा समूह, जिसका नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पन्नीरसेल्वम करते हैं और टी.टी.वी. दिनाकरन की अगुवाई वाला एएमएमके एनडीए का हिस्सा हैं। पलानीस्वामी ने शायद जैसी कल्पना की थी उसके उलट, उनके यह घोषणा करने के बाद कि वह एक 'महा गठबंधन' बनायेंगे, डीएमके-नीत मोर्चे को किसी दल ने नहीं छोड़ा है। धार्मिक अल्पसंख्यकों की ओर उनके दोस्ताना कदम असरदार होंगे या नहीं, यह देखा जाना बाकी है क्योंकि उन्हें डीएमके का समर्थक माना जाता है। बीते 36 महीनों से अन्नामलाई के सप्तम-सुर वाले प्रचार अभियान और मोदी समेत वरिष्ठ भाजपा नेताओं के बार-बार तमिलनाडु दौरे ने पार्टी को काफी दृश्यता प्रदान की है, लेकिन असल सवाल यह है कि क्या यह वोटों में या ठीकठाक संख्या में सीटों की जीत में तब्दील होगा। एआईएडीएमके अब भी मुख्य विपक्षी पार्टी है। सामान्यतया, तमिलनाडु की राजनीति में अंकगणित एक प्रमुख कारक होता है, लेकिन फिलहाल ऐसा कोई संकेत नहीं है कि चुनाव नतीजे 2019 से नाटकीय रूप से भिन्न होंगे, भले ही डीएमके को सत्ता-विरोधी भावना से

अरविंद के लिए तो ईडी सूर्पणखा साबित हुई....

सब कहते थे कि हमारी संवैधानिक संस्थाओं के पास न दांत हैं और न नाखून लेकिन ईडी यानि प्रवर्तन निदेशालय ने इस धारणा को गलत साबित कर दिया ,21 मार्च की रात दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद ये साबित हो गया है कि ईडी कोई स्वप्न सुंदरी नहीं बल्कि वो संस्था है जिसके पास छुपे हुए नाखून और न दिखने वाले पैने दांत भी हैं। यानि ईडी किसी सूर्पणखा से कम नहीं है। ईडी के इतिहास का ये बसे बड़ा कारनामा है कि उसने एक कथित घोटाले में एक निर्वाचित मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया है।

देश में भ्र्ष्टाचार के खिलाफ मुहिम कहिये या अदावत की राजनीति कहिये ,जो हो रहा है है वो अविश्वसनीय है । हमारे वरिष्ठ कवि नरेश सक्सेना कहते हैं कि -चीज़ों के गिरने के नियम होते हैं! मनुष्यों के गिरने के कोई नियम नहीं होते। लेकिन चीज़ें कुछ भी तय नहीं कर सकतीं

अपने गिरने के बारे में। मनुष्य कर सकते हैं,बचपन से ऐसी नसीहतें मिलती रहीं कि गिरना हो तो घर में गिरो ,बाहर मत गिरो ,यानी चिट्ठी में गिरो, लिफ़ाफ़े में बचे रहो, यानी आँखों में गिरो ,चश्मे में बचे रहो, यानी ,शब्दों में बचे रहो। इस कविता को मै हमेशा याद रखता हूँ और सोचता हूँ कि राजनीति में भी गिरने कि नियम होना चाहिए थे ,जो दुर्भाग्य से नहीं हैं।

अरविंद केजरीवाल दरअसल केंद्रीय सत्ता की आँख कि बाल थे, नाक के बाल होते तो शायद बच भी जाते गिरफ्तारी से। केंद्रीय सत्ता एक ऐसा छाता है जिसके नीचे खड़े होकर हर आपदा से बचा जा सकता है। अजित पंवार हों या अशोक चौहान ,सुरेश पचौरी हों या ज्योतिरादित्य सिंधिया सबके सब आखिर बच गए न ! अन्यथा आप जिसे चाहो भ्र्ष्टाचार कि आरोप में ईडी कि जरिये उठवा लीजिये,जेल में डाल दीजिये और वर्षों तक बिना मुकदमा चलाये अपनी कैद में रखिये। मनीष सिसोदिया,और संजय सिंह की तरह। उन्हें दोषी या निर्दोष साबित करने की जरूरत नही। वे दोषी होने कि बाद जितनी सजा के हकदार होंगे उतनी कैद उन्हें एक विचारधीन कैदी कि रूप में जेल में रखकर हिसाब बराबर किया जा सकता है।

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी कि लिए मै निजी तौर पर ईडी को शाबासी देना चाहता हूँ। कम से कम ईडी ने ये तो साबित किया कि वो एक

कुशल कठपुतली है और नचाने वाले कि हर इशारे को बाखूबी समझती है। अरविंद की गिरफ्तारी में ईडी का कोई दोष नहीं है । सारा दोष अरविंद केजरीवाल की किस्मत का है। उनकी और उनकी पार्टी की किस्मत खराब है इसलिए उन्हें ये दिन देखना पड़ रहे हैं। आगे इससे भी ज्यादा बुरे दिन देखना पड़ सकते हैं। मुमकिन है कि आने वाले दिनों में जेल में उनकी संगत कि लिए पंजाब कि मुख्यमंत्री श्रीमान भगवंत मान भी गिरफ्तार कर लिए जाएँ। इस देश में कुछ भी सम्भव है। ईडी ने 68 साल में पहली बार कोई पुरुषार्थ दिखाया है।

शराब घोटाले में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के लिए कोई अगर माननीय कामचलाऊ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को दोषी मानता है तो मै सोचता हूँ के ये उसका पूर्वाग्रह है । मोदी जी यदि इस गिरफ्तारी कि पीछे होते तो क्या अभी तक अरविंद केजरीवाल उनके सामने अपनी आँखें लाल कर खड़े हो सकते थे। मोदी जी ने तो अरविंद केजरीवाल को बाल-बाल बचाने की कोशिश की ,लेकिन वे खुद ही नहीं बचना चाहते थे तो बेचारे मोदी जी क्या करते ? मोदी जी जैसा उदार प्रधानमंत्री अरविंद केजरीवाल को कम से कम इस जन्म में तो नहीं मिल सकता। केजरीवाल को मोदी जी का कृतज्ञ होना चाहिए।

हमारी केंद्रीय सत्ता की उदारता और दरियादिली का सबसे बड़ा सबूत ये है कि उसने या उसकी कठपुतली ईडी ने अभी तक कांग्रेस कि राहुल गांधी को गिरफ्तार नहीं किया। राहुल गांधी से सिर्फ लम्बी पूछताछ की गयी । वरना किसी की गिरफ्तारी में आखिर कितना वक्त लगता है ? मोदी जी की न सही लेकिन ईडी की दरियादिली है कि उसने कांग्रेस कि सिर्फ खाते फ्रीज किये ,ईडी चाहती तो कुछ भी फ्रीज कर सकती थी। केंचुआ ने आखिर राहुल गांधी को एडवांस में एडवाइजरी दी ही थी न ?यानि अभी भी मोदी जी ,उनकी ईडी,सीबीआई और केंचुआ राहुल गांधी पर मेहरबान है । कांग्रेस को भी मोदी जी की कदर करना चाहिए।

झारखण्ड में हेमंत सोरेन और दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से भाजपा का मिशन 400 पार आसान हो सकता ह। होना भी चाहिए ,क्योंकि भाजपा कि पास जनता की सहानुभूति बटोरने कि लिए फिलहाल कोई दूसरा उपाय है भी नहीं। चुनाव या तो सहानुभूति से जीते जाते हैं या फिर जोड़तोड़ से। जब सहानुभूति न हो तो जोड़तोड़ ही इकलौता विकल्प बचता है । आपको आजादी है कि आप चाहें तो केजरीवाल की गिरफ्तारी को जोड़तोड़ से जोड़कर देख सकते हैं। राजनीति में जैसे गिरने का कोई नियम नहीं है वैसे ही जोड़तोड़ का भी कोई नियम नहीं है। मुमकिन है की भविअश्य में इस जोड़तोड़ कि लिए भी कोई नियम,कोई धारा बना ली जाये।

देश में जब लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गयी है ऐसे में कोई भी गिरफ्तारी भी आदर्श नहीं कही जा सकती। केंचुआ को चाहिए कि वो अपनी आदर्श आचार संहिता में इस बात को भी जोड़े कि संहिता लागू होने कि बाद किसी भी राजनितिक दल कि किसी भी छोटे-बड़े नेता को किसी पुराने मामले में गिरफ्तार नहीं किया जायेगा । चुनावों के चलते किसी भी नेता या कार्यकर्ता की गिरफ्तारी संविधान की धरा कहें या अनुच्छेद 21 के खिलाफ है। नागरिकों को चुनाव लड़ने ,लड़ने ,प्रचार करने की आजादी तो मिलना ही चाहिए। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी में कुछ भी नया नहीं है सिवाय समय कि ईडी ने गरफ्तारी कि लिए वो समय चुना है उससे ये बू आती है कि इस गिरफ्तारी कि पीछे साजिश है।

अब आम आदमी पार्टी कि लिए रास्ता खुला है की वो अपने संस्थापक की गिरफ्तारी कि खिलाफ जेलें भरे या चुनाव लड़े । विपक्षी इंडिया गठबंधन की जिम्मेदारी है कि वो केजरीवाल की गिरफ्तारी कि खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़े या सड़कों पर लड़े या फिर वोट की ताकत से इस कथित अवैध-वैध कार्रवाई का प्रतिकार करे। विपक्ष कि लिए अभी तमाम विकल्प खुले हैं ,तय विपक्ष को ही तय करना है कि कांटे से काँटा निकाला जाये या कोई दूसरा रास्ता निकाला जाये ?

- राकेश अचल

नई क्षमताएं : भारत और एमआईआरवी से लैस अग्नि-5

बीते 11 मार्च को, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया के माध्यम से एक ही मिसाइल पर कई परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम देशों के एक छोटे समूह में भारत के शामिल होने का एलान किया। यह उपलब्धि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा 'मिशन दिव्यास्त्र' के तहत 'मल्टीप्ल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल' (एमआईआरवी) तकनीक से लैस 5,000 किलोमीटर से अधिक दूरी की मारक क्षमता वाली भारत की सबसे लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 के पहले उड़ान परीक्षण के साथ हासिल की गई। अप्रैल 2012 में अपने पहले परीक्षण के बाद से, अग्नि-5 की हैंडलिंग और संचालन को और ज्यादा आसान बनाने के लिए 'कैनिस्तराईजेशन' सहित कई परीक्षण और विकास हुए हैं। एमआईआरवी प्रणाली के स्वदेशी वैमानिकी (एवियोनिक्स) प्रणाली और उच्च सटीकता वाले सेंसर पैकेज यह सुनिश्चित करते हैं कि पुनः प्रवेश करने वाले वाहन (री-एंट्री व्हीकल) लक्ष्य बिंदुओं तक सटीक तरीके से पहुंचें। डीआरडीओ ने कहा कि इस मिशन ने निर्धारित किए गए सभी मापदंडों को पूरा किया। यह परीक्षण 'मिशन शक्ति' के तहत भारत के पहले एंटी-सैटेलाइट (एसैट) परीक्षण के पांच साल बाद हुआ है। दिनांक 27 मार्च, 2019 को, बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली के एक संशोधित इंटरसेप्टर का इस्तेमाल करके लगभग 300 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की निचली कक्षा में एक जीवित उपग्रह को मार गिराया गया था। यह एक महत्वपूर्ण तकनीकी सफलता है जो भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम को आगे बढ़ाती है और दोबारा हमले की क्षमता को मजबूत करती है। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण इसलिए भी है क्योंकि भारत का परमाणु सिद्धांत पहले इस्तेमाल न करने की नीति, विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोध और पहली बार हमला होने की स्थिति में बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई पर आधारित है। इस सिद्धांत को 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद 2003 में अपनाया गया था। अग्नि-5 पर एमआईआरवी, जो तीन चरणों वाले ठोस ईंधन पर आधारित एक इंजन है, का विकल्प इसलिए उल्लेखनीय है क्योंकि इसके दायरे के मद्देनजर यह चीन की ओर केंद्रित है और इसके विविध हथियार इसे मिसाइल रक्षा कवच को भेदने की क्षमता प्रदान करते हैं। भारत ने परमाणु मारक क्षमता को उस समय पूर्ण कर लिया जब श्री मोदी ने नवंबर 2018 में यह एलान किया कि देश की पहली परमाणु संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिहंत ने अपनी पहली निवारक गश्त पूरी कर ली है। एमआईआरवी इस दिशा में अगली तकनीकी उपलब्धि है और अब एमआईआरवी को पनडुब्बी से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों पर तैनात करना ही तर्कसंगत और समय की बात होगी। चीन, जोकि तेजी से अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार कर रहा है, पहले ही एमआईआरवी तकनीक को तैनात कर चुका है। एमआईआरवी तकनीक को पहली बार 1970 में अमेरिका द्वारा तैनात किया गया था। पाकिस्तान का दावा है कि उसने भी इसका परीक्षण किया है। इस संदर्भ में, इस परिघटना का दूसरा पहलू तनाव में बढ़ोतरी वाला कारक है, जो चीन और पाकिस्तान के चलते इस क्षेत्र में तेज होने वाला है। एक-दूसरे से आगे रहने की यह सर्पिली होड़ और गहरी होने वाली है, ज्यादा प्रौद्योगिकी-आधारित होने वाली है और साथ ही बेहद खर्चीली भी बनने वाली है।

लोहिया का वैश्विक समाजवाद

देश की राजनीति में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान और स्वतंत्रता के बाद ऐसे कई नेता हुए जिन्होंने अपने दम पर शासन का रुख़ बदल दिया उनमें एक थे राममनोहर लोहिया। प्रखर देशभक्ति और समाजवादी विचारों के कारण अपने समर्थकों के साथ—साथ अपने विरोधियों के बीच भी अपार सम्मान हासिल किया। उनमें सन्त की सन्तता, फक्कड़पन, मस्ती, निर्लिप्तता और अपूर्व त्याग की भावना थी। वे समाजवादी इस मायने में थे कि, समाज ही उनका कार्यक्षेत्र था और वे अपने कार्यक्षेत्र को जनमंगल अनुभूतियों से महकाना चाहते थे। उनका सपना था कि, व्यक्ति-व्यक्ति के बीच कोई भेद, कोई दुराव और कोई दीवार न रहे। सब जन समान हों। सब जन सबका मंगल चाहते हों। सबमें वे हों और उनमें सब हों। वे दार्शनिक व्यवहार के पक्ष में नहीं थे। उनकी दृष्टि में जन को यथार्थ और सत्य से परिचित कराया जाना चाहिए। प्रत्येक जन जाने की कौन उनका मित्र है? कौन शत्रु है? जनता को वे जनतंत्र का निर्णायक मानते थे।

23 मार्च 1910 फैजाबाद के अकबरपुर में जन्मे राम मनोहर लोहिया के पिताजी श्री हीरालाल पेशे से अध्यापक व सच्चे राष्ट्रभक्त थे। उनके पिताजी गांधी जी के अनुयायी थे। जब वे गाँधी जी से मिलने जाते तो राम मनोहर को भी अपने साथ ले जाया करते थे। इस कारण गाँधी जी के व्यक्तित्व का उन पर गहरा असर हुआ। लोहिया जी अपने पिताजी के साथ 1918 में अहमदाबाद कांग्रेस अधिवेशन में पहली बार शामिल हुए।पांच वर्ष की उम्र में पास ही की टण्डन पाठशाला में उनका नाम लिखा दिया गया। इसके बाद तमसा पार स्थित विश्वेश्वरनाथ हाई स्कूल में लोहिया को पाँचवीं कक्षा में प्रवेश दिलाया गया। वे शरीर से दुर्बल, परन्तु मन से सुदृढ़ थे और बुद्धि से कुशाग्र थे।मारवाड़ी विद्यालय में प्रवेश के बाद वे शहरी परिवेश से अचानक जुड़ गए, क्योंकि बम्बई का मारवाड़ी स्कूल विश्वेश्वरनाथ हाईस्कूल से कई अर्थों में अति आधुनिक था। बम्बई से वे वाराणसी लौटे। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में इण्टर का अध्ययन शुरू कर दिया। वहां से सन 1927 ई. में वहाँ से उन्होंने इण्टर की परीक्षा उत्तीर्ण की। इण्टर पास करने के बाद सन 1927 में लोहिया कलकत्ता आ गए। उन्होंने सेंट जेवियर्स तथा स्काटिश चर्च जैसे ख्यातिनामा महाविद्यालय को छोड़कर विद्यासागर महाविद्यालय में प्रवेश लिया था, जो उस समय भेंड़ों की सराय के नाम से जाना जाता था। लेकिन इस कॉलेज के प्राचार्य राष्ट्रीय विचारधारा से सम्बद्ध थे और लोहिया राष्ट्रीय विचारधारा के पूर्णतः समर्थक थे। लोहिया का अंग्रेज़ी भाषा पर ख़ासा अधिकार था।

उनके मन में स्वतंत्र देश का स्वाभिमान जाग उठा था। वे शिक्षा प्राप्त करने की अपेक्षा सम्मान के प्रति ज़्यादा सजग हो उठे थे। इस कारण अपने देश को आज़ाद कराने की बात गहरे पैठती गई थी। वे देश की आज़ादी के प्रतिबद्ध हो चुके थे। इन्हीं कारणों से लोहिया बर्लिन के लिए रवाना हो गए। वहां उन्होंने बर्लिन के हुम्बोल्ट विश्वविद्यालय में प्रवेश ले लिया। विश्वविख्यात अर्थशास्त्री प्रोफ़ेसर बर्नर जोम्बार्ट उसी विश्वविद्यालय में थे। लोहिया ने उन्हें ही अपना निर्देशक तथा परीक्षक चुना।बर्लिन में प्रोफ़ेसर जोम्बार्ट के मातृभाषा प्रेम से वे काफी प्रभावित हुए और यहीं से उनमें मातृभाषा प्रेम ज़ोर पकड़ गया था और वे आजीवन मातृभाषा के हिमायती रहे।

वहां रहकर उन्होंने तीन माह में रात-दिन जुटकर जर्मन भाषा में ख़ासी सफलता प्राप्त कर ली। इसके साथ ही यह सुदृढ़ निश्चय भी हो गया कि ज्ञान तथा अभिव्यक्ति के लिए किसी ख़ास भाषा का ज्ञान होना ज़रूरी नहीं होता। मातृभाषा को छोड़कर ज्ञान व अभिव्यक्ति का दूसरा सशक्त माध्यम कोई नहीं हो सकता। मातृभाषा और हिन्दी के प्रति उनमें अटूट श्रद्धा व विश्वास होने का यही कारण था। वे कलकत्ता में, अध्ययन करते हुए भी हिन्दी में बातचीत करना अधिक पसन्द करते थे।

चार साल के बाद लोहिया जी जर्मनी से डॉक्टरेट की उपाधि हासिल कर अपनी मातृभूमि पर लौटे।उनका विषय था अर्थशास्त्र। वे कलम के धनी थे। प्रतिभा की धार और विद्धत्ता ही उनकी पूँजी थी। वे सीधे मद्रास से प्रकाशित होने वाली अंग्रेज़ी पत्र हिन्दू के कार्यालय पहुंचे। उन्हें सम्पादक तो नहीं मिले, लेकिन सह-सम्पादक मिले। लोहिया जी ने अपना परिचय दिया और लेख लिखकर देने का कारण बताया। उन्होंने वहां बैठकर लेख लिख डाला और उसके लिए पारिश्रमिक स्वरूप पच्चीस रुपये प्राप्त किए।वे अपने पिता से मिलने कोलकाता आए, अपने चाचा रामकुमार के घर गए। लोहिया को अपने चाचा से मालूम पड़ा कि, उनके पिता कारोबार बन्द कर सारा समय कांग्रेस को देने लगे हैं। लम्बी जेलयात्रा भी कर आए हैं। आजकल बड़ा बाज़ार को उन्होंने अपना कार्यक्षेत्र बना रखा है। चरखा समिति बना डाली है। वे हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय में भी बैठते हैं। हिन्दू-मुसलमान के भेदभाव को दूर करने के लिए कौमी बाल्टी रख छोड़ी है। उनकी दृष्टि में वह बाल्टी हिन्दू-मुसलमान एकता का प्रतीक है, क्योंकि दोनों ही उससे पानी लेकर पीते थे। लोहिया ने पाया कि कलकत्ता पहले से भी अधिक ग़रीब हो गया है। बेकारी बढ़ी है। सब कुछ अन-बदला सा पथराकर ठहर गया है।

उनकी चिन्तन-धारा कभी देश-काल की सीमा की बन्दी नहीं रही। उन्होंने सदा ही विश्व-नागरिकता का सपना देखा था। वे मानव-मात्र को किसी देश का नहीं बल्कि विश्व का नागरिक मानते थे। उनकी चाह थी कि एक से दूसरे देश में आने जाने के लिए किसी तरह की भी क़ानूनी रुकावट न हो और सम्पूर्ण पृथ्वी के किसी भी अंश को अपना मानकर कोई भी कहीं आ-जा सकने के लिए पूरी तरह आज़ाद हो।

लोहिया एक नयी सभ्यता और संस्कृति के द्रष्टा और निर्माता थे। अपनी प्रखरता, ओजस्विता, मौलिकता, विस्तार और व्यापक गुणों के कारण वे अधिकांश में लोगों की पकड़ से बाहर रहे। इसका एक कारण है-जो लोग लोहिया के विचारों को ऊपरी सतही ढंग से ग्रहण करना चाहते हैं, उनके लिए लोहिया बहुत भारी पड़ते हैं। गहरी दृष्टि से ही लोहिया के विचारों, कथनों और कर्मों के भीतर के उस सूत्र को पकड़ा जा सकता है, जो सूत्र लोहिया-विचार की विशेषता है, वही सूत्र ही तो उनकी विचार-पद्धति है।

लोहिया की दृष्टि में मार्क्स पश्चिम के तथा गांधी पूर्व के प्रतीक हैं और लोहिया पश्चिम-पूर्व की खाई पाटना चाहते थे। मानवता के दृष्टिकोण से वे पूर्व-पश्चिम, काले-गोरे, अमीर-ग़रीब, छोटे-बड़े राष्ट्र नर-नारी के बीच की दूरी मिटाना चाहते थे।लोहिया की विचार-पद्धति रचनात्मक है। लोहिया ने लिखा है- जैसे ही मनुष्य अपने प्रति सचेत होता है, चाहे जिस स्तर पर यह चेतना आए और पूर्ण से अपने अलगाव के प्रति संताप व दुःख की भावना जागे, साथ ही अपने अस्तित्व के प्रति संतोष का अनुभव हो, तब यह विचार-प्रक्रिया होती है कि वह पूर्ण के साथ अपने को कैसे मिलाए, उसी समय उद्देश्य की खोज शुरू होती है।वे सभी अन्यायों के विरुद्ध एक साथ जेहाद बोलने के पक्षधर थे। उन्होंने एक साथ सात क्रांतियों का आह्वान किया।वे सात क्रांतियां थी— नर नारी की समानता के लिए,चमड़ी के रंग पर रची राजकीय, आर्थिक और दिमागी असमानता के ख़िलाफ़,संस्कारगत, जन्मजात जातिप्रथा के ख़िलाफ़ और पिछड़ों को विशेष अवसर के लिए,विदेशी ग़ुलामी के ख़िलाफ़ और स्वतन्त्रता तथा विश्व लोक-राज के लिए,निजी पूंजी की विषमताओं के ख़िलाफ़, आर्थिक समानता के लिए तथा योजना द्वारा पैदावार बढ़ाने के लिए और निजी जीवन में अन्यायी हस्तक्षेप के ख़िलाफ़ और लोकतांत्रिक पद्धति के लिए और अस्त्र-शस्त्र के ख़िलाफ़ और सत्याग्रह के लिये।इनके संदर्भ में लोहिया ने कहा- सातों क्रांतियाँ संसार में एक साथ चल रही हैं। अपने देश में भी उनको एक साथ चलाने की कोशिश करना चाहिए। जितने लोगों को भी क्रांति पकड़ में आयी हो उसके पीछे पड़ जाना चाहिए और बढ़ाना चाहिए। बढ़ाते-बढ़ाते शायद ऐसा संयोग हो जाये कि आज का इन्सान सब नाइन्साफियों के ख़िलाफ़ लड़ता-जूझता ऐसे समाज और ऐसी दुनिया को बना पाये कि जिसमें आन्तरिक शांति और बाहरी या भौतिक भरा-पूरा समाज बन पाये।

1942 में महात्मा गांधी ने जब भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की तब कांग्रेस के सभी दिग्गज नेताओं ने उन्हें कहा कि इस समय दूसरे महायुद्ध के दौरान हमने अंग्रेज़ों की शक्ति बढ़ाने की कोशिश की तो इतिहास हमें फ़ासीवाद का पक्षधर मानेगा। गांधी जी नहीं माने। डॉ. लोहिया को गांधी जी का यह फैसला पसंद आया और वे भारत छोड़ो आंदोलन में कूद पड़े। अगस्त क्रान्ति का चक्रप्रवर्तन हो चला। डॉ. लोहिया अंग्रेज़ों को चकमा देकर गिरफ़्तारी से बच निकले। अपनी समाजवादी मित्र मण्डली के साथ वे भूमिगत हो गये। भूमिगत रहते हुए भी उन्होंने बुलेटिनों, पुस्तिकाओं, विविध प्रचार सामग्रियों के अलावा समान्तर रेडियो कांग्रेस रेडियो का संचालन करते हुए देशवासियों को अंग्रेज़ों से लोहा लेने के लिए प्रेरित किया। लेकिन जब अगस्त क्रान्ति का जन उबाल ठण्डा पड़ने लगा तब डॉ. लोहिया का ध्यान नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की अगुआई में आज़ाद हिन्द फ़ौज द्वारा छेड़े गये सशस्त्र मुक्ति संग्राम की ओर गया। उस समय भारत के पूर्वोत्तर भाग में नेताजी का विजय अभियान जारी था। डॉ. लोहिया नेताजी से मिलने की योजना बना ही रहे थे कि अचानक 20 मई, 1944 को उन्हें मुम्बई में गिरफ़्तार कर लिया गया। दुर्भाग्य से अगस्त क्रान्ति के वीर सेनानी डॉ. लोहिया और आज़ाद हिन्द फ़ौज के सेनानायक नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का मिलन न हो सका।

अगस्त क्रान्ति के दौरान डॉ. लोहिया के कौशल और साहस से महात्मा गांधी अत्यंत प्रभावित हुए थे। उसके पहले बापू डॉ. लोहिया के कई विचारोत्तेजक लेख, बेबाक टिप्पणियाँ आदि अपने पत्र हरिजन में प्रकाशित भी कर चुके थे। राष्ट्रीय नेताओं का यह मानना था कि अंग्रेज़ों के जाते ही पुर्तग़ाली भी गोवा से स्वयं कूच कर जायेंगे इसलिए वहां शक्ति झोंकने की ज़रूरत नहीं। लेकिन डॉ. लोहिया ने वहां जाकर आज़ादी की लड़ाई का बिगुल बजा ही दिया। उनका साथ महात्मा गांधी को छोड़कर और किसी बड़े नेता ने नहीं दिया।

आजादी के बाद नेहरू सरकार की नीतियां गांधी के विचारों से प्रतिकूल थीं। डॉ. लोहिया का समाजवाद गांधी की विचारधारा के अत्यन्त निकट था। नेहरू सरकार की दशा-दिशा के कारण महात्मा गांधी का नेहरू से मोहभंग हो रहा था और लोहिया की तरफ रुझान बढ़ रहा था।आज़ादी के बाद देश साम्प्रदायिकता के संकट में फंस गया तो शांति और सद्भाव क़ायम करने में डॉ. लोहिया ने गांधी का सहयोग किया। इस प्रकार वे बापू के बेहद क़रीब आ गये थे।

28 जनवरी, 1948 को गांधी ने लोहिया से कहा, मुझे तुमसे कुछ विषयों पर विस्तार में बात करनी है। इसलिये आज तुम मेरे शयनकक्ष में सो जाओ। सुबह तड़के हम लोग बातचीत करेंगे। लोहिया गांधी के बगल में सो गये। उन्होंने सोचा कि जब बापू जागेंगे, तब वे जगा लेंगे और बातचीत हो जाएगी। लेकिन जब लोहिया की आंख खुली तो गांधी जी बिस्तर पर नहीं थे। बाद में जब डॉ. लोहिया गांधी से मिले तब गांधी ने कहा, तुम गहरी नींद में थे। मैंने तुम्हें जगाना ठीक नहीं समझा। ख़ैर कोई बात नहीं। कल शाम तुम मुझसे मिलो। कल निश्चित रूप से मैं कांग्रेस और तुम्हारी पार्टी के बारे में बात करूंगा। कल आख़िरी फ़ैसला होगा। लोहिया 30 जनवरी, 1948 को गांधी से बातचीत करने के लिए टैक्सी से बिड़ला भवन की तरफ बढ़े ही थे कि तभी उन्हें गांधी की शहादत की खबर मिली। एक ठोस योजना की भ्रूण हत्या हो गयी। बापू अपनी शहादत से पहले अपने आख़िरी वसीयतनामे में कांग्रेस को भंग करने की अनिवार्यता सिद्ध कर चुके थे। उस समय उन्होंनें ऐसा स्पष्ट संकेत दिया था कि आज़ादी की लड़ाई के दौरान अनेकानेक उद्देश्यों के निमित्त गठित विविध रचनात्मक कार्य संस्थाओं को एकसूत्र में पिरोकर शीघ्र ही एक नया राष्ट्रव्यापी लोक संगठन खड़ा किया जायेगा।

1956 में डॉ. लोहिया और डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बीच निकटता बढ़ने लगी थी। कांग्रेस को सत्ताच्युत करने के लिये वे दोनों एक मंच पर आने के लिये राजी हो रहे थे। देश के सर्वांगीण विकास के लिये यह नितान्त आवश्यक समझा गया कि सोशलिस्ट पार्टी और ऑल इण्डिया बैकवर्ड क्लास एसोसिएशन का आपस में विलय हो जाए। इस प्रकार जो नवगठित पार्टी बने, डॉ. अम्बेडकर उसका अधयक्ष पद स्वीकार करें। दोनों पार्टियों के बीच सिद्धान्तों, नीतियों, कार्यक्रमों और लक्ष्यों की दृष्टि से काफ़ी हद तक समानता होने के कारण विलय के आसार नज़र आने लगे थे कि तभी 6 दिसम्बर, 1956 को डॉ. अम्बेडकर का निधन हो गया। दुर्भाग्य ने यहां भी अपना रंग दिखा दिया।

डॉ. राम मनोहर लोहिया लोगों को आगाह करते आ रहे थे कि देश की हालत को सुधारने में कांग्रेस नाकाम रही है। कांग्रेस शासन नये समाज की रचना में सबसे बड़ा रोड़ा है। उसका सत्ता में बने रहना देश के लिए हितकर नहीं है। इसलिए डॉ. लोहिया ने नारा दिया, कांग्रेस हटाओ, देश बचाओ। परिणामस्वरूप 1967 के आम चुनाव में एक बड़ा परिवर्तन हुआ। देश के 9 राज्यों पश्चिम बंगाल, बिहार, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश में गैर कांग्रेसी सरकारें गठित हो गईं। डॉ. लोहिया इस परिवर्तन के प्रणेता और सूत्राधार बने। राजनीतिक बदलाव के इस दौर में डॉ. लोहिया को स्वतंत्रता संग्राम के अपने पुराने सहयोगी जयप्रकाश नारायण की याद आयी। जेपी उस समय सर्वोदय आन्दोलन की अग्रणी हस्ती थे। सितम्बर, 1967 में डॉ. लोहिया पटना पहुंचे। दोनों ने गहन विचार-विमर्श किया। डॉ. लोहिया ने जयप्रकाश को राजनीति की मुख्यधारा में दुबारा आने का स्नेहपूर्ण आमंत्रण दिया। लोहिया के मनाने पर जेपी राजी भी हो गये। लेकिन इस बार कालचक्र ने डॉ. लोहिया को ही अपना ग्रास बना लिया और 12 अक्टूबर, 1967 को उनके निधन के समाचार से देश उदास हो गया।

लोहिया को भारतीय संस्कृति से न केवल अगाध प्रेम था बल्कि देश की आत्मा को उन जैसा हृदयंगम करने का दूसरा नमूना भी न मिलेगा। समाजवाद की यूरोपीय सीमाओं और आध्यात्मिकता की राष्ट्रीय सीमाओं को तोड़कर उन्होंने एक विश्व-दृष्टि विकसित की। उनका विश्वास था कि पश्चिमी विज्ञान और भारतीय अध्यात्म का असली व सच्चा मेल तभी हो सकता है जब दोनों को इस प्रकार संशोधित किया जाय कि वे एक-दूसरे के पूरक बनने में समर्थ हो सकें।

-कुमार कृष्णन

इन्दौर बाजार भाव –

इन्दौर। निचले भावों पर मॉंग से शुक्रवार को दलहनों में मसूर बाजार बड़ाकर बोले गये। चना 5800 रू. प्रति क्ॅ?टल पर बना रहा। खाद्य तेलों में बाजार नरमी के देखे गये। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत रहा। किराना बाजार में शक्कर मजबूत रही।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मसूर में लेवाली से भावों में सुधार देखा गया। मसूर बढ़ि?या मालों में 5975 रू. प्रति क्ॅ?टल पर आ गयी। चना 5800 रू. प्रति क्ॅ?टल पर रहा। खाद्य तेलों में सोया व कपास्या तेलों में मॉंग की सुस्तता से नरमी आयी। तिलहनों में सोयाबीन बाजार मजबूत हुये। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में सुधार आया। भाव इस प्रकार रहे –

किराना – शक्कर 3770-3830, खोपरा गोला 115-130, खोपरा बूरा 2450-4450 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 460-480, ऊंझा हल्का 475-500, बेस्ट 580-600, हल्दी निजामाबाद 220-225, सांगली 290-300, साबूदाना हल्का 7300-7500, मीडियम 7500-7700, बेस्ट 7900-8000, सच्चा मोती 7350, सौंफ मोटी 95-125, मीडियम 175-225, बेस्ट 225-250, सौंफ बारि?क 350-400, बेस्ट 450, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 675-690, गरबल 635-655, मटर दाना 700-715, खसखस अनक्लीन 600-1000, क्लीन 1200-1250, दालचीनी 240-245, बेस्ट 250-260, जायफल 580-700, वाद्यान फूल 675-750, शाहजीरा 300-325, तेजपान 85-90, पत्थर फूल 325-375, बेस्ट 450-525, जावत्री 1900-1950, केसर 145-190, सौंठ 190-225, धोली मूसली 975-1100, लौंग 850-900, बेस्ट 950-1000, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 810-850, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 1850-1900, मीडियम 2100-2300, बोल्ड 2400-2500, एक्स्ट्रा बोल्ड 2550-2600, पानबार 2150, बड़ी इलायची 1050-1150, बेस्ट 1200-1450, तरबूज मगज 860-900, काजू (240) 750-825, काजू (320) 700-720, काजू डब्ल्यू वन 650-675, एस. डब्ल्यू 625-650, एस.एस. डब्ल्यू 600-630, टुकड़ी 590-610, बादाम मगज 600-650, सिंगापुरी 600-620, टांच 500-575, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 375-475, बेस्ट 500-550, इंडियन 190-200, बेस्ट 240-260, चारौली 1200, बेस्ट 1250, मुनक्का 475-725, बेस्ट 775-850, अंजीर 675-1250, मखाना 650-950, खारक 90-110, मीडियम 115-150, बेस्ट 160-175, एक्स्ट्रा बेस्ट 180-200, पिस्ता मोटा 1675-1725, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1560-1570, मैदा कट्टा 1590-1600, रवा कट्टा 1670-1680, बेसन 3950 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 1400-1450, (160) 1400-1500, (200) 1400-1500, (250) 1650-1750

तेल – सींगदाना 1490-1510, मुम्बई 1510, राजकोट तेलिया 2360, सोया साल्वेंट 930-935, सोया रिफाइंड 975-980, कपास्या 925, धूलिया 930, कड़ी 930,

रात की धारणा – गुजरात लुज 1450, मुम्बई पाम --, मुम्बई सोया --,

खली – कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 1800, देवास-उज्जैन 1800, खंडवा-बुरहानपुर 1775, अकोला 2800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन – सरसो 6100-6200, रायडा 4500-4700, सोयाबीन 4400-4500, टोली (महुआ बीज) 4100-4150, अलसी 7500-7600,

दलहन – चना कांटेवाला बेस्ट 5750-5800, एवरेज 5675-5700, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 5975-6000, एवरेज 5850-5900, मूंग देशी 9000-9100, पाला 9100-9200, चमकी 9200-9300, नायलोन 9300-9400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 9600-9700, एवरेज 9400-9500, हल्की 8800-8900, तुअर महाराष्ट्र 10300-10400, उड़द बेस्ट 9400-9500, एवरेज 9200-9300, हल्की 9000-9100, शंकर 9200-9400,

दाल – चना दाल एवरेज 7650-7750, मीडियम 7850-7950, बेस्ट 8050-8150, तुअर दाल सवा नं. 13100-13200, तुअर दाल फूल 13900-14000, तुअर दाल बोल्ड 14900-15000, मसूर दाल एवरेज 7150-7250, बेस्ट 7350-7450, मूंग दाल 10500-10600, बोल्ड 10700-10800, मूंग मोगर 11200-11300, बोल्ड 11400-11500, उड़द दाल 10800-10900, बोल्ड 10000-11100, मोगर 11200-11300, बोल्ड 11400-11500,

अनाज – गेहूं मिल क्वालिटी 2150-2200, (147) 2250-2300, बेस्ट 2300-2350, लोकवन 2500-2550, बेस्ट 2550-2600, चन्द्रोसी 3100-3800, ज्वार देशी 2500-2650, मक्का पीली 2150-2200, गज्जर 2100-2150,

चावल – चावल हंसा सफेद 2500-2700, सेला 2900-3100, परमल 2800-3000, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7500, काली मुंछ 8000-8500, बासमती दुबार 8500-9000, मीनी दुबार 7500-8000, मोगरा 4200-6500, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 11500-12500, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4300-4800,

मावा – इन्दौर 300, उज्जैन 260, रतलाम 260 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार –

इन्दौर। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में कामकाज सुस्त-सुस्त ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे – चॉंदी (9999) 74000, चॉंदी (99) 73900, टंच 73300, सिक्का 800, सोना 10 ग्राम 66400,

टाटा केमिकल पर 103.63 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने ब्याज की अस्वीकृति से संबंधित नियम के उल्लंघन के लिए टाटा कैमिकल्स पर 103.63 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। टाटा कैमिकल्स ने कहा कि उसे आयकर विभाग के नेशनल फेसलैस असेसमेंट सेंटर से एक आदेश मिला है, जिसमें धारा 36 (1) के तहत ब्याज की अस्वीकृति के लिए आयकर अधिनियम की धारा 270 ए (3) के तहत 103.63 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। टाटा समूह की कंपनी ने कहा कि मामले के गुण-दोष, प्रचलित कानून और वकील की सलाह के आधार पर वह इस आदेश के खिलाफ नेशनल फेसलैस अपील सैंटर के समक्ष अपील करने की योजना बना रही है।

आज का राशिफल

मेष- कल का दिन बहुत अधिक बढ़िया रहेगा, नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आपके कार्यक्षेत्र में आपका दिन बढ़िया गुजरेगा, कल आपको रूपए पैसे की कोई कमी नहीं रहेगी, परंतु कल किसी बात पर आप भावुक हो सकते हैं, जिसके कारण आपका बनता हुआ कार्य बिगड़ सकता है। व्यापार करने वाले जातकों की बात करें तो व्यापार में आप किसी पर भी आंखें बंद करके भरोसा ना करें।

वृषभ- नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो यदि आप कोई नहीं नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो आपको नौकरी से संबंधित खुशखबरी प्राप्त हो सकती है, जहां पर आपको वेतन अपने मन के मुताबिक मिलेगा. व्यापार करने वाले जातको की बात करें तो व्यापारियों को कल थोड़ी सी समस्या का सामना करना पड़ सकता है, परंतु छोटे व्यापारियों को लाभ हो सकता है।

मिथुन- कल का दिन मिलाजुला रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आप अपने कार्य क्षेत्र में मन लगाकर कार्य करें तो अच्छा रहेगा. आपकी मेहनत की सभी लोग बहुत अधिक तारीफ करेंगे. व्यापार करने वाले जातकों की बात करें तो कल व्यापारियों को कोई आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है, जिससे आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने में कामयाब रहेंगे।

कर्क- नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो दिन की शुरुआत में आपके कार्य क्षेत्र में आपको किसी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, परंतु बाद में सभी परेशानियां हल हो जाएंगी. व्यापार करने वाले जातकों के बात करें तो यदि आप पार्टनरशिप में व्यापार करते हैं तो कल आपका आपके पार्टनर के साथ किसी बात को लेकर वाद विवाद हो सकता है।

सिंह- कल का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आप अपने कार्यों में बहुत अधिक मेहनत करें तो आपको सफलता की प्राप्ति हो सकती है और आपके अधिकारी भी आपके कार्य को देखकर प्रसन्न रहेंगे. व्यापार करने वाले जातकों की बात करें तो व्यापारियों के लिए भी कल का दिन ठीक-ठाक रहेगा।

कन्या- नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आपका ऑफिस मे ठीक-ठाक गुजरेगा. किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं रहेगी. कुल मिलाकर सारा दिन आप कार्य में व्यस्त रहेंगे। व्यापार करने वाले जातकों की बात करें तो व्यापारियों के लिए भी कल दिन ठीक-ठाक रहेगा, व्यापारी अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए अपने पार्टनर से सलाह मशवरा कर सकते हैं और आप अपने पार्टनर के सलाह के बिना व्यापार से संबंधित कोई कार्य न करें तो अच्छा रहेगा. यदि आप शेयर मार्केट या सट्टा मार्केट में पैसा लगाना चाहते हैं तो आपको लाभ प्राप्त हो सकता है।

तुला- कल का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आपके दफ्तर में बहुत अधिक कार्य होने के कारण आपको थकान महसूस हो सकती है, परंतु आप समय रहते अपने कार्यों को पूरा करने में कामयाब रहेंगे. व्यापार करने वाले जातकों की बात करें तो व्यापार में लाभ होने के संकेत मिल रहे हैं।

वृश्चिक- नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आपके दफ्तर में कार्य को लेकर कुछ टेंशन हो सकती हैं. आप अपने कार्य पर अपना ध्यान केंद्रित करें और अपने कार्यों को समय से और सही ढंग से पूरा करने का प्रयास करें. तो परिस्थितियों ठीक हो सकती हैं। व्यापार करने वाले जातकों की बात करें तो यदि आपके व्यापार से संबंधित आपसे किसी ने धन उधार ले रखा है तो वह व्यक्ति कल आपका रुका हुआ धन वापस कर सकता है. आपके अटके हुए पैसे वापस मिलने से आपको बहुत खुशी हो सकती है.

धनु- कल का दिन सामान्य रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आप अपने कार्यक्षेत्र में कार्य करते समय थोड़ा सा सावधान रहे अन्यथा, आपके विरोधी आपकी किसी कार्य की खराब होने पर आपका फायदा उठा सकते हैं और आपकी शिकायत आपके अधिकारियों से कर सकते हैं. व्यापार करने वाले जातकों की बात करें तो खुदरा व्यापारियों को कल लाभ हो सकता है।

मकर- नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आप अपने दफ्तर के कार्यों में बहुत अधिक बिजी रहेंगे, परंतु कार्यों को करते हुए आपको बहुत अधिक आनंद आएगा और आपका दिन अच्छा गुजरेगा। आपका व्यापार जैसा चल रहा है उसे वैसे ही चलने दे उसमें किसी प्रकार का फेरबदल करने का प्रयास न करें अन्यथा आपको हानि भी उठानी पड़ सकती है।

कुंभ- कल का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आपके ऑफिस में कार्यों को लेकर कुछ उधर-पुथल हो सकती है. कल आपको आपके दफ्तर में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है जिसके कारण आप थोड़ा सा परेशान हो सकते हैं और आपको मेहनत बहुत अधिक करनी होगी।

मीन- नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल यदि आप किसी नई नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो आपकी तलाश खत्म हो सकती है. आपको नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है, जहां पर आपको पहले नौकरी के मुताबिक अधिक वेतन प्राप्त होगा। व्यापार करने वाले जातकों की बात करें तो कल आप कोई नया व्यापार खोलने की सोच सकते हैं, परंतु आपको भी फैसला सोच समझ कर करें, यदि आप पार्टनरशिप में व्यापार करना चाहते हैं तो अपने पार्टनर पर कड़ी निगरानी रखें।

शब्दजाल - 7487

अ	म	मा	वी	र	जा	रा	न	ह	क	र
हा	शो	सू	ह	का	ल	जी	स	ल	ग	ज
य	वी	का	द	डॉ	ल	त	र	जी	ल	टी.
श	र	दा	ज	ल	न	न	बा	र	सु	को
बॉ	दे	न	ष	ल	म	मी	छ	बा	नो	य
स	मी	व	स	जि	खा	क	प	द	स	ला
के	ह	बु	दा	टी	म	मी	टे	शा	रु	प
न	पू	सु	पा	स	पं.	सौ	ल	ह	र	स
प	र	दे	स	ह	प	ने	ने	व	जी	त
म	व	म	ब	फा	दी	र	ह	री	क	थ
म	ह	न	मो	ह	ब्ब	ते	न	ज	ल	वा

शब्दजाल में शाहरुख खान की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

डॉन, वीर जारा, देवदास, यश बॉस, परदेस, बाजीगर, कोयला, बादशाह, अशोका, मोहब्बते.

शब्दजाल - 7486 का हल

सा	वि	र	कु	बा	ई	र	म	ला	नी	क
ज	रा	माँ	ज	इं	डो	ने	ह	क	हे	प
न	स	आ	तु	म	न	इ	जा	न	रा	म
च	त	चाँ	मा	झे	ल	स	ल	प	फे	ह
ले	म	बा	द	त	स	उ	ड़	ख	री	म
स	जे	फ़	र	नी	द	ला	म	ल	ड़	सा
सु	मा	दे	ना	व	बा	स	म	पी	ख	थ
रा	दे	श	बा	र	प	र	थ	ड़	भ	सा
ल	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	थ	थ
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	है
ते	रा	जा	क	दि	प	ने	मा	चि	स	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6431

१. २. ३. ४. ५. ७. ९. ११. १३. १५. १६. १८. १९. २०. २२. २४. २६. २८. २९. ३०. ३२.

बायें से दायें:-

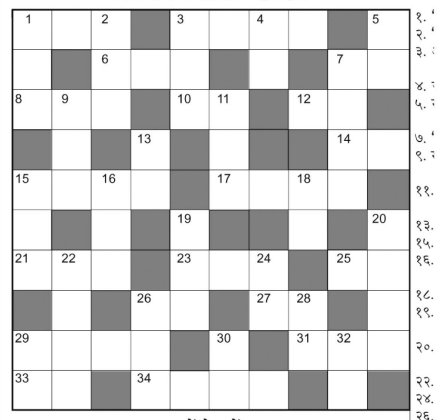

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

दैनिक पंचांग

23 मार्च 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	07.09 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृष	08.49 बजे से
मंगल	मकर में	मिथुन	10.47 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	13.01 बजे से
गुरु	मेष में	सिंह	15.17 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कन्या	17.29 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	19.40 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.54 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	00.10 बजे से
राहुकाल		मकर	02.15 बजे से
9.00 से 10.30		कुंभ	04.02 बजे से
बजे तक		मीन	05.35 बजे से

शनिवार 2024 वर्ष का 83 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 07.18 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी अहोरात्र।
योग शूल 19.34 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 07.18 बजे तदनन्तर गर 20.37 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 12.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 01° 08'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871927
जूलियन दिन 2460392.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना रमजान **तारीख** 12
विशेष भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु शहीद दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः उपकार का ऋण

काशी के पास गांव के एक गांव के पुजारी अपने बेटे के साथ मंदिर में ही रहते थे। वह पूरी तन्मयता से मंदिर का सारा काम करते थे। पुजारी चाहते थे कि उनका बेटा थोड़ा पढ़-लिख कर उनके काम में हाथ बंटाए। लेकिन बेटा चाहता था कि वह शहर में जाकर खूब धन कमाए। पढ़ाने के लिए पुजारी के पास पैसा नहीं था। किसी तरह पुजारी के कर्म से अपना गुजारा करते थे। जब गांव वालों के कानों में यह बात गई तो उन्होंने चंदा इकट्ठा करके पुजारी के बेटे को ऊंची शिक्षा दिलवाई। वह पढ़ लिख कर शहर चला गया। शहर में उसने धन और कमाया। काफी समय के बाद एक बार वह गांव आया। उसे पिता को पुजारी का काम करते देख कर बुरा लग रहा था। उसने कहा, 'पिता जी, अब आप यह काम छोड़ कर हमारे साथ चलें। पिता ने कहा, 'नहीं बेटा। मैं मंदिर छोड़ कर कहीं नहीं जाऊंगा।' बेटे ने कहा, 'यदि आप को मंदिर की इन पत्थर की मूर्तियों से इतना प्रेम है तो मैं इससे अच्छी मूर्ति लाकर आप को दूंगा।' इस पर पुजारी पिता ने कहा, 'बेटा, तुम सुंदर मूर्ति तो ला सकते हो लेकिन यहां का प्रेम नहीं ला कर दे सकते। यह ठीक है कि ये मूर्तियां पत्थर की है लेकिन मुझे जितनी खुशी इन मूर्तियों की सेवा करने में मिलता है उतनी खुशी कहीं और नहीं मिलेगी।' बेटे ने तब खीज कर अपने मन की बात कही, 'पिता जी, आप यहां एक सामान्य पुजारी की तरह काम करें, यह मुझे अच्छा नहीं लगता। इससे हमारी प्रतिष्ठा को चोट पहुंचती है।' पुजारी पिता ने तब ने जवाबी सवाल किया, 'क्या तुम्हारी प्रतिष्ठा इन चीजों से कीमती है कि तुम्हारी पढ़ाई का खर्च गांव वालों ने चंदा इकट्ठा करके निकाला? तुम्हारी मां बीमार थी तो गांव वालों ने उसकी सेवा की। बहन की शादी गांव वालों ने की। क्या तुम अपनी प्रतिष्ठा के बल पर शहर में मुझे इतना प्रेम दिलवा सकते हो? तुम्हारी प्रतिष्ठा और अपने सुख के लिए मैं गांव के लोगों को छोड़ कर नहीं जाऊंगा। बेटा, मैं तुम्हें भी यह सीख देता हूं कि सब कुछ भूल जाना लेकिन किसी का किया हुआ उपकार कभी मत भूलना।' बेटे को अब समझ में आ गया कि गरीब बाप की मानवता कितनी ऊंची है। उसके मुकाबले उसके धन और यश की बिसात ही क्या है। उसने पिता के मन के दर्द को समझा और उनसे माफी मांग कर शहर चला गया।

सूडोकु नवताल- 6740

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6739 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 7955

बाएँ से दाएँ

1. खटपट, ठनाठनी-4
4. पंजाब की एक नदी-4
6. चित्रकमेल, लम्बी गर्दनवाला पशु-3
8. दंड, दम, शामन-3
9. धरा, भूमि-3
11. शासन व्यवस्था, रहस्य-2
13. नवचंद्राकार-5
15. अकेला-2
16. दया, करुणा-3
18. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
19. देवर्षि, देवमुनि-3
20. सब्जी, भाजी-4
22. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4

ऊपर से नीचे

1. गुनाह, दोष, जुर्म-3
2. अपराधमुक्त, निवृत्त-2
3. सौत, दूसरी स्त्री-3
4. होशियार, गुणवान-5
5. भूकम्प-4
7. भेद, तुलना-3
10. परिचर्या-5
12. स्वभाव-4
14. स्थित होना-3
17. श्मशान-4
18. गृह, भवन-3
21. जीवन, जीव, स्फूर्ति-2

शब्द पहेली -7954 का हल

फ	न	का	र		ग	ज	रा	
ला	त		वै		ज		ह	क
हा		या	या	व	र			ल
र	स	द		ध		प	ला	श
		गा	ल		जी	त		
क	हा	र		आ		झ	र	ना
हा			ग	ठ	जो	ड़		म
नी	र		म		क		ना	व
	ब	द	न		र	ह	ब	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार बढ़त पर बंद, सेंसेक्स 190, निफ्टी भी 84 अंक ऊपर आया

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों से आया है। व्यापक बाजारों में भी सकारात्मक रुख से बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.38 फीसदी और बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 1.06 फीसदी ऊपर आया।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 190.75 अंक करीब 0.26 फीसदी बढ़कर 72,831.94 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 84.80 अंक तकरीबन 0.39 फीसदी बढ़कर 22,096.75 अंक पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। इस दौरान मारुति, सन फार्मा, टाइटन, आईटीसी और इंडसइंड बैंक सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयर रहे। सबसे ज्यादा लाभ मारुति के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 3.55 फीसदी बढ़े। इसके अलावा, एलएंडटी, टाटा मोटर्स, भारती एयरटेल, टाटा

स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, नेस्ले, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक और पावर ग्रिड के शेयर लाभ में रहे।

दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 9 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक, टीसीएस और टेक महिंद्रा सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयरों में रहे। सबसे ज्यादा नुकसान इंफोसिस के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 2.98 फीसदी टूटे। इसके अलावा बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और एनटीपीसी के शेयर भी नुकसान में रहे।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए अनुमान से ज्यादा तेजी से वृद्धि की उम्मीद जताई है उससे भी बाजार को बल मिला। बीएसई में सूचीबद्ध फर्मों का कुल बाजार पूंजीकरण 5.7 लाख करोड़ रुपये ऊपर आया।

वहीं इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में कमजोरी को देखते हुए भारतीय शेयर बाजार ?गिरावट के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स 200 अंक गिरकर 72,431 पर और एनएसई निफ्टी50 54 अंक गिरकर 21,957 के स्तर पर कारोबार करते दिखे। बीएसई मिडकैप एक दायरे में कारोबार करता दिखा, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 0.33 फीसदी ऊपर था। शुक्रवार के शुरुआती कारोबार में आईटी कंपनियों के शेयरों में एचसीएल टेक, एमफैसिस, पर्सिस्टेंट सिस्टम्स के शेयरों में 4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि विप्रो, कोफोर्ज, इंफोसिस और एलटीटीएस में भी 3 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई।

जेनसोल को महाराष्ट्र में 520 करोड़ की सौर परियोजना मिली

नई दिल्ली। जेनसोल इंजीनियरिंग को महाराष्ट्र में सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित करने के लिए 520 करोड़ रुपये का ऑर्डर हा?सिल हुआ है। जेनसोल ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया ?कि यह ऑर्डर राज्य की एक अग्रणी बिजली उत्पादन इकाई से ?मिला है। इस परियोजना में महाराष्ट्र में 500 एकड़ में 100 मेगावाट एसी, 135 मेगावाटपी ग्राउंड-माउंट सौर पीवी बिजली परियोजना का विकास शामिल है, जिसका कुल ऑर्डर मूल्य 520 करोड़ रुपये है। जेनसोल ने कहा कि इसके तहत सिविल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग कार्य, जरूरी मंजूरियां हासिल करना, संयंत्र की स्थापना और शुरुआत और संयंत्र के स्विचयार्ड और ट्रांसमिशन बुनियादी ढांचे के रखरखाव सहित तीन साल का परिचालन प्रबंधन शामिल है। जेनसोल इंजीनियरिंग जेनसोल समूह की कंपनियों का एक हिस्सा है जो सौर ऊर्जा संयंत्रों के विकास के लिए ईपीसी सेवाएं प्रदान करती हैं। समूह ने पुणे में एक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माण संयंत्र भी स्थापित किया है।

भारत 5 साल में दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होगा- कांत

बेंगलूर। भारत के जी20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने कहा कि भारत अगले पांच साल में जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसके अलावा उस समय तक भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा शेयर बाजार भी होगा। भारतीय उद्योग परिसंघ (दक्षिणी क्षेत्र) द्वारा द डैक्कन कन्वर्सेशन्स, एक्सिलेरेटिंग आवर ग्रोथ स्टोरी विषय पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांत ने कहा कि भारत की वृद्धि दर पिछली तीन तिमाहियों में 8.3 प्रतिशत से अधिक रही है और इस दौरान यह एक मजबूत ताकत के रूप में उभरा है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) का हवाला देते हुए कहा कि भारत अगले दशक में दुनिया के आर्थिक विस्तार में लगभग 20 प्रतिशत का योगदान देगा। वर्ष 2047 तक देश की अर्थव्यवस्था 35,000 अरब डॉलर की होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत को विनिर्माण, स्मार्ट शहरीकरण और कृषि के दम पर आगे बढ़ने की जरूरत है। भारत को सीखने के परिणामों और कौशल में सुधार करने की जरूरत है, जिससे 2047 तक भारत वैश्विक स्तर पर 30 प्रतिशत कुशल जनशक्ति प्रदान कर सकेगा। उन्होंने कहा कि भारत को बड़ी कंपनियां बनाने, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए पारिस्थितिकी तंत्र का सृजन करने की जरूरत है, जिससे शोध एवं विकास (आरएंडडी) पर खर्च को मौजूदा के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.7 प्रतिशत से बढ़ाकर ढाई से तीन प्रतिशत किया जा सके।

प्राकृतिक रंगों व हर्बल गुलाल से खेले होली

लांजी (पद्मेश न्यूज़)। देश के प्रमुख त्योहारों में से एक होली पर्व प्रारंभ हो चुका है एवं पर्व को लेकर रंग गुलाल की दुकानें सज गई हैं। देखने को मिल रहा है बाजारों में अनेकों रासायनिक रंग आते है जो कि शरीर की त्वचा के लिये हानिकारक होते है। इन रंगो से अनेकों शारीरिक बिमारियाँ हो सकती है इन रासायनिक रंगो से लोगो को परहेज करना चाहिये और पूराने जमाने मे जो पलाश के रंगों से रंग और गुलाल बनाया जाता था उसे ही अपनाना चाहिये। बतादे कि गर्मी का मौसम आते ही पेड़-पौधे सूखने लगते हैं। लेकिन इसी मौसम में पलास टेसू के पेड़ों पर फूल खिलते हैं।आयुर्वेद में पलास के फूल काफी लाभकारी माने गए हैं। वहीं होली के रंग बनाने में भी इनका इस्तेमाल होता है। अगर आप भी प्राकृतिक रंगों से होली खेलना चाहते हैं तो इन फूलों का उपयोग कर सकते हैं। बता दें कि पुराने समय में लोग पलास के फूलों से बने रंगों से ही होली खेलते थे। होली में पलास के फूलों से बने प्राकृतिक रंग त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इनका उपयोग करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।त्वचा से जुड़ी बीमारियों से भी छुटकारा मिलता है। पहाड़ी क्षेत्र या सड़क किनारे पलास के फूल आसानी से मिल जाते हैं।

फाल्गुन मास में ही खिलते हैं फुल

आयुर्वेद चिकित्सकों की माने तो पलास के पेड़ को टेसू व पलसा भी कहते हैं।फाल्गुन के महीने में ही पलास के फूल खिलते हैं। इसे प्रकृति का संदेश माना जाता है। टेसू के फूलों से ही रंग बनाकर होली खेलना चाहिए।

रासायनिक रंगो का चलन अधिक

भले बजारों में हर्बल रंग, गुलाल आदि उपलब्ध है, लेकिन रासायनिक रंगो की भरमार है। हर्बल के मुकाबले आधे दामों में रासायनिक रंग उपलब्ध होने से लोगो की खरीदारी अधिक रहती है। इन रासायनिक रंगों से त्वचा के साथ आंखों को भी नुकसान पहुंचता है। प्राकृतिक रंग के उपयोग से शरीर पर तथा स्वास्थ्य पर किसी भी प्रकार का विपरीत प्रभाव नही होता। इसलिए प्राकृतिक रंगों व हर्बल गुलाल से ही होली खेलने की सलाह दी जाती है।

पीठासीन अधिकारी व मतदान अधिकारी क्रमांक 1 को दिया प्रशिक्षण

लांजी (पद्मेश न्यूज़)। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत बालाघाट सिवनी संसदीय क्षेत्र में 19 अप्रैल को होने वाले मतदान के लिये मतदान अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसी तारतम्य में 21 मार्च से लांजी विकास खण्ड के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लांजी के दो कक्षों में एवं शासकीय महाविद्यालय लांजी के तीन कक्षों में पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्रमांक 1 को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण एसडीएम प्रदीप कौरव व तहसील हिम्मत सिंह भवेदी के मार्गदर्शन में मास्टर ट्रेनर पी के भीमटे, कमलकिशोर मेश्राम, अमित आसटकर, आनंद लटारे, जैनेन्द्र बेदरे, पूरणलाल बेदरे, अंबीलाल मानकर, आर एस घोरमारे, राजेश बैजामिन, छबीलाल विजयवंशी, सुमंत कुमार कार्तिकेय द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस दौरान मास्टर ट्रेनर के द्वारा निर्वाचन की समस्त प्रक्रिया आवश्यक प्रारूप भरना एवं इवीएम मशीन के संचालन संबंधी समस्त जानकारी मतदान अधिकारियों को प्रदान की जा रही है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में 21 मार्च को 80 पीठासीन अधिकारी एवं 85 मतदान अधिकारी क्रमांक 1 तथा 22 मार्च को 86 पीठासीन अधिकारी एवं 79 मतदान अधिकारी क्रमांक 1 को प्रशिक्षण दिया गया। आज 23 मार्च को 106 पीठासीन अधिकारी एवं 64 मतदान अधिकारी क्रमांक 1 द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान

समस्त मतदान अधिकारियों द्वारा निर्वाचन कर्तव्य प्रमाण पत्र (इडीसी) हेतु प्रारूप 12 क भरकर आवेदन किया गया।

विश्व जल दिवस पर बनाये आकर्षक पोस्टर जल संरक्षण का दिया संदेश

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। विश्व जल दिवस के अवसर पर शुक्रवार को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरसा में इको क्लब की सदस्य छात्राओं ने आकर्षक पोस्टर्स बनाकर अलग अलग प्रकार से जल सुरक्षित करने का संदेश दिया। इस दौरान प्रीता टेकाम उषा चौधरी, सुरेखा सोनम तिवारी, रेखा बिसेन, स्वामी, बबिता गेडाम वंदना चौरे, डीएल शिव, केएन धुफारे, श्री धरने एस आदि ने सहयोग किया। प्राचार्य रमा कनेरे ने जल ही जीवन है बताते हुआ जल प्राणी मात्र के लिए कितना अनिवार्य है इसे सुरक्षित और संरक्षित करें अपनी भावी पीढ़ी के लिए का संदेश देते हुए कम से कम जल में निर्वाह करने का परामर्श दिया।

मानव श्रृंखला बनाकर मतदाता जागरूकता का दिया संदेश

लांजी (पद्मेश न्यूज़)। बालाघाट सिवनी संसदीय क्षेत्र के लिये 19 अप्रैल को मतदान होने है ऐसे में प्रशासन के द्वारा मतदाताओं के लिये अनेकों मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है ताकि जिले में अधिक से अधिक मतदान प्रतिशत हो सके। साथ ही नये मतदाता भी यह जाने की मतदान करना क्यू आवश्यक है जिसको लेकर अनेकों स्वीप कार्यक्रम चलाये जा रहे है। इसी कड़ी में मप्र शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार विकासखंड लांजी के खेल विभाग द्वारा नगर के विरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम मे खिलाडियों के द्वारा मानव श्रृंखला तैयार कर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। आगामी लोकसभा चुनाव

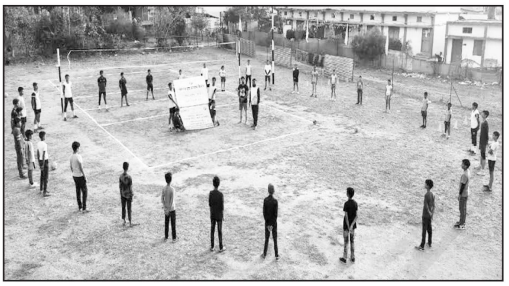

हेतु मतदाता जागरूकता अभियान के तहत खिलाडियों को बताया गया कि अपने घर पर एवं आस पड़ोस में सभी लोगों को जागरूक करें और किसी भी प्रकार के प्रलोभन में आए बिना अपने मताधिकार का प्रयोग करे और देश के विकास में अपनी सहभागिता दे।आगामी 19 अप्रैल को अनिवार्यता मतदान करें। मतदाता जागरूकता अभियान में ब्लॉक युवा समन्वयक प्रज्ञात वासनिक, नवीन रामटेक्कर, साहिल पांडे, वरुण बड़मे, यश वानखेड़े, उपस्थित रहे।

आवश्यकता है
कार चलाने हेतु ड्राईव्हर की आवश्यकता है
योग्यता-10वीं पास, वेतन- 10000 +
बालाघाट एवं आसपास में रहने वाले ही संपर्क करें
संपर्क करें
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एवं मॉल
द्वितीय तल, मोन रोड, बालाघाट (मप्र)
मो. 9244872544
फोन - 07632-244911
मिलने एवं फोन लगाने का समय-
शाम 6.30 से 8.30 बजे तक

जंगल से भटक कर गांव के भीतर पहुंचा वन्य प्राणी चीतल

आवारा श्वानों ने हमला कर किया घायल, ग्रामीणों ने बचाई जान

कटंगी (पद्मेश न्यूज़)। इन दिनों क्षेत्र में धीरे-धीरे तेज गर्मी पड़नी शुरू हो गई है. जिसने इंसानों के साथ ही वन्य प्राणियों को भी परेशान करना शुरू कर हैं. खासकर पानी की कमी ने वन्य प्राणियों को परेशान रखा है. वन्य प्राणी भोजन और पानी की तलाश में आबादी वाले ग्रामीण इलाकों में पहुंच रहे हैं और कई तरह की परेशानियों में उलझ रहे है और कई बार शिकारियों का शिकार भी बन रहे है. ताजा मामला तिरोड़ी का है. जहां शुक्रवार को वन्य प्राणी चीतल जंगल से भटक कर गांव के भीतर माता मंदिर तक आ गया. गांव के भीतर पहुंचते ही वन्य प्राणी चीतल पर आवारा श्वानों ने हमला कर उसे बुरी तरह से घायल कर दिया. हालांकि जब ग्रामीणों ने यह सब होते देखा तो जागरूकता का परिचय देते हुए आवारा श्वानों से वन्य प्राणी को बचाया और वन विभाग को इसकी सूचना दी. सूचना मिलने पर वन कर्मचारी मौके पर पहुंचे और वन्य प्राणी को अपने कब्जे में लेकर उसका

प्राथमिक उपचार करवाने के बाद उसे पुन: जंगल में छोड़ दिया. जिससे वन्य प्राणी की जान बच गई। गौरतलब हो कि वन परिक्षेत्र कटंगी में शाकाहार और मांसाहार दोनों ही प्रजाति के वन्य प्राणियों की भरमार है. लेकिन मिश्रित वन समाप्त होने और मनमाना सागौन के प्लांटेशन से शाकाहार वन्य प्राणियों पर भोजन का संकट मंडराने लगा है. जिस कारण शाकाहार वन्य प्राणी भोजन और पानी की तलाश में भटकते हुए अकसर गांव के नजदीक आ रहे है. जिससे इनके शिकार की घटनाओं में इजाफा देखने को मिल रहा है. बीते दिनों तिरोड़ी तहसील के ग्राम सुकली में वन्य प्राणी चीतल के शिकार की घटना इसका एक उदाहरण है. बताया जाता हे कि वन्य प्राणी चीतल भटककर गांव के भीतर आ गया था. जहां गांव के कुछ लोगों ने उसका शिकार कर लिया था. जिसकी भनक आज तक वन विभाग को नहीं लगी है. वन विभाग आज भी इस वारदात से अंजान है. मगर, गांव के कई लोग इस वारदात के साक्षी है किन्तु उन्होंने भी वन विभाग को इसकी सूचना नहीं दी. वन विभाग के द्वारा वन्य प्राणियों की सुरक्षा और संरक्षण के दावे तो खूब किये जाते हैं परंतु हर साल गर्मी के दिनों में भोजन और पानी की तलाश में रिहायशी क्षेत्र में घुस जाने से भटकते वन्य प्राणी कुत्तों के हमले से अपने प्राण त्याग देते हैं या फिर शिकारियों के द्वारा शिकार कर लिये जाते हैं. यह भी एक कड़वा सच है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

आचार संहिता का पालन करते हुए मनाए त्यौहार

थाने में हुई शांति समिति की बैठक

कटंगी (पद्मेश न्यूज़)।25 मार्च को होली, 30 मार्च को रंगपंचमी, 11 अप्रैल को ईद उल फितर, 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती, 17 अप्रैल को रामनवमी और हनुमान जयंती के त्योहारों को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को कटंगी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक का

आयोजन किया गया. बैठक में शांति और सद्भावना के साथ ही इन सभी त्योहारों को आचार संहिता का पालन करते हुए मनाने की प्रशासनिक अधिकारियों ने आमजन से अपील की. बैठक में एसडीएम मधुवंत राव धुर्वे, एसडीओपी माणिक मणि कुमावत, तहसीलदार छवि पंत, थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले बतौर प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी के रूप में मौजूद रहे. बैठक में विभिन्न धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी, नगर के तमाम गणमान्य नागरिक और पत्रकारजन भी मौजूद रहे. एसडीएम ने कहा कि आने वाले त्योहारों में किसी भी प्रकार के जुलूस आदि निकालने से पहले अनुमति लेना अनिवार्य रहेगी, क्योंकि आचार संहिता को ध्यान में रखते हुए सभी लोगों को उसका पालन करते हुए त्योहारों को मनाना होगा। बैठक में एसडीओपी ने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू है. इसका पालन करते हुए होली एवं रमजान शांतिपूर्ण माहौल में मनाएं. थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले ने कहा कि होली, रमजान में असामाजिक तत्वों और हुड़दंगियों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी. आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले लोगों के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई की जाएगी. होलिका दहन बिजली के खंभों के नीचे ना किया जाए, चिन्हित स्थानों पर ही होलिका दहन हो. इसके अलावा हरे-भरे वृक्षों को ना काटा जाए, गौकाष्ट और कंडो का ही उपयोग करें. तहसीलदार छवि पंत ने कहा कि अभी लोकसभा चुनाव के चलते आदर्श आचार संहिता लगी हुई है इसलिए लाउडस्पीकर और निर्धारण डेसिमल साउंड में ही डीजे बजाए जाएं. अभी निर्वाचन की आचार संहिता प्रभावशील है, इसलिए किसी भी आयोजन में यह ध्यान रखा जाए, कोई जुलूस सभा आदि की अनुमति लेना होगी. यह ध्यान रखा जाए कि कोई भी धार्मिक आयोजन राजनीतिक कार्यक्रम ना हो।

पैंगोलिन का शिकार करने वाले आरोपी को कारावास और अर्थदंड की सजा

कटंगी (पद्मेश न्यूज़)। माननीय व्यवहार न्यायालय कटंगी न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री सुधा पाण्डेय ने 07 साल पुराने एक मामले की सुनवाई करते हुए वन्य प्राणी पैंगोलिन का शिकार करने वाले आरोपी संजय पिता जयराम निवासी टेकाड़ी को 03 वर्ष के कारवास और 10 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है. सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी

ने प्रेस नोट जारी कर जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2017 में वन परिक्षेत्र कटंगी और कान्हा गढ़ी की संयुक्त टीम ने कटंगी-तुमसर मुख्य सड़क मार्ग पर भालवा नाले के पास से एक संदिग्ध व्यक्ति को पीली पॉलीथीन बैग के साथ पकड़ा था. इस बैग में वन्य जीव पैंगोलिन की 02 किलोग्राम स्केल्स (सीपी) पाई गई थी. वन विभाग की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर कढ़ाई से पूछताछ की थी तब आरोपी ने बताया था कि लगभग दो वर्ष पूर्व उसने अपने साथी अनिल पिता किशोर निवासी बालापुर के साथ मिलकर महादेव खोली के ऊपर सिवनी जिले के जंगल में दुर्लभ वन्यजीव पैंगोलिन का शिकार किया था. पैंगोलिन के मांस तथा सीपी को लाकर घर में रखा था. तब वन विभाग ने आरोपी के विरुद्ध वन्य जीव संरक्षण अधिनियम की धारा 2, 9, 39, 48 ए, 50, 51, 52 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना की कार्रवाई पूर्ण प्रकरण को न्यायालय में पेश किया था. प्रकरण के तथ्यों, परिस्थितियों के आधार पर और अभियोजन के तर्कों से सहमत होकर माननीय न्यायालय ने आरोपी को 03 वर्ष का कारावास और 10 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है।

भानेगांव में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बोलेगांव में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र के 75 नर्सिंग कॉलेजों में मिली खामियां

बिना प्रिंसिपल के चल रहा भोपाल में सरकारी कॉलेज; सागर में ये पद ही नहीं

भोपाल। मध्यप्रदेश के 75 नर्सिंग कॉलेज इंडियन नर्सिंग काउंसिल के मानकों को पूरा नहीं कर रहे। इन 75 नर्सिंग कॉलेजों की जांच रिपोर्ट गुरुवार रात सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इनवेस्टिगेशन ने जारी की है। भोपाल के सबसे बड़े हमीदिया अस्पताल में संचालित गवर्नमेंट स्कूल ऑफ नर्सिंग और भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर परिसर में संचालित भोपाल नर्सिंग कॉलेज में भी खामियां मिली हैं। भोपाल के 10 नर्सिंग कॉलेजों को पैरामीटर्स पर अयोग्य माना है। इनमें सात प्राइवेट हैं।

उल्लेखनीय है सीबीआई ने मप्र हाईकोर्ट के निर्देश पर प्रदेश में संचालित सभी सरकारी और प्राइवेट नर्सिंग कॉलेजों का इंस्पेक्शन कर जांच रिपोर्ट तैयार की थी। सीबीआई ने कॉलेजों का निरीक्षण आईएनसी के मानकों को आधार बनाकर किया था। निरीक्षण रिपोर्ट ने सरकारी और प्राइवेट 75 नर्सिंग कॉलेजों में खामियां बताई हैं। राज्य सरकार ने इन खामियों को दूर करने के लिए एक कमेटी बनाई है। जो कॉलेज खामियां कम दूर नहीं कर पाएंगे, उनकी संबद्धता निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

ये खामियां मिली नर्सिंग कॉलेजों में

हमीदिया नर्सिंग कॉलेज प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल के बगैर ही कॉलेज संचालित हो रहा है। विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर फैकल्टी का अनुपात नहीं है। क्लास रूम नंबर 2 नियमों के अनुसार सही नहीं मिला। कम्प्यूटर लैब में कोई कम्प्यूटर ही नहीं मिले। जीएनएम स्कूल ऑफ सतना में डिप्लोमा होल्डर को ही प्रिंसिपल और 4 फैकल्टी को रखा गया था। न्यूट्रीशियन लैब नहीं मिली। बीएमएचआरसी नर्सिंग कॉलेज में न्यूट्रीशन लैब, एवीएड लैब व एडवांस लैब मापदंडों के हिसाब से सही नहीं पाए गए। विद्यार्थियों के लिए यहां 8 क्लासरूम की जगह 4 ही मिले। नर्सिंग बीएमसी, सागर में नर्सिंग कोर्स के लिए अलग से बिल्डिंग नहीं मिली। प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल और प्रोफेसर की पोस्ट ही नहीं क्रिएट की गई। लाइब्रेरी में किताबें और जर्नल नहीं थे। नर्सिंग एनएससीबी मेडिकल कॉलेज, जबलपुर में 7 क्लासरूम बताए, जबकि 5 ही थे। 3 ही फैकल्टी मिली। स्टूडेंट्स-फैकल्टी रेशो, फंडामेंटल लैब, कम्प्यूटर लैब व इंफास्ट्रक्चर नहीं था।

हाईकोर्ट में दी गई थी सरकार के नियमों को चुनौती

मप्र हाईकोर्ट में नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता देने संबंधी राज्य शासन द्वारा बनाए गए नए नियमों को चुनौती दी गई थी। इस मामले में हुई सुनवाई में शासन ने अंडरटेकिंग दी कि अगली सुनवाई 2 अप्रैल तक नर्सिंग कॉलेज 8000 वर्गफीट पर संचालित हो सकने वाले नियम लागू नहीं किए जाएंगे।

नर्सिंग कॉलेज फर्जीवाड़े की जांच करने सीबीआई ने मारा छापा

- मुरैना में आधा दर्जन कॉलेजों की बिल्डिंग देखी

नर्सिंग कॉलेज के नाम हो रहे फर्जीवाड़े की जांच करने के लिए सीबीआई की टीम ने शुक्रवार को मुरैना में रेड मारी। सीबीआई ने सीएमएचओ ऑफिस से जानकारी लेने के बाद करीब आधा दर्जन कॉलेजों की बिल्डिंग देख छात्र संख्या की जानकारी भी ली। बता दें कि सीबीआई की टीम दो दिन से मुरैना में डेरा डाले हुए है।

दरअसल, स्टेट और सेंट्रल जांच एजेंसियों को पिछले कुछ महीनों से शिकायतें मिल रही थी कि मुरैना में नर्सिंग कॉलेज के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा चल रहा है। शिक्षा माफिया बिना बिल्डिंग के थैलों में कॉलेज चला रहे हैं। यही नहीं माफिया ठेका लेकर छात्रों को डिग्रियां भी दे रहे है। इसी सूचना पर सीबीआई की टीम बीते दो दिन पहले मुरैना पहुंची, यहां पर अधिकारियों ने सबसे पहले सीएमएचओ ऑफिस में संपर्क कर नर्सिंग कॉलेजो की जानकारी ली। इसके बाद बारी-बारी से नर्सिंग कॉलेजो में रेड की। बताते हैं कि सीबीआई की टीम सबसे पहले मां कैलादेवी नर्सिंग कॉलेज पहुंची। इस कॉलेज की बिल्डिंग देखने के बाद उसमें पढने वाले छात्रों की संख्या तथा उनको मिलने वाली स्कॉलरशिप की भी जानकारी ली। इसके बाद सीबीआई ने पोरसा में स्थित आरसीएल नर्सिंग कॉलेज, केएस नर्सिंग कॉलेज और एएस नर्सिंग कॉलेज पहुंचकर पड़ताल की। इसी प्रकार देवरी स्थित सैनिक डिग्री कॉलेज तथा अल्ट्रॉनियस स्कूल की बिल्डिंग में संचालित नर्सिंग कॉलेज को देखा। पड़ताल के दौरान सीबीआई को नर्सिंग कॉलेजों में बड़ी अनियमितताएं मिली हैं। कुछ कॉलेज ऐसे भी पाए गए हैं जो यथार्थ में धरातल पर है ही नहीं। सूत्रों के अनुसार पड़ताल के बाद सीबीआई ने लंबी-चौड़ी रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट के बाद शिक्षा माफियाओं पर गाज गिरने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

पीएमटी परीक्षा 2009 के फर्जी डॉक्टर को 7 साल की जेल

- सॉल्वर की मदद से की थी परीक्षा पास

भोपाल। फिल्म मुन्नाभाई एमबीबीएस की तरह व्यापम महाघोटाले के जरिये फर्जीवाड़ा कर डॉक्टर बने 7 डॉक्टरो के मामले में सुनवाई पूरी होने पर विशेष न्यायालय (व्यापम केस भोपाल) ने एक आरोपी डॉक्टर को दोषी करार देते हुए 7 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 10-10 हजार रूपये के जुर्माने से दण्डित किये जाने को फैसला सुनाया है। अधिकारियो से मिली जानकारी के अनुसार व्यापम द्वारा आयोजित पीएमटी परीक्षा 2009 में सॉल्वर की मदद से परीक्षा पास कर एमबीबीएस करने संबंधी शिकायत एसटीएफ को मिली थी। जाँच में शिकायत सही पाये जाने पर सात डॉक्टरो, डॉक्टर प्रशांत मेश्राम पिता तेजराम मेश्राम निवासी खेरलांजी जिला बालाघाट, अजय टेगर पिता जेपी टेगर निवासी, बामोर जिला मुरैना, अनिल चौहान पिता धनसिंह चौहान निवासी, ग्राम पल्या, पोस्ट सोंदुल जिला बड़वानी, हरिकिशन जाटव पिता रामहेत जाटव निवासी, गंगाराम का पुरा बामोर जिला मुरैना, शिवशंकर प्रसाद पिता दयाशंकर प्रसाद निवासी, त्योंथर जिला रीवा, अमित बड़ौले पिता पन्नालाल बड़ौले निवासी, ग्राम फत्यापुर जिला बड़वानी और सुलवंत सिंह मौर्य पिता भरत सिंह मौर्य निवासी, 118 विवेकानंद कालोनी झाबुआ के खिलाफ अपराध क्रमांक 55/2022 धारा 419, 420, 467, 468, 471, 120बी सहित मप्र मान्यता प्राप्त परीक्षा अधिनियम की धारा में दर्ज कर विवेचना में लिया गया। जाँच के बाद साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपियो के खिलाफ न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया था। सुनवाई पूरी होने पर 22 मार्च 2024 को विशेष न्यायाधीश सी.बी.आई. (व्यापमं केस भोपाल) के न्यायधीश नीतिराज सिंह सिसोदिया की कोर्ट द्वारा साक्षियों के कथन एवं पाये गये तथ्यों के आधार पर सभी आरोपी को दोषी करार दिया गया। आरोपी जितेन्द्र टांक को 7-7 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 10-10 हजार रूपये के अर्थदंड से दण्डित किया गया है। प्रकरण की विवचेना निरीक्षक सुभाष दरश्यामकर थाना प्रभारी थाना एसटीएफ भोपाल द्वारा की गई एवं एसटीएफ की ओर से न्यायालय में विशेष लोक अभियोजक सुनील श्रीवास्तव द्वारा पैरवी की गई।

3.50 लाख छात्रों को नहीं मिली स्कॉलरशिप

भोपाल। मध्य प्रदेश के विभिन्न सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले लाखों छात्रों को स्कॉलरशिप का भुगतान नहीं हुआ है। छात्रों की स्कॉलरशिप के लिए जो बैंक खाते खोले गए हैं। उनमें मिलान नहीं होने की वजह से वर्ष 2023-24 की स्कॉलरशिप का भुगतान छात्रों को नहीं हो सका है। लोक शिक्षण संचालक के के द्विवेदी के अनुसार संभागीय संयुक्त संचालकों को और जिला शिक्षा अधिकारियों को बार-बार निर्देश जारी किए गए हैं। सभी को 24 मार्च तक छात्रों के बैंक खातों की जानकारी अपडेट करने के लिए कहा गया है। वही स्कूल के प्राचार्यों का कहना है कि अभी परीक्षा की तैयारी और परीक्षाएं हो रही हैं। ऐसी स्थिति में 24 मार्च तक खातों की जानकारी अपडेट करना संभव नहीं है। मध्य प्रदेश में करीब साढे तीन लाख छात्र-छात्राओं को स्कॉलरशिप का भुगतान नहीं हुआ है।

सामाजिक बोर्डों के सहारे मिशन 29 पर नजर

भोपाल। विधानसभा चुनाव में सामाजिक और जातीय समीकरणों को साधने के लिए प्रदेश सरकार ने विभिन्न बोर्ड का गठन किया था। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि इन बोर्डों के कारण विधानसभा चुनाव में भाजपा को बड़ा फायदा पहुंचा है। अब लोकसभा चुनाव में भी पार्टी इन बोर्डों से सामाजिक समीकरणों को साधेगी। यही वजह है कि प्रदेश सरकार ने इन बोर्डों को भंग नहीं किया है।

गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव से पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मप्र विश्वकर्मा कल्याण बोर्ड, मप्र रजक कल्याण बोर्ड, मप्र स्वर्णकला कल्याण बोर्ड, मप्र तेलघानी कल्याण बोर्ड, मप्र कुश कल्याण बोर्ड, मप्र वीर तेजाजी कल्याण बोर्ड, मप्र महाराणा प्रताप कल्याण बोर्ड, परशुराम कल्याण बोर्ड, जय मीनेश कल्याण बोर्ड, मां पूरी बाई कीर कल्याण बोर्ड, मप्र देवनारायण बोर्ड, सहरिया विकास प्राधिकरण, भारिया विकास प्राधिकरण और कोल जनजाति विकास प्राधिकरण का गठन किया था। पार्टी का मानना है की इससे इन समाजों के लोग भाजपा के साथ आ गए। इसका असर चुनाव परिणाम में भी दिखा और भाजपा ने बड़ी जीत दर्ज की। दरअसल, विधानसभा चुनाव से पूर्व विभिन्न समाजों ने अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। राजधानी में अलग-अलग समाजों के राज्य और राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन आयोजित गिए थे। अधिकतर सम्मेलनों में तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया था। इन सम्मेलनों में समाज की ओर से की गई चुनिंदा मांगे पूरी करने की घोषणा के साथ ही बड़े वोट बैंक को साधने के लिए आनन-फानन में अलग-अलग समाजों के 14 बोर्डों का गठन का ऐलान किया गया था। बोर्डों का गठन तो कर दिया गया, लेकिन इन बोर्डों के पास न तो कोई ऑफिस है और न ही अधिकारी-कर्मचारी। बोर्ड के अध्यक्षों को भी गाड़ी, बंगला आदि की सुविधा नहीं दी गई है। वे सिर्फ नाम के अध्यक्ष हैं। हालांकि विधानसभा चुनाव में भाजपा को इन बोर्डों के गठन का फायदा मिला। भाजपा 163 सीटें जीतकर पांचवीं बार सत्ता में आ गई। लोकसभा चुनाव में भी भाजपा समाजों को साधने पर पूरा फोकस कर रही है। हाल में छिंदवाड़ा में साहू समाज का बड़ा सम्मेलन आयोजित किया गया था।

14 बोर्ड से बड़े लक्ष्य पर नजर

शिवराज सरकार ने जो 14 बोर्ड गठित किए थे उसके सहारे भाजपा लोकसभा में बड़े लक्ष्य पर नजर बनाए हुए हैं। गौरतलब है कि मप्र सरकार पिछले महीने एक आदेश जारी कर 45 निगम, मंडल व प्राधिकरणों के अध्यक्ष और उपाध्यक्षों की नियुक्तियां निरस्त कर चुकी है। इन सभी अध्यक्ष-उपाध्यक्षों की नियुक्तियां शिवराज सरकार के समय हुई थीं। खास बात यह है कि निगम, मंडलों के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष तो हटा दिए गए, लेकिन तत्कालीन शिवराज सरकार में समाज के अलग-अलग वर्गों को साधने के लिए बनाए गए 14 बोर्डों को भंग नहीं किया गया है। सूत्रों का कहना है कि भाजपा बोर्डों को खत्म कर लोकसभा चुनाव में समाजों को नाराज करने का रिस्क नहीं लेना चाहती, यही वजह है कि इन बोर्डों को खत्म नहीं किया गया। हालांकि लोकसभा चुनाव के बाद इन बोर्डों को खत्म कर इनका नए सिरे से गठन पर विचार किया जाएगा। इसमें बोर्ड के अध्यक्षों व उपाध्यक्षों को पॉवरफुल बनाया जाएगा।

नौवीं व 11वीं की वार्षिक परीक्षा का परिणाम एक अप्रैल को घोषित होगा

भोपाल। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में नौवीं व 11वीं की वार्षिक परीक्षाएं 23 मार्च को समाप्त हो रही है। परीक्षा के ही दौरान उत्तरपुस्तिकाओं को जांचने का काम शुरू हो गया है। हर जिले में चार संकलन केंद्र बनाए गए हैं। यहां से उत्तरपुस्तिकाओं को एक संकुल से दूसरे संकुल के शिक्षकों मूल्यांकन के लिए दी जा रही है। मूल्यांकन कार्य 28 मार्च तक पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। नौवीं व 11वीं की उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआइ) ने निर्देश पुस्तिका जारी किए हैं।

इस बार नौवीं में सतत एवं व्यापक अधिगम तथा मूल्यांकन (सीसीएलई) के तहत 20 प्रतिशत अंक दिए जाने का निर्णय लिया गया है। सभी विषयों में सीसीएलई के तहत 20 प्रतिशत, पांच प्रतिशत तिमाही परीक्षा के अंकों का अधिभार और पांच प्रतिशत छमाही परीक्षा के अंकों का अधिभार शामिल है। इसके बाद वार्षिक परीक्षा के अंकों का अधिभार 70 प्रतिशत रहेगा। दोनों कक्षाओं का परिणाम एक अप्रैल को घोषित किया जाएगा। सभी संकुल प्राचार्यों को निर्देशित किया गया है कि पांच अप्रैल तक सभी प्राचार्य अपने स्कूल के परीक्षा परिणाम को विभर्श पोर्टल पर अपलोड करना होगा।

स्कूल शिक्षा विभाग
मध्य प्रदेश शासन

सीसीएलई नहीं

वहीं 11वीं के मूल्यांकन में सीसीएलई का किसी भी तरह का अधिभार नहीं होगा। इसमें तिमाही और अर्द्धवार्षिक परीक्षा का अधिभार पांच-पांच प्रतिशत होगा। इसके बाद 90 प्रतिशत वार्षिक परीक्षा का रहेगा। जिन विषयों में प्रायोगिक परीक्षाएं हैं, उनमें सैद्धांतिक और प्रायोगिक का 90-90 प्रतिशत रहेगा।इसके बाद इनके कुल अंकों का 90 प्रतिशत अधिभार दिया जाएगा।

स्कूलों के प्राचार्यों को निर्देशित किया गया है कि स्कूल में आयोजित तिमाही, छमाही के पांच-पांच प्रतिशत और सीसीएलई के 20 प्रतिशत अधिभार के अंक परीक्षाफल पत्रक में भरकर मूल्यांकन केंद्रों पर भेजना है।

दवाएं होंगी महंगी...

हर साल की तरह 1 अप्रैल में फिर बढ़ेंगे 8 से 10 प्रतिशत दाम

भोपाल। 1 अप्रैल से कई दवाओं की कीमत में लगभग 8 से 10 प्रतिशत बढ़ोतरी होने जा रही है, मगर दवा व्यापार से जुड़े संगठनों का कहना है कि बढ़ी हुई कीमतों का मरीजों की जेब पर असर जून माह में पड़ेगा, क्योंकि दवा उद्योग और व्यापार से जुड़े लोगों के पास 60 से 90 दिन का स्टाक रहता है।

ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के जनरल सेक्रेटरी राजीव सिंघल ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी 1 अप्रैल से दवाइयों की कीमत में लगभग 8 से 10 प्रतिशत की वृद्धि होने जा रही है। यानी 1 अप्रैल से अब जो भी नई दवाएं बनेंगी वह बढ़ी हुई कीमतें उन पर लागू होंगी। दवाइयों को बनाने वाले और दवा बाजार में होलसेल से लेकर छोटे व्यापारियों के पास 90 दिन से लेकर 45 दिन तक का पुराना स्टाक रहता है। इसलिए यह सारी दवाइयां मतलब 1 अप्रैल 2024 से पहले मैन्यूफैक्चर्ड दवाइयां खत्म होने तक पुरानी कीमतों में ही मिलेंगी।

यदि कोई 1 अप्रैल से महंगी दवा बेचता है तो शिकायत करें

यदि कोई भी दवा व्यापारी पुरानी दवाएं, जो 1 अप्रैल 2024 से पहले की बनी हैं, अगर उन्हें इस आने वाले 1 अप्रैल से बढ़ी हुई कीमतों पर बेचता है तो मरीज उपभोक्ता उनके या दवा बाजार व्यापार से जुड़े संगठन को ही नहीं, जिला प्रशासन को शिकायत कर सकता है। गौरतलब है कि हर साल की तरह इस साल भी 1 अप्रैल से लगभग 800 दवाओं की कीमतें बढने जा रही हैं। इन दवाओं की लिस्ट में पेनकिलर, एंटीबायोटिक और एंटीडेफेक्शन की दवाएं शामिल हैं।

किसी ने रोजगार तो किसी ने योजनाएं बंद नहीं करने की मांग की

महिलाओं और युवाओं ने दिए भाजपा संकल्प पत्र में सर्वाधिक सुझाव...

भोपाल। भाजपा अपना घोषणा पत्र आम लोगों से सुझाव लेकर तैयार कर रही है। इसके लिए जिला स्तर पर अभियान चलाया गया। कई जिलों से प्राप्त सुझावों को प्रदेश भाजपा को सौंप दिया गया है। बताया जा रहा है कि इसमें अधिकांश सुझाव महिलाओं ने दिए हैं, जिनमें सरकार की योजनाओं की तारीफ की गई है और उन्हें बंद नहीं करने की मांग की गई है। वहीं रोजगार संबंधी मुद्दे भी युवाओं की ओर से सुझाव के रूप में दिए गए हैं।

गौरतलब है कि घोषणा पत्र के सुझाव के लिए समिति बनाई गई थी। समिति के संयोजक बृजेंद्र प्रताप सिंह, सहसंयोजक पुष्पमित्र भार्गव तथा समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा एवं लोकसभा प्रभारी महेंद्रसिंह को सभी 29 सीटों से प्राप्त हुए सुझाव पत्र सौंपे। इसके लिए भाजपा ने एक अभियान चला रखा था। अब इन सुझावों की छंटनी दिल्ली में होगी और लोगों की भावनाओं के अनुरूप चुनिंदा सुझाव भाजपा के घोषणा पत्र में शामिल किए जाएंगे। अभियान को लेकर प्रत्येक वार्ड और प्रमुख स्थानों पर सुझावपेटी भी लगाई गई थी। इसके अलावा सोशल मीडिया के माध्यम से भी लोगों से सुझाव मांगे गए थे। इन सुझावों में अधिकांश महिलाओं ने लिखा है कि सरकार की योजनाओं ने महिलाओं के उत्थान में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इसलिए इन योजनाओं को बंद नहीं किया जाना चाहिए। कई महिलाओं ने तो लाड़ली लक्ष्मी योजना, स्ट्रीट वेंडर योजना की तारीफ भी की। हालांकि ये योजनाएं राज्य सरकार की हैं। संकल्प पत्र सुझाव समिति के सहसंयोजक एवं महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि लाखों की संख्या में प्रदेश के नागरिकों से मिले सुझाव के बाद संकल्प पत्र तैयार किया जा रहा है, जिसमें 2047 के विकसित भारत के साथ विकसित मध्यप्रदेश की झलक भी देखने को मिलेगी।

समाज के हर वर्ग ने सामने रखी विकसित भारत को लेकर अपनी सोच

प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि विभिन्न माध्यमों से हमें जो सुझाव मिले हैं, उनमें समाज के हर वर्ग के लोगों के सुझाव शामिल हैं। इसके लिए पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों ने समाज के विभिन्न वर्गों और अलग-अलग व्यवसायों में लगे विभिन्न व्यवसायिक समूहों से चर्चा की तथा विकसित भारत को लेकर उनके सुझाव एकत्रित किए गए। इसके अलावा पूरे प्रदेश में प्रमुख नागरिकों और प्रबुद्धजनों के सम्मेलन आयोजित किए गए। डॉक्टर्स, इंजीनियर्स, सोशल वर्कर्स, लॉयर्स, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स आदि के लिए अलग-अलग सम्मेलन हुए। इन सम्मेलनों में पार्टी नेताओं ने उपस्थित श्रोताओं से चर्चा करके उन्हें प्रधानमंत्री के विजन से अवगत कराया तथा विकसित भारत के बारे में उनसे भी सुझाव लिए गए। इन सभी सुझावों को आज केंद्रीय कार्यालय भेजा जा रहा है।

11वीं के मूल्यांकन में

आयुष्मान योजना में एक माह में 38000 मरीजों के क्लेम रिजेक्ट

भोपाल। आयुष्मान योजना में पात्र हितग्राहियों का पंजीयन होने के बाद भी आयुष्मान पोर्टल से उनके क्लेम रिजेक्ट किया जा रहे हैं।अस्पतालों में मरीजों से नगद पैसा वसूला जा रहा है। कई मरीज बिना इलाज के ही वापस लौटा दिए जाते हैं।

आयुष्मान भारत निरामय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले एक माह में 38 हजार क्लेम रिजेक्ट कर दिए गए हैं। इनमें 10 से 15 फीसदी मामले फिंगरप्रिंट नहीं मिलने के कारण रिजेक्ट हुए हैं।अन्य मामलों में अस्पताल द्वारा पूरी जानकारी पोर्टल को नहीं दी जाती है। जिसके कारण पोर्टल रिजेक्ट कर देता है। आयुष्मान योजना में फिंगरप्रिंट मिल जाने पर ही प्रकरण स्वीकार किया जाता है। बुजुर्गों, बर्न केस के मरीज, कैंसर के मरीजों का आमतौर पर फिंगरप्रिंट नहीं मिलता है। जिसके कारण उन मरीजों का इलाज भी नहीं हो पा रहा है।

पिछले एक माह में इंदौर के 3548, ग्वालियर के 7873, जबलपुर के 9600, रीवा के करीब 8600, भोपाल के लगभग 2900, दतिया के 3421 तथा रतलाम के लगभग 900 क्लेम रिजेक्ट किए गए हैं।

मरीजों से वसूले जाते हैं 30 से 50000

आयुष्मान योजना के पात्र मरीजों का आयुष्मान पोर्टल से जब प्रकरण रिजेक्ट कर दिया जाता है। तब अस्पताल वाले मरीजों से नगद पैसा जमा कराकर ही इलाज करते हैं। आयुष्मान योजना के हितग्राहियों से अस्पताल 30 से लेकर 50000 रुपये वसूल कर रहे हैं। आयुष्मान योजना का लाभ गरीबों को नहीं मिल पा रहा है। आयुष्मान योजना भी चुनावी जुमला साबित होने लगी है।

देश में घोटा जा रहा है लोकतंत्र का गला

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने केंद्र सरकार पर बोला हमला

भोपाल। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने शुक्रवार को मीडिया को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार और भाजपा पर जमकर हमला बोला। पूर्व सीएम ने कहा कि देश में लोकतंत्र का गला घोटा जा रहा है। देश में अघोषित आपातकाल है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अकाउंट फ्रीज किए गए ताकि कांग्रेस चुनाव न लड़ पाए। कांग्रेस पंफलेट न छाप पाए। कांग्रेस के प्रत्याशियों को पैसा ना दे पाए। पूर्व सीएम ने कहा कि अन्य किसी पार्टी को इनकम टैक्स नहीं देना है। सिर्फ कांग्रेस पार्टी से इनकम टैक्स लेने का प्रावधान हुआ है। पूर्व सीएम ने इलेक्टोरल बांड को लेकर भाजपा पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी की गारंटी हफ्ता वसूली है। चंदा दो धंधा लो। कोविड में नकली दवाई बनाने वालों से भी चंदा लेकर उन्हें छोड़ा गया।

दिग्विजय सिंह ने कहा- लोग तुलना करते हैं 70 की इमरजेंसी और अब के हालात की। वह इमरजेंसी लागू की गई थी अंडर एक्ट यानी कानून के अंतर्गत थी। यह इमरजेंसी तो असंवैधानिक इमरजेंसी है, जिसके माध्यम से ईडी, सीबीआई को कहा जाता है कि फलाने आदमी के पास जाकर उसका गला घोंटो। उसके बाद वसूली करो, इसलिए इनका मुकाबला नहीं किया जा सकता। कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ने पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि भय और लालच दोनों के मिश्रण के कारण भाजपा में जा रहे हैं। जिनको पार्टी ने सब कुछ मिला वह पार्टी छोड़कर जा रहे हैं।

ईवीएम से छेड़छाड़ करने वाले जल्द पकड़े जाएंगे

ईवीएम को लेकर पूछे सवाल पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि मशीन में छेड़छाड़ करने वाले पकड़ जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम इसके काफी करीब पहुंच गए हैं। जिस दिन हम पहुंच जाएंगे। उसी दिन देशद्रोह के आरोप में उनको फांसी दी जाएगी। धार की भोजशाला में एएसआई के सर्वे पर दिग्विजय सिंह ने कहा हर चुनाव में यह लोग हिंदू मुसलमान करते हैं उनको अभी ही सर्वे करने की बात सूझी है बात यह है कि देश में नियम और कानून और संविधान का पालन होना चाहिए इसका पालन करने की जवाबदारी हम सब की होती है जो किसी न किसी पद पर संविधान की शपथ लेते हैं चाहे न्यायपालिका हो या कार्यपालिका हो या अफसर हो संविधान का मतलब होता है कि संविधान में बताए हुए आर्टिकल्स के माध्यम से जो नियम और नियम कानून बनाए जाते हैं उसका पालन किया जाए क्या उसका पालन हो रहा है?

भोपाल में केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन

भोपाल। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भोपाल में बीजेपी ऑफिस के पास प्रदर्शन किया। आप के कार्यकर्ताओं ने कहा केन्द्र की मोदी सरकार एक चुनी हुई सरकार और मुख्यमंत्री को परेशान कर रही है। बीजेपी लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश कर रही है।

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ मध्यप्रदेश में आम आदमी पार्टी ने प्रदर्शन किया। भोपाल में शुक्रवार को कार्यकर्ताओं ने बीजेपी ऑफिस के सामने नारेबाजी की। वहीं, प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर भी कार्यकर्ताओं ने विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस नेताओं ने भी गिरफ्तारी को अलोकतांत्रिक कार्यवाही बताया। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह कहा- यह पूरे तरीके से विपक्ष को दबाने की कोशिश है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने ट्वीट किया- कांग्रेस इस अलोकतांत्रिक कार्यवाही का विरोध करती है। दरअसल, दूसरी ओर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पलटवार कर कहा कि केजरीवाल को पद का मद है। मुख्यमंत्री के रूप में जेल जाना बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है। आम आदमी पार्टी की महिला विंग की अध्यक्ष डॉ. परमिंदर कौर ने कहा- अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में हम लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। जैसे ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग करके बीजेपी चुनी हुई सरकारों के मुख्यमंत्री को जेल में डाल रही है।

आज होगा केकेआर और सनराइजर्स का मुकाबला

कोलकाता । आईपीएल के 17 वें सत्र में शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। दोनो ही टीमें इस मैच को जीतकर अपने अभियान की अच्छी शुरुआत करना चाहेंगी। इस मैच में आईपीएल इतिहास के दो सबसे महंगे खिलाड़ियों के बीच होने वाली भिड़त देखने को मिलेगी। सबसे महंगे मिशेल स्टार्क जहां केकेआर की ओर से उतरेंगे। वहीं पैट कमिंस सनराइजर्स की कप्तानी करेंगे। ये दोनो ही ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अपनी तेज गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में दोनो ही टीमों के बल्लेबाजों की भी कड़ी परीक्षा होगी। इसके अलावा चोट से वापसी कर रहे केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर पर भी सबकी नजरें रहेंगे। श्रेयस इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर लय हासिल करना चाहेंगे।

कमर की चोट के कारण पिछले आईपीएल से बाहर रहे श्रेयस केकेआर की कप्तानी करेंगे। उन्होंने हाल ही में

रणजी ट्रॉफी में मुंबई की ओर से अच्छी बल्लेबाजी की थी पर पर फिटनेस को लेकर वह परेशान रहे थे। अब देखना होगा कि वह किस प्रकार पूरे सत्र में खेलते हैं। केकेआर को इस सत्र में मेंटोर के तौर पर मिले गौतम गंभीर के अनुभवों से काफी लाभ होगा। गंभीर की कप्तानी में ही केकेआर ने दो बार खिताब जीता था। अब मेंटोर के रूप में गंभीर की ये दूसरी पारी है। घरेलू सर्किट में दिग्गज मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित के साथ मिलकर उनका लक्ष्य टीम को जीत दिलाना रहेगा।

टीम के पास इस बार स्टार्क जैसा तूफानी तेज गेंदबाज है। उसे केकेआर ने 24 करोड़ 75 लाख रुपए में खरीदा है। ऐसे में अब इस तेज गेंदबाज पर अच्छे प्रदर्शन का काफी दबाव होगा। पावरप्ले और डैथ ओवरों में उनके स्पैल निर्णायक साबित हो सकते हैं।

इसके अलावा केकेआर के पास स्टार्क और आंद्रे रसेल जैसे दो अनुभवी तेज गेंदबाज है और उनकी जगह लेने के लिए उनके जैसा कोई विकल्प नहीं है लिहाजा कार्यभार प्रबंधन में सावधानी बरतनी होगी। केकेआर के पास बल्लेबाजी में अय्यर के अलावा रिंकू सिंह, रसेल, रहमानुल्लाह गुरबाज, फिल साल्ट और वेंकटेश अय्यर जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं स्पिन गेंदबाजी की कमान सुनील नारायण, वरूण चक्रवर्ती और सुयश शर्मा पर रहेगी।

वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स की कप्तानी ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान कमिंस के हाथ में होगी जिन्हें 20 करोड़ 50 लाख रूपये में खरीदा गया है। वह आईपीएल के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी हैं और पिछले तीन सत्र में आखिरी स्थान पर रही सनराइजर्स की किस्मत बदलने की जिम्मेदारी उन पर होगी। कमिंस के पास कप्तानी का अच्छा अनुभव है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम को हाल में में विश्वकप सहित कई और मुकाबलों में भी जीत दिलायी थी। सनराइजर्स के पास ट्रेविस हेड और हेनरिच क्लासेन जैसे बल्लेबाज हैं जबकि गेंदबाजी में कमिंस के अलावाके डैथ ओवरों के विशेषज्ञ भुवनेश्वर कुमार भी होंगे। स्पिन की जिम्मेदारी श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा और वॉशिंगटन सुंदर जिम्मा संभालेंगे।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह 11

कोलकाता नाइट राइडर्स- श्रेयस अय्यर (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), वेंकटेश अय्यर, नितिश राणा, आरके सिंह, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, मिशेल स्टार्क, सुयश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, हरषित राणा

सनराइजर्स हैदराबाद- पैट कमिंस (कप्तान), ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, राहुल त्रिपाठी, एडम मारक्रम, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), अब्दुल समद, वाशिंगटन सुंदर, शहबाज अहमद, बुवनेश्वर कुमार, उमरान मलिक

आईपीएल से खेल में वापसी पर बेहद खुश हैं ऋषभ

नई दिल्ली। आक्रामक विकेट कीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत खेल में वापसी को लेकर बेहद खुश हैं। ऋषभ आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान हैं। वह कार हादसे के 14 महीने बाद मैदान पर लौटे हैं। उन्होंने वापसी पर कहा कि वह खुश हैं कि वह भयानक हादसे के बाद भी जीवित हैं और इस पल का आनंद ले रहे हैं। वह दिसंबर 2022 में एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गये थे। इसके बाद लंबे समय तक वह बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैब के दौर से गुजरे। कार दुर्घटना के बाद खेल में वापसी पर इस क्रिकेटर ने कहा कि वह बता नहीं सकते कि उस भावना को बता वर्णन नहीं कर सकते जब उन्होंने हादसे से उबरकर पहली बार बल्ला पकड़ा था।

शुरुआत में मैं बैसाखी का उपयोग करके चल रहा था, फिर मुझे इसकी आवश्यकता नहीं थी। फिर मैंने चलना शुरू किया, फिर जॉगिंग शुरू की और फिर दौड़ना। फिर बल्लेबाजी और फिर विकेटकीपिंग। मुझे वे विशेष तारीखें याद नहीं हैं पर निश्चित रूप से उन पलों को याद करता हूं। दुर्घटना के बाद जब मैंने पहली बार बल्ला पकड़ा तो मैं उस अहसास का वर्णन नहीं कर सकता। यह आश्चर्यजनक था। आप किसी चीज के कारण मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। वह अहसास कुछ ऐसा ही था। मुझे नहीं लगा कि मैं पहली बार खेल रहा हूं, लेकिन ऐसा भी नहीं लग रहा था कि मैं पहले खेल चुका हूं। एक अलग तरह की ऊर्जा और अहसास था।

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें दिल्ली कैपिटल्स में लौटने पर कोई दबाव महसूस होता है, तो उन्होंने कहा कि पहली भावना यह है कि मैं खुश हूं कि मैं जीवित हूं। यदि आप जीवित नहीं हैं, तो आप किसी और चीज के बारे में सोच भी कैसे सकते हैं। प्रवाह के साथ रहना और इन क्षणों का आनंद लेना जरूरी है। इस क्रिकेटर ने कहा कि जब सफर इतना लंबा हो तो निराशा तो होती ही है। हम मंजिल की तलाश में रहते हैं। आपको सफर का मजा लेना चाहिए।

सीएसके में ही सीखा सफलता का मंत्र - रुतुराज

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के नये कप्तान बने रुतुराज गायकवाड़ ने कहा है कि उन्होंने इस टीम में रहते ही सीखा है कि किस प्रकार सफलता हासिल की जाती है। रुतुराज ने कहा कि पूर्व सीएसके कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का मैदान पर होना ही एक अहम बात है। वह टीम के लिए एक रीढ़ की हड्डी की तरह हैं। इसके अलावा टीम में रविन्द्र जडेजा और आजिंक्य रहाणे जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। इसलिए वह टीम में किसी प्रकार का भी बदलाव नहीं चाहते हैं।

उन्होंने कप्तानी मिलने पर कहा, पहले दिन से ही, मुझे यह पसंद आया कि यह फ्रेंचाइजी कैसे चलती है, मुझे पता चला कि सफलता का मंत्र क्या है और मैं

, इसलिए मैं ऐसा नहीं सोचता कि मुझे कुछ भी बदलने की जरूरत है, बस खिलाड़ियों को वह आजादी देनी है जो वे चाहते हैं। मुझे लगता है कि सब कुछ ठीक होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि आईपीएल के पिछले सत्र के दौरान ही धोनी ने उन्हें आईपीएल के 17वें सत्र में कप्तानी संभालने के बारे में संकेत दिया था। गायकवाड़ ने कहा, आप जानते हैं कि पिछले साल ही माही भाई ने कप्तानी के बारे में संकेत दिया था। बस संकेत दिया था कि तैयार रहें और यह आपके लिए हैरानी की बात नहीं होनी चाहिए।

इसमें थोड़ा भी बदलाव करना पसंद नहीं करता। मेरे लिए मैदान पर धोनी जैसे अनुभवी का होना बहुत बड़ी बात है। मेरी टीम में जड़ेजा और रहाणे जैसे खिलाड़ी हैं

घरेलू क्रिकेट में ये बदलाव करे बीसीसीआई- गावस्कर

मुम्बई। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से घरेलू क्रिकेट में कुछ बदलाव करते हुए राज्य संघों को अनुबंध का अधिकार देने को कहा है। गावस्कर ने कहा कि, अगर राज्य संघ के पास अनुबंध का अधिकार तो उसके खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। ऐसा नहीं करने पर राज्य संघ उसे आईपीएल के लिए जरुरी नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट रोक सकते हैं। साथ ही कहा कि रणजी ट्रॉफी खेलने के लिए वेतन को भी एक स्लैब सिस्टम के तहत ही बढ़ाया जाना चाहिए।

इससे पहले बीसीसीआई ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेटरों के लिए टेस्ट क्रिकेट इंसेंटिव स्कीम पेश की थी। वहीं गावस्कर अब चाहते हैं कि घरेलू खिलाड़ियों के पैकेज में भी आईपीएल की तरह ही बढ़ोतरी की जाये। साथ ही बीसीसीआई की तरह राज्यों के क्रिकेट संघ के पास भी केन्द्रीय अनुबंध होना चाहिये। इससे फिट होने वाले खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य रहेगा।

साथ ही कहा कि खिलाड़ियों को घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट के लिए प्रोत्साहित करने के लिए शेड्यूल में बदलाव की आवाश्यता है। गावस्कर का माना है कि खिलाड़ियों के लिए मिनिमल फाइनेंसियल रिटर्न की गारंटी के लिए घरेलू अनुबंध प्रणाली लागू की जानी चाहिए। ये उस बढ़े हुए रेमुनरेशन पैकेज के अतिरिक्त होगा, जिस पर बोर्ड काम कर रहा है।

सीएसके की टीम में शामिल हैं न्यूजीलैंड के चार खिलाड़ी

ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका व वेस्टइंडीज का एक भी खिलाड़ी नहीं

चेन्नई। पांच बार की आईपीएल विजेता चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) में सबसे ज्यादा विदेशी खिलाड़ी न्यूजीलैंड के हैं। इसके अलावा इसमें श्रीलंका, बांग्लादेश और इंग्लैंड के भी कुछ खिलाड़ी हैं पर ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका व वेस्टइंडीज का एक भी खिलाड़ी नहीं है। इसके बाद भी सीएसके एक ऐसी टीम है जिससे विरोधी टीम को खतरा महसूस होता है। सीएसके की टीम में कुल 8 विदेशी खिलाड़ी हैं, जिनमें 4 न्यूजीलैंड के हैं। ये 4 खिलाड़ी हैं डेवोन कॉनवे, रचिन रवींद्र, डेरिल मिचेल और मिचेल सेंटनर। शुक्रवार को जब सीएसके अपना पहला मैच खेलने उतरेगी तो इनमें से तीन खिलाड़ी ही अंतिम ग्यारह में खेलेंगे।

सीएसके की टीम में अन्य चार विदेशी क्रिकेटर श्रीलंका, बांग्लादेश और इंग्लैंड के हैं। सीएसके की टीम में दो खिलाड़ी माथीशा पथिराना और महेश तीक्षणा श्रीलंका के हैं। इसके अलावा इंग्लैंड के मोईन अली और बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान भी चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम में हैं। वहीं आईपीएल की अन्य सभी 9 टीमों में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज या अफगानिस्तान के खिलाड़ी शामिल हैं।

चेन्नई सुपरकिंग्स टीम - महेन्द्र सिंह धोनी, शिवम दूबे, ऋतुराज गायकवाड़, रवींद्र जडेजा, अजिंक्य रहाणे, समीर रिजवी, शार्दुल ठाकुर, दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, अजय मंडल, मुकेश चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, शेख रशीद, सिमरजीत सिंह, निशांत सिंधु, प्रशांत सोलंकी, अवनीश राव अरावली (सभी भारतीय), डेवोन कॉनवे, रचिन रवींद्र, डेरिल मिचेल, मिचेल सेंटनर (न्यूजीलैंड), मथीशा पथिराना, महेश तीक्षणा (श्रीलंका) और मुस्तफिजुर रहमान (बांग्लादेश)।

ऋषभ पहले की तरह ही शॉट लगा रहे - पोंटिंग

नई दिल्ली। आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने इसपर खुशी जताई है कि कप्तान ऋषभ पंत पहले की तरह ही सभी प्रकार के शॉट लगा रहे हैं। पोंटिंग के अनुसार ऋषभ ने कार हादसे से उबरने के बाद जिस प्रकार से आईपीएल से मैदान पर वापसी की है जिससे टीम भी उत्साहित है। साथ ही कहा कि वह पहले की तरह ही सभी प्रकार के शॉट खेल रहे रहे हैं जिन्हें वह पहले खेला करते थे। उन्होंने सर्जरी के बाद अपने शरीर को फिट करने के लिए अतिरिक्त प्रयास भी किये हैं। वह कार हादसे के कारण ही गत वर्ष आईपीएल से बाहर थे। पोंटिंग ने कहा, 'वह पूर्व में आईपीएल से पहले जितनी बल्लेबाजी करता था उसकी तुलना में उसने पिछले सत्राह काफी अधिक बल्लेबाजी की जिससे वह लय हासिल कर सके। इसके जरिये वह फिर से अपने शरीर को खेल के अनुरुप ढालना चाहता है। वह कभी हार नहीं मानने वाला खिलाड़ी है और सबसे अहम बात यह है कि उसके चेहरे पर मुस्कान है जिसे हम सभी देखना पसंद करते हैं।'दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी ने फिटटेस टेस्ट में पास होने पर ऋषभ को दोबारा कप्तान बनाने की घोषणा की थी। पिछले सत्र में उनके नहीं खेलने से दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी डेविड वॉर्नर ने की थी।

आईपीएल 2024 में धोनी और रोहित का युग समाप्त हुआ

मुम्बई। आईपीएल 2024 सत्र के साथ ही दो महान कप्तानों का युग समाप्त हो गया। दोनो ही पांच-पांच बार आईपीएल ट्रॉफी अपनी टीम को जिताया है। जहां मुम्बई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा को हटाया गया है। वहीं चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की कप्तानी महेन्द्र सिंह धोनी ने स्वयं ही छोड़ दी। मुम्बई ने जहां रोहित की जगह हार्दिक पंड्या को नया कप्तान बनाया है। वहीं सीएसके ने युवा ऋतुराज गायकवाड़ को ये जिम्मेदारी सौंपी है।

रोहित की कप्तानी में मुम्बई ने 2013 से 2023 तक 5 बार खिताब दिलाया है। वहीं धोनी ने पहले सीजन से 2023 तक चेन्नई सुपर किंग्स को 5 बार चैम्पियन बनाया है। सीएसके टीम ने यह सभी खिताब 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 सीजन में जीते हैं।।

मुंबई फ्रेंचाइजी ने ट्रेड के जरिए पंड्या को अपनी टीम में शामिल किया और कप्तानी सौंप दी। दूसरी ओर चेन्नई टीम ने 2019 में गायकवाड़ को खरीदा था। तब से ही वह सीएसके के लिए ही खेल रहे हैं। गायकवाड़ चेन्नई टीम के चौथे कप्तान होंगे। इससे पहले धोनी, रविन्द्र जडेजा और रैना भी कप्तानी कर

चुके हैं। रोहित ने 2013 से 2023 तक अपनी कप्तानी में मुंबई टीम को 5 बार (2013, 2015, 2017, 2019 और 2020) खिताब जिताया है। रोहित ने इस दौरान मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में 158 मैचों में कप्तानी की। जिसमें मुंबई टीम को 87 मुकाबलों में जीत मिली जबकि 67 मैचों में उसे हार झेलनी पड़ी। इस दौरान 4 मैच टाई रहे। धोनी की कप्तानी में चेन्नई टीम ने आईपीएल इतिहास में अब तक 12 बार प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया है। इस दौरान सीएसके टीम ने 10 बार फाइनल खेला, जिसमें से टीम 5 बार खिताब जीतने में सफल रही।

द हंड्रेड ड्राफ्ट में वेस्टइंडीज के क्रिकेटरों की रही भारी मांग

लंदन। द हंड्रेड ड्राफ्ट में वेस्टइंडीज के क्रिकेटरों की भारी मांग रही है। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेर निकोलस पूरन को सभी टीम अपने साथ जोड़ने के लिए जमकर बोली लगा रही थीं। वहीं पाकिस्तान के बाबर आजम, डेविड वार्नर और भारतीय महिला क्रिकेटर हरमनप्रीत कौर को इस ड्राफ्ट में जगह नहीं मिली। पूरन को नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स ने पहले ही राउंड में अपने साथ जोड़ लिया। इसके अलावा वेस्टइंडीज के ही आंद्रे रसेल और शिम्रोन हेटमायर को लंदन स्पिरिट ने शामिल किया।

इसके अलावा रोवमैन पॉवेल और कीरोन पोलार्ड को भी पहले दौर में शामिल किया गया। उन्हें ट्रेंट रॉकेट्स और सदर्न ब्रेव ने लिया था। सभी खिलाड़ियों को 125,000 पाउंड में खरीदा गया था। पहले दौर के दौरान कई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों को ड्राफ्ट नहीं मिला। इंग्लैंड के जेसन रॉय को भी कोई खरीदार नहीं मिला, जबकि मार्क वुड के साथ भी यही हुआ।

टिम डेविड और वार्नर बड़े ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को भी

इसके जगह नहीं मिली। भारत की हरमनप्रीत, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा को भी किसी टीम में जगह नहीं मिली। पाकिस्तान के बाबर और मोहम्मद रिजवान को कोई खरीदार नहीं मिला जबकि नसीम शाह बर्मिंघम फीनिक्स के लिए पहले दौर में चुने गए थे। स्मृति मंधाना और ऋचा घोष को क्रमशः सदर्न ब्रेव और बर्मिंघम फीनिक्स ने शामिल किया। टीमें वाइल्डकार्ड प्रविष्टियों के रूप में दो और घरेलू खिलाड़ियों को जोड़ सकती हैं। हंड्रेड का नया सीजन 23 जुलाई को शुरू होगा।

पुरुष टीम - सैम कुरेन, टॉम कुरेन, विल जैक, एडम ज़म्पा, जॉर्डन कॉक्स, गस एटकिंसन, सैम बिलिंग्स, साकिब महमूद, स्पेंसर जॉनसन, डेविड मालन, नाथन सॉटर, डोनोवन फरेरा, टॉम लैमोनबी, तवांडा मुयेये

महिला टीम - चमारी अथापथु, मारिज़ैन कप्प, ऐलिस कैप्सी, लॉरेन विनफील्ड-हिल, अमांडा-जेड वेलिंगटन, दैश फ़ारंट, मैडी विलियर्स, पेगे स्कोल्फील्ड, सोफिया स्माले, रियाना मैकडोनाल्ड-गे, जो गार्डनर, लिज़ी स्कॉट, जॉर्जी बॉयस

साउथन ब्रेव

पुरुष टीम- जोफा आर्चर, कीरोन पोलार्ड, जेम्स विंस, क्रिस जॉर्डन, टाइमल मिल्स, लॉरी इवांस, ल्यूस डू प्लॉय, अकील होसेन, रेहान अहमद, क्रेग ओवरटन, फिन एलन, डैनी ब्रिग्स, जॉर्ज गार्टन, एलेक्स डेविस

महिला टीम - स्मृति मंधाना, डैनी व्याट, क्लो ट्रायॉन, लॉरेन बेल, माइया बाउचियर, फ्रेया केम्प, नाओमी दत्तानी, जॉर्जिया एडम्स, लॉरेन चीटल, कालिया मूर, टिली कॉर्टीन-कोलमैन, रियाना साउथबी, मैरी टेलर

साउथन सुपरचार्जर

पुरुष टीम - बेन स्टोक्स, निकोलस पूरन, आदिल राशिद, हैरी ब्रूक, रीस टॉपले, डैनियल सैम्स, मैथ्यू शॉर्ट, ब्रायडन कार्स, एडम होज़, टॉम लॉज़, मैथ्यू पॉट्स, ग्राहम क्लार्क, कैलम पार्किंसन, ओली रॉबिन्सन

धोनी और जडेजा के होने से मेरे लिए कप्तानी करना आसान होगा - रुतुराज

नई दिल्ली। महेंद्र सिंह धोनी के कप्तानी छोड़ने के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के नये कप्तान बने सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ इससे बेहद उत्साहित हैं। गायकवाड़ आईपीएल में पहली बार कप्तान के तौर पर खेलते हुए नजर आएंगे। कप्तान बनने के बाद रुतुराज ने कहा कि उन्हें बहुत बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है पर उनका मानना है कि टीम में महेंद्र सिंह धोनी और रविंद्र जडेजा जैसे खिलाड़ियों के मार्गदर्शन से उनका काम आसान हो जाएगा।

गायकवाड़ ने सोशल मीडिया पर डाले गए वीडियो में कहा,'यह बड़ा सम्मान है। इससे भी बढ़कर यह बड़ी जिम्मेदारी है पर जिस प्रकार हमारी टीम है उसे देखते हुए मैं वास्तव में उत्साहित हूं। हर कोई अनुभवी है और मेरी सहायता के लिए तैयार है , इसलिए मेरे लिए काम करने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है।' गायकवाड़ की सहायता के लिए धोनी हमेशा ही उपस्थित रहेंगे। उनके अलावा उन्हें जडेजा और अजिंक्य रहाणे से भी मदद मिलेगी। रुतुराज ने कहा,'इसके अलावा माही भाई टीम में है। जडेजा और रहाणे भी मेरे मार्गदर्शन के लिए टीम में हैं। इसलिए मुझे चिंता करने की जरूरत नहीं है। मैं इस नई भूमिका का आनंद लेने के लिए उत्साहित हूं।'

गायकवाड़ सीएसके की ओर से अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। वह साल 2020 से ही सीएसके के साथ हैं। गायकवाड़ ने अभी तक 52 आईपीएल मैच खेलकर 1797 रन बनाए हैं। उनके नाम आईपीएल में एक शतक और 14 अर्धशतक हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 101 रन रहा है।

बीसीसीआई चयनकर्ता बनने की दौड़ में शामिल हैं रात्रा, निखिल चोपड़ा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के नये चयनकर्ता बनने की दौड़ में पूर्व पूर्व विकेटकीपर अजय रात्रा के अलावा निखिल चोपड़ा, अनुभवी बल्लेबाज मिथुन मन्हास और जूनियर क्रिकेट टीम के चयनकर्ता कृष्ण मोहन शामिल हैं। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने चयनकर्ता पद के लिए आवेदन मंगाये थे। अभी समिति में पश्चिम क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सलिल अंकोला और चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर ही हैं। अब उत्तर क्षेत्र के प्रतिनिधि के लिए अंकोला को अपना पद छोड़ना पड़ सकता है। गौरतलब है कि चेतन शर्मा के इस्तीफे के बाद से ही चयन समिति में उत्तर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व समाप्त हो गया था। वहीं पंजाब के पूर्व क्रिकेटर और सितंबर 2021 से जूनियर चयन समिति के सदस्य बने कृष्ण मोहन ने भी सीनियर चयन समिति का सदस्य बनने के लिए आवेदन किया है। आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 25 जनवरी थी पर आईपीएल शुरू होने के कारण बोर्ड के पास यह पद भरने के लिए अभी काफी समय है। बीसीसीआई की ओर से कहा गया,'चयनकर्ता बनने की दौड़ में कुछ मजबूत उम्मीदवार शामिल हैं। इनमें मिथुन, चोपड़ा और मोहन भी शामिल हैं।' इसमें से मन्हास ने अपने करियर में 157 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं और वह 2010 से लेकर 2014 तक आईपीएल का हिस्सा भी रहे हैं। वहीं निखिल ने भारत की तरफ से एक टेस्ट और 39 एकदिवसीय डे मैच खेले हैं। चयनकर्ता बनने के लिए उम्मीदवार को कम सात टेस्ट या 30 प्रथम श्रेणी मैच खेलने का अनुभव होना चाहिये। उसके अलावा वह खिलाड़ी भी आवेदन कर सकता है जिसने कम से कम 10 एकदिवसीय या 20 प्रथम श्रेणी मैच खेले हों।

डिविलियर्स का इस कारण है ऋषभ से विशेष जुड़ाव

मुम्बई। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर एबी डिविलियर्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की वापसी को लेकर उत्साहित हैं। ऋषभ इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान के तौर पर उतरेंगे। ऋषभ कार हादसे के करीब 14 महीने के बाद खेल में वापसी कर रहे हैं। डिविलियर्स ने एक वीडियो में कहा, दिल्ली के बेटे को भारत और दुनिया भर के हजारों लोग फिर से खेलते हुए देखेंगे और मैं भी उसे वापस पाकर बहुत खुश हूं। डिविलियर्स 17 नंबर की जर्सी पहनते थे और यही नंबर ऋषभ का भी है। डिविलियर्स ने कहा कि इसी कारण उनका इस बल्लेबाज से विशेष जुड़ाव है। इस बल्लेबाज ने एकमात्र आईपीएल शतक 2018 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लगाया था। उन्होंने 63 गेंदों में नाबाद 128 रन बनाए थे। डिविलियर्स को उम्मीद है कि वह युवा खिलाड़ी को आईपीएल 2024 में कई शतक लगाते हुए देखेंगे। डिविलियर्स ने कहा, उसकी पीठ पर नंबर 17 है, मेरी पीठ पर 17 हुआ करता था। इसमें थोड़ी सी केमिस्ट्री है, और मुझे इस लड़के को खेलते हुए देखना बहुत पसंद है। उसने आईपीएल में शतक बनाया, शायद यह नंबर दो, तीन या शायद सीजन का चार भी होगा। पिछले साल पंत की अनुपस्थिति में डेविड वार्नर ने दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व किया था। फ्रैंचाइजी 10-टीम टूर्नामेंट में नौवें स्थान पर रही, अपने 14 मैचों में से पांच में जीत और नौ में हार का सामना किया। इस साल वह वापस आ रहे हैं और दिल्ली के प्रशंसक भी इससे बेहद उत्साहित हैं।

राहुल के पास आईपीएल से टी20 विश्वकप में जगह बनाने का अवसर - लैंगर

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जाइंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने कहा है कि अगर राहुल आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करते हैं और टीम को जीते दिलाते हैं तो आगामी टी20 विश्वकप में उन्हें जगह मिलना तय है। राहुल चोटिल होने के कारण पिछले कुछ समय से टीम से बाहर हैं। ऐसे में टी20 टीम में चयन के लिए उन्हें आईपीएल में अच्छी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग करनी होगी।

राहुल टीम के कप्तान भी हैं, ऐसे में उनके ऊपर काफी जिम्मेदारियां भी हैं जिसको देखते हुए उनपर दबाव भी रहेगा ऐसे में बेहतर प्रदर्शन आसान नहीं होगा। इसपर लैंगर ने कहा कि यह कठिन नहीं है। उन्होंने कहा, 'अगर टीम अच्छा करती है तो हर किसी को लाभ होता है। केएल अगर लखनऊ टीम को आईपीएल खिताब दिलाते हैं तो इसका मतलब होगा कि उन्होंने अच्छी कप्तानी, अच्छी बल्लेबाजी और अच्छी विकेटकीपिंग की है।

राहुल के अलावा लखनऊ के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई भी टी20 विश्वकप के लिए दौड़ में हैं। लैंगर ने कहा, 'राहुल या बिश्नोई भी लिए साफ संदेश है कि लखनऊ टीम के लिए अच्छा खेलने पर ध्यान दें इससे टी20 विश्व कप टीम में जगह हासिल करना आसान होगा। वहीं लखनऊ टीम के पूर्व मेंटोर गौतम गंभीर अब केकेआर से जुड़ गए हैं। यह पूछने पर कि क्या टूर्नामेंट के दौरान उनसे मतभेद हो सकते हैं। इसपर लैंगर ने कहा कि वह टीम के लिये गंभीर के योगदान को जानते हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे बीच कोई मतभेद नहीं होंगे। उनके टीम छोड़ने से मैं दुखी हूं पर वह केकेआर का असली नायक है। हम दोनों अच्छे दोस्त भी रहे हैं।

ओलावृष्टि से प्रभावित फसल का सर्वे करने पंहुचे विधायक

नांदी कटंगी (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट जिले में असमायिक वर्षा और ओलावृष्टि के कारण कटंगी विधानसभा क्षेत्र के कई गाँवों के किसान प्रभावित हो गए हैं। इस आपदा के समय में क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी ने प्रभावित गाँवों का दौरा किया और फसल क्षति का निरीक्षण किया। उन्होंने गेहूं, चना, सरसों और अन्य रबी की फसलों पर हुए नुकसान का आंकलन किया है। इस आपदा के समय में, विधायक ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर किसानों की फसलों के उचित मूल्यांकन के लिए जांच दल गठित करने का प्रस्ताव रखा है। इसके साथ ही, उन्होंने विशेष

रूप से यह भी ध्यान में रखा है कि किसानों को जल्द राहत प्रदान की जाए। फसलों को हुए नुकसान का जायजा लेकर कटंगी विधायक ने मौके पर मौजूद राजस्व एवं कृषि अधिकारियों को तत्काल प्रभावित क्षेत्रों में सर्वे करनें के निर्देश दिये। उन्होंनें अधिकारियों को निर्देश दिये कि किसानों के साथ खेतों में जाकर फसलों को हुए नुकसान का सर्वे कर क्षति का आंकलन कर शासन को रिपोर्ट भेजें। सर्वे में पारदर्शिता बरती जाये। कोई भी प्रभावित किसान ग्रामीण सर्वे में छूटना नहीं चाहियें। कटंगी विधायक नें तेज हवाओं से क्षतिग्रस्त मकानों का भी जायजा लेकर सर्वे करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। विधायक ने कहा कि जल्द ही सर्वे कार्य पूर्ण करके किसानों को राहत प्रदान की जाएगी। वे इस आपदा की घड़ी में किसानों के साथ खड़े हैं और उन्हें हर संभावित सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विधायक ने कटंगी विधानसभा क्षेत्र के बैजुमोहगांव,कुम्हली,चिचोली और चंद्रकुंवा सहित अन्य गांवों का दौरा कर खेतों में जाकर तेज हवाओं के साथ हुई बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का जायजा लिया। इस दौरान स्थानीय पटवारी,प्रभावित किसान सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

होलिका दहन के साथ इंडियन पैनल एक्ट 1861 पुलिस एक्ट ब्रिटिश हुकूमत का काला कानून की प्रति का भी होगा दहन– महेश शरणागत

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। पुलिस विभाग एवं पुलिस परिवार कल्याण संघ के जिला अध्यक्ष महेश शरणागत ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि अंग्रेजी शासन के दौरान अंग्रेजों ने हिंदुस्तान की आवाम को गुलाम व दास बनाने की उद्देश्य को लेकर 1861 में एक काला कानून बनाया था। इंडियन पेनल पुलिस एक्ट जिसके जरिए से लोगों को दास बनाया जाता था। वे लोग अपने मकसद में कामयाब रहे। 1947 में हमारा देश स्वतंत्र हुआ। अंग्रेज तो चले गए परंतु उनके द्वारा बनाया गया काला कानून पुलिस एक्ट आज भी चल रहा है। परंतु किसी भी सरकार ने उस कानून को हटाने का काम नहीं किया। किंतु मोदी जी की सरकार ने हमारे संगठन की मांग पर कुछ कानून में संशोधन करने का काम किया है। मोदी जी की सरकार से ही हमारे संगठन को उम्मीद है, कि इस काला कानून को बदलेंगे या संशोधन करेंगे। लाखों स्वतंत्रता सेनानियों की हत्या करने वाला 1861 का काला कानून पुलिस एक्ट हटाने के लिए हमारा राष्ट्रीय संगठन का संघर्ष जारी है। हमारे संगठन के द्वारा पिछले 5 सालों से हर वर्ष होली का दहन के साथ 1861 में बना काला कानून पुलिस एक्ट की प्रति जलने का कार्य किया जाता है। इस वर्ष भी 24 मार्च को पूरे राष्ट्र में जगह-जगह होलिका दहन के साथ 1861 पुलिस एक्ट की प्रति भी दहन करने का काम करेंगे। जिसके लिए नेशनल कोचिंग इंस्टीट्यूट बालाघाट में 21 मार्च को जिला संगठन की बैठक ली गई और राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन कलेक्टर के माध्यम से दिया गया है। इसके अलावा हमारे और भी राष्ट्रीय मांगे हैं। जिसमे ब्रिटिश हुकूमत का काला कानून यानी इंडियन पैनल एक्ट 1861 पुलिस एक्ट को खत्म करने, पुलिस विभाग की ड्यूटी 8 घंटे की जाए और 50हजार रुपए पेमेंट के साथ साप्ताहिक छुट्टी भी दी जाए। भारत की आंतरिक सुरक्षा कराने 18 रुपए साइकलिंग भत्ता की जगह 6हजार रुपये मासिक भत्ता दी जाए ।पुलिस विभाग को अच्छी आवास सुविधा दी जाए या 5000 रुपये आवासीय भत्ता दी जाए ,भारत का राष्ट्रीय न्यायिक आयोग एवं राष्ट्रीय पुलिस आयोग दोनों का तुरंत गठन किया जाए, न्यायालय शासन प्रशासन में जवाबदेही के साथ समस्त कार्यों की समय सीमा लागू की जाए, लोकायुक्त पुलिस द्वारा रंगे हाथ पकड़े गए अपराधी का 90 दिनों में चालान पेश किया जाए एवं 10 साल की सजा का नियम बनाया जाए, लोकायुक्त ,ईओडब्ल्यू के केसो में सरकार की अनुमति खत्म की जाए। पूरे भारत में शिक्षित युवक युवतियों को पुलिस विभाग, रेल विभाग, जेल विभाग, वन विभाग में कम से कम 2 करोड़ भर्ती करवाई जाए, 50 युवक और 50 युवतियों को सरकार हर विभागों में भर्ती करें।

मतदाता जागरूकता अंतर्गत शासकीय आईटीआई में आयोजित हुये विभिन्न कार्यक्रम

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मतदाता जागरूकता आयोजन के अंतर्गत जिले के शासकीय आईटीआई कॉलेज में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नुक्कड़ नाटक एवं गीत के माध्यम से जागरूकता का संदेश देते हुये शपथ भी ली गई। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय बालाघाट द्वारा जिला स्वीप नोडल अधिकारी डीएस रणदा के मार्गदर्शन में किया गया। श्री रणदा ने कहा की जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से लोग मतदान के महत्व के बारे में समझ रहे हैं और आवश्यक भी हो गया है कि आज प्रत्येक व्यक्ति मतदान के महत्व को समझे और जिले में 19 अप्रैल 2024 को हो रहे मतदान में शत् प्रतिशत मतदान करें। कार्यक्रम में सभी को मतदान प्रणाली एवं भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा मतदाताओं को दी जा रही सुविधाओं के बारे में बताया गया। साथ ही मतदाता जागरूकता से संबंधित प्रश्न भी पूछे गए एवं सही जवाब देने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार भी प्रदान किया गया। परियोजना अधिकारी श्रीमती नेत्र यादव ने स्वीप गतिविधि एवं जिले में हो रही स्वीप पर हो रहे अयोजन में युवाओं से भाग लेकर मतदान में लिए प्रेरित करने की अपील की। इस अवसर पर

प्रदर्शनी लगाकर भी मतदान से संबंधित भारत निर्वाचन आयोग की जानकारी दी गई। सेल्फी प्वाइंट में यूथ ने सेल्फी ली। कार्यक्रम में आईटीआई, पीजी कालेज, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के बच्चों ने मतदाता जागरूकता पर आधारित गीत व नाटक की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर सीईओ श्री रणदा द्वारा मतदान की शपथ दिलाई गई। वहीं 19 अप्रैल को होने वाले मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने मतदान की अपील की गई। इस अवसर पर मतदाता जागरूकता पर आधारित गीत, चित्रकला, रंगोली और सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य आरएन सिंह, लेखा एवं कार्यक्रम पर्यवेक्षक नेहरू युवा केंद्र सीआर जंघेला, कार्यक्रम प्रभारी आकाशवाणी केंद्र धीरज कुमार, परियोजना अधिकारी नेतरा यादव, प्रभारी मतदाता जागरूकता अभियान आईटीआई दशरथ बिसेन, अजय बैश सहित अधिकारी, छात्र,छात्राओं की उपस्थिति रहीं।

कटंगी में लगा खाटू श्याम फाल्गुन उत्सव मेला

कटंगी (पद्मेश न्यूज)। भगवान कृष्ण के कलियुग के अवतार श्री खाटू श्याम बाबा का फाल्गुन उत्सव मेले का आयोजन कटंगी नगर के छतेरा रोड़ स्थित श्री खाटू श्याम झुमझुन धाम मंदिर में बेहद धूमधाम और उत्साह के साथ किया गया. इस मौके पर शहर के बड़ा राम मंदिर में पूजा अर्चना के बाद शोभायात्रा का आयोजन किया गया. निशान यात्रा को नगर में प्रमुख मार्ग का भ्रमण कराते हुए खाटू श्याम मंदिर में विराम दिया गया. मंदिर प्रबंधक संगीता खुशाल चंद्र शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी निशान यात्रा में शामिल हुए और मंदिर पहुंचकर श्री खाटू श्याम बाबा का दर्शन लाभ लिया. मंदिर में फागुन का त्यौहार मनाया गया जहां धर्म प्रेमियों ने भक्ति भाव से जमकर रंग-गुलाल और अबीर खेला. धर्म शास्त्रों के मुताबिक, खाटू श्याम का संबंध महाभारत काल से माना जाता है. खाटू बाबा पांडु के पुत्र भीम के पौत्र थे, जो कि बेहद शक्तिशाली थे. पौराणिक ग्रंथों के अनुसार, जब पांडव अपनी जान बचाते हुए वन में भटक रहे थे, उस दौरान भीम की हिडिंबा से मुलाकात हुई. बाद में हिडिम्बा और भीम के पुत्र हुआ, जिसका नाम घटोत्कच था. इसके बाद में घटोत्कच का एक पुत्र हुआ, जिसका नाम उन्होंने बर्बरीक रखा. बाद में बर्बरीक को ही खाटू श्याम के नाम से जाना जाने लगा. महाभारत के युद्ध के दौरान बर्बरीक ने कमजोर पक्ष की तरफ से युद्ध लड़ने का फैसला किया. उनके इस फैसले पर भगवान श्रीकृष्ण ने सोचा कि अगर बर्बरीक ने कौरवों का साथ दिया, तो पांडवों निश्चित रूप की हार होगी. ऐसे में उन्होंने ब्राह्मण का रूप बदलकर बर्बरीक से उनका सिर दान में मांग लिया. बर्बरीक ने भी खुशी-खुशी ब्राह्मण रूप में भगवान श्रीकृष्ण को अपने सिर दान कर दिया. इसके बाद श्रीकृष्ण ने बर्बरीक को वरदान दिया कि कलयुग में उनके नाम से बर्बरीक की पूजा की जाएगी. यही कारण है कि बर्बरीक को खाटू श्याम के नाम से पूजा जाता है।

लोकायुक्त की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

- उमंग सिंगार ने दी थी चुनौती

भोपाल। लोकायुक्त की नियुक्ति के मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट मध्यप्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार की याचिका पर दिया गया है। उमंग सिंगार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि मध्यप्रदेश के लोकायुक्त की नियुक्ति में असंवैधानिक प्रक्रिया अपनाई गई है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार की याचिका पर नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री, मुख्य न्यायाधीश और विपक्ष के नेता के बीच परामर्श प्रक्रिया के लिए दिशा निर्देश तय करने का निर्णय लिया है। उमंग सिंगार ने सुप्रीम कोर्ट में लोकायुक्त की नियुक्ति को इस आधार पर चुनौती दी थी कि वैधानिक रूप से उनसे परामर्श नहीं किया गया था। याचिका में यह भी कहा गया था कि मध्यप्रदेश लोकायुक्त की नियुक्ति कानून के प्रावधानों के खिलाफ गैर-पारदर्शी और मनमाने तरीके से की गई है।

प्रभात फेरी निकालकर दिया जा रहा मतदाता जागरूकता का संदेश

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गिरीश मिश्रा तथा जिला स्वीप नोडल अधिकारी सीईओ जिपं बालाघाट डीएस रणदा के मार्गदर्शन में जिले में स्वीप गतिविधियाँ क्रियान्वित की जा रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार को जंप

वारासिवनी में मुख्य कार्यपालन अधिकारी दीक्षा जैन के निर्देशन में स्वीप गतिविधी का आयोजन विकासखण्ड वारासिवनी के ग्राम पंचायतों में पंचायत स्तर पर किया गया। जिसमें महिला, पुरुष, वृद्ध, दिव्यांग, युवा सभी मतदाता को लोकसभा चुनाव 2024 में अपना मत के अधिकार का उपयोग करने के लिये जागरूक किया गया। वहीं ग्राम झाड़गाँव के साथ-साथ अन्य सभी ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं आजीविका मिशन स्व-सहायता समूह की दीदीयो द्वारा स्वीप गतिविधि अंर्तगत प्रभात फेरी निकालकर मतदाताओं को जागरूक किया गया। साथ ही गतिविधी मे मतदान की शपथ भी दिलाई गई। मतदाता जागरूकता के इस कार्यक्रम में जनपद पंचायत वारासिवनी से स्वीप नोडल शैलेंद्र आड़मे, खेल विभाग से ममता बिसेन एवं आजिविका मिशन की दीदीयों का विशेष सहयोग रहा।

पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी १ का प्रशिक्षण जारी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय उ च्चतर माध्यमिक विद्यालय में २१ मार्च से पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्रमांक १ का प्रशिक्षण जारी है। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर सनत दुबे, बसंत चौधरी, जीआर अंगूरे एवं आरके दुबे के द्वारा पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्रमांक १ को लोकसभा चुनाव में ईव्हीएम मशीन से मतदान कैसे करवाना है, मतदान सामग्री प्राप्त करने के समय बरतने वाली सावधानी, केन्द्रों में पहुंचने पर एक दिन पूर्व की तैयारी, मतदान की प्रक्रिया विविधत संचालन करने

सहित अन्य जानकारी दी जा रही है। साथ ही लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया शांतिपूर्वक एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न करवाने के बारे में बताया जा रहा है। यह प्रशिक्षण उत्कृष्ट विद्यालय के दो कक्ष एवं शासकीय महाविद्यालय के दो कक्ष में प्रातः १०.३० बजे से शाम ५ बजे तक प ै ठ ा स ी न अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्रमांक १ को दिया जा रहा है। जिनके द्वारा आगामी १९ अप्रैल को मतदान की प्रक्रिया संपन्न करवाई जायेगी। मास्टर ट्रेनर आरके दुबे ने बताया कि लोकसभा चुनाव के लिए पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी १ को २१ मार्च से तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमें उन्हे ईव्हीएम मशीन से मतदान कैसे करवाना है, कौन-कौन सी सावधानी रखना है सहित अन्य जानकारी दी जा रही है।

यदि करनी है जनसेवा तो रक्तदान ही उत्तम सेवा, हेल्पिंग हेंड ने पीड़ित मानवता के सेवार्थ किया 28 यूनिट का रक्तदान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मानवसेवा और समाजसेवा में अग्रणी भूमिका निभा रही संस्था हेल्पिंग हेंड ने होली के अवसर पर पीड़ित मानवता के सेवार्थ, सिंधु भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। 22 मार्च को जिला चिकित्सालय के रक्त यूनिट के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में जिला चिकित्सालय में पहुंचने वाले रक्त के जरूरतमंदों की मदद के लिए 28 यूनिट रक्तदान किया गया। हेल्पिंग हेंड ग्रुप प्रमुख मेघा सेठिया ने बताया कि संस्था, समय-समय पर मानव सेवा और समाजसेवा के कार्यो के साथ ही श्वानों को लेकर कार्य करते आ रही है। इसी कड़ी में होली के उपलक्ष्य में हेल्पिंग हेंड ने पीड़ित मानवता के सेवार्थ रक्तदान किया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह हम होली के रंगो को लगाकर खुशियां मनाते है, उसी प्रकार हम रक्तदान कर लोगो के जीवन में खुशियों के रंग भर सकते है। इसलिए यदि करनी है जनसेवा तो रक्तदान ही है उत्तम सेवा हेल्पिंग हेंड के रक्तदान कार्यक्रम में तलाश श्रीरंग, सैंडी नैनवानी, राजुल जैन, कृतिका बाघरेचा, अनुभूति शाह, नीरज खत्री, विधि जैन, मेघा मंगलानी, मेघा सेठिया, जया हसानी, प्रिंस जायसवाल, रिक्की नाथ, मेघा चोपड़ा, गौतम ब्रम्हें, रेहान खान, सुभाष मेश्राम का सराहनीय योगदान रहा।

इमामों-मुअज्जिनों को जल्द मिलेगा वेतन

भोपाल। इमामों और मुअज्जिनों का वेतन अगले दो दिन में आ सकता है, जानकारी के अनुसार मसाजिद कमेटी का बचा हुआ अनुदान गर्वमेंट ने सेंशन कर दिया है कमेटी द्वारा ट्रेजरी में बिल लगा दिया गया है। बता दें कि इमामों और मुअज्जिनों आखिरी बार इनकी सैलरी दिसंबर माह में आई थी। इसके बाद से वेतन नहीं मिला है। जिन्हें वेतन नहीं मिला उनमें भोपाल के अलावा मसाजिद कमेटी से संबंधित रायसेन, सीहोर और बैरसिया की मस्जिदें शामिल हैं। कमेटी के अधिकारियों की माने तो सरकारी अनुदान नहीं मिलने के चलते वेतन की यह स्थिति बनी थी। शहर की मस्जिद के एक अन्य मुअज्जिन का कहना है कि वे सैलरी का इंतजार कर रहे हैं। घर में कई तरह के खर्चे होते हैं। कई बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर अपना काम चला रहे हैं, और घर का किराया दे रहे हैं।

कॉलेज में विद्यार्थियों को दिलवाई गई शपथ

कटंगी (पद्मेश न्यूज)। लोकतंत्र को मजबूत करने के लिये मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी निभाने और अन्य मतदाताओं को इसके लिए प्रेरित करने के लिए शुक्रवार को शहर की उच्च शैक्षणिक संस्था शासकीय राजा भोज महाविद्यालय में विद्यार्थियों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई गई. कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा और स्वीप नोडल अधिकारी जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी डी.एस. रणदा के निर्देशन में स्वीप गतिविधि के तहत यह आयोजन क र वा या गया. महाविद्यालय में प्रभारी प्राचार्य अनिल कुमार शेण्डे और प्राध्यापक डॉ कुसुम लता उइके ने विद्यार्थियों को शपथ दिलाते हुए. आम चुनाव के महत्व को बताया. मतदाता जागरूकता के लिए 'चुनाव का पर्व, देश का गर्व' की थीम पर यह आयोजन हुआ. विद्यार्थियों से कहा गया कि वह अपने-अपने गांव, अपने शहर, अपने परिवार, नाते-रिश्तेदार और सभी सदस्यों को अपना अमूल्य मत देने के लिए प्रेरित करें ताकि लोकतंत्र के इस महापर्व में सभी की सहभागिता सुनिश्चित हो।

अबकी बार गर्मी तोड़ेगी सारे रिकॉर्ड

भोपाल। वसंत की विदाई हो चुकी है.. गर्मी का मौसम दस्तक दे चुका है। इस बार गर्मी के तेवर पिछले कुछ सालों के मुकाबले ज्यादा तीखे रहने वाले हैं। एमपी में सामान्य तौर पर 25 दिन लू चलती है, लेकिन इस बार ये पीरियड 40 दिन का रहेगा। मई के महीने के अलावा अप्रैल के साथ साथ जून के दूसरे पखवाड़े तक लू के थपेड़े झेलने पड़ेंगे। साथ ही दिन के तापमान के साथ रात का तापमान भी सामान्य से ज्यादा रहेगा।

मौसम में ये बदलाव दिखेगा अलनीनो की वजह से। भोपाल मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक वेद प्रकाश सिंह के मुताबिक 'प्रशांत महासागर की पट्टी में अलनीनो अभी भी सक्रिय है। इसका असर मई के महीने तक रहेगा। वहीं हिंद महासागर में इंडियन ओशियन डाइपोल (हिंद महासागर द्विध्रुव) का असर भी बना है। इसे देखते हुए मप्र में ज्यादा गर्मी पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग का ये भी कहना है कि इस बार पूर्वी की बजाय पश्चिमी मध्यप्रदेश के लोगों को ज्यादा तपन महसूस होगी। इन इलाकों में अप्रैल के पहले सप्ताह में ही तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाएगा। मई के आखिरी पखवाड़े में यह 49 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है।

अलनीनो अभी से सक्रिय, 40 दिन लगेगी लू

अप्रैल से जून तक ऐसा रहेगा मौसम का मिजाज

अप्रैल, मई और जून के पहले पखवाड़े तक पश्चिमी मध्य प्रदेश का तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना मौसम विभाग जता रहा है। वहीं पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ जिलों में सामान्य या उससे कम गर्मी पड़ने की संभावना है। भोपाल, चंबल, ग्वालियर, इंदौर और नर्मदापुरम संभाग में अप्रैल में ही 6 दिन लू चलने की संभावना है। यहां सामान्य तापमान औसतन आधा से एक डिग्री तक ज्यादा रहने की संभावना है। वहीं उज्जैन, सागर, जबलपुर और रीवा संभाग में अप्रैल में 9 से 12 दिन तक लू चलने की संभावना भोपाल मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी प्रकाश देवले का कहना है, मौसम प्रणालियों के अध्ययन के बाद जो तस्वीर सामने आई है उसके मुताबिक इस बार गर्मी अधिक पड़ेगी। जम्मू-कश्मीर में ताजा बर्फबारी और पश्चिमी विक्षोभ की वजह से हो रही बारिश की वजह से अभी मौसम सामान्य से ठंडा है। इस सिस्टम के हटने के बाद मौसम तेजी से गर्म होगा। अनुमान है कि अप्रैल की शुरुआत में तेज गर्मी का एहसास होने लगेगा।

इन जिलों के सबसे अधिक प्रभावित होने का अनुमान

मौसम विभाग के मुताबिक मार्च से मई के इस सीजन में बढ़े हुए तापमान का असर मध्य प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में देखने को मिलेगा। भिंड, मुरैना, ग्वालियर, दतिया, निवाड़ी में सबसे भीषण गर्मी पड़ने की संभावना है। छतरपुर, टीकमगढ़, रीवा, सतना, पन्ना, ग्वालियर, सागर, विदिशा, भोपाल, राजगढ़, शाजापुर और देवास में अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा रहने की संभावना है। वहीं बालाघाट, शहडोल, जबलपुर, नरसिंहपुर, रायसेन, सीहोर, देवास, इंदौर जैसे जिलों में न्यूनतम तापमान भी सामान्य से ज्यादा रहेगा। केवल कटनी और दमोह में सामान्य तापमान की संभावना जताई जा रही है। अधिकांश जिलों में लू चलने की संभावना 30 से 70 प्रतिशत के बीच बताई जा रही है।

रविवार आधी रात को होगा होलिका दहन

भाईदूज बुधवार को शुभ मुहूर्त मनाई जायेगी

भोपाल। प्रदेश भर में होलिका दहन रविवार की आधी रात को होगा। ऐसा भद्रा होने के कारण हो रहा है। अगले दिन यानि की सोमवार को होली खेली जायेगी। उदया तिथि के अनुसार भाईदूज बुधवार को शुभ मुहूर्त मनाई जायेगी। वैदिक पंचांग के अनुसार, फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 24 मार्च सुबह नौ बजकर55 से शुरू होगी और इस तिथि का समापन 25 मार्च दोपहर 12:29 पर होगा. हिन्दू धर्म में उदया तिथि को विशेष महत्व दिया जाता है. ऐसे में फाल्गुन पूर्णिमा व्रत 25 मार्च 2, सोमवार के दिन रखा जाएगा और इसी दिन होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ देशभर में मनाया जाएगा. बता दें कि फाल्गुन पूर्णिमा को वसंत पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है. ऐसा इसलिए क्योंकि यह वसंत ऋतु के मध्य में आने वाली पूर्णिमा तिथि होती है. राजधानी के ज्योतिषाचार्य के अनुसार होली के बाद द्वितीया तिथि को भाई दूज कहा जाता है। पारंपरिक रूप से यह पर्व भाई-बहन के बीच स्नेह के बंधन को मजबूत करता है। बहुत जगह भाई दूज को भ्रात द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है। पंचांग के अनुसार चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि की शुरुआत 26 मार्च को दोपहर दो बजकर 55 मिनट पर होगी।अगले दिन 27 मार्च को शाम 05 बजकर 06 मिनट पर इसका समापन होगा। 27 मार्च को भाई को टीका करने के लिए दो शुभ मुहूर्त हैं। भाई दूज के दिन बहनें अपने भाई के माथे पर तिलक लगाती हैं और फल, मिठाई आदि चीजें देकर उसकी लंबी आयु की कामना करती हैं। वहीं भाई भी बदले में अपनी बहन को हर विषम परिस्थिति में उसकी रक्षा का वचन देता है। मान्यता है कि भाई दूज पर बहनों के तिलक लगाने से भाई की आयु बढ़ती है और उसके सभी संकट दूर होते हैं।

64 अभ्यर्थियों ने लिया नाम निर्देशन पत्र, दो अभ्यर्थियों ने किया नामांकन फॉर्म जमा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अब तक 64 अभ्यर्थियों द्वारा नामांकन फार्म ले लिए गए हैं, जिसमें से दो अभ्यर्थियों द्वारा अब तक नामांकन फॉर्म भरकर जमा किए गए हैं, जिसमें 22 मार्च को 14 अभ्यर्थी द्वारा नामांकन फार्म लिए गए तो, वहीं एक अभ्यर्थी द्वारा नामांकन फार्म जमा किया गया है, जबकि 20 मार्च से लोकसभा चुनाव के लिए नाम निर्देशन पत्र भरने का सिलसिला शुरू हुआ है ,जो 27 मार्च तक लगातार चलते रहेगा। आपको बता दे की लोकसभा चुनाव 2024 के लिए आयोग द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है, जिसमें 20 मार्च से ही नाम निर्देशन पत्र भरकर जमा करने का सिलसिला शुरू हो गया है, जिसमें बालाघाट - सिवनी संसदीय क्षेत्र के अभ्यर्थियों द्वारा अपने-अपने स्तर पर नामांकन फार्म लिए जा रहे हैं और नाम निर्देशन पत्र भरकर जमा किए जा रहे हैं, वहीं 22 मार्च को 14 अभ्यर्थी द्वारा नाम निर्देशन पत्र लिए गए हैं जिसमें से एक अभ्यर्थी द्वारा नाम निर्देशन पत्र भर के जमा किया गया है , जबकि 21 मार्च को 25 अभ्यर्थियों ने और 22 मार्च को 25 अभ्यर्थियों ने नाम निर्देशन पत्र लिए थे , तो वही 21 मार्च को एक नाम निर्देशन पत्र भारती पारधी द्वारा जमा किया गया था, जिसमें अभी तक कुल 64 नाम निर्देशन पत्र अभ्यर्थियों द्वारा लिये गए हैं, जिसमें से दो अभ्यर्थियों द्वारा नाम निर्देशन पत्र भरकर जमा किए गए हैं, जबकि अब कुछ ही दिनों का समय शेष रह गया है, नाम निर्देशन पत्र लेकर जमा करने का वही कुछ अवकाश भी इन दिनों आने वाले हैं जिसमें देखना होगा कि किस प्रकार से अभ्यर्थी नाम निर्देशन पत्र भरने में तीव्रता करते हैं,

शनिवार, रविवार और होली के दिन जमा नहीं होंगे नामांकन फार्म

आपको बता दे की जिस प्रकार से नाम निर्देशन पत्र की 20 मार्च से अधिसूचना जारी हो चुकी है और यह 27 मार्च तक नामांकन फार्म जमा किये जायेंगे। तो वही बताया जा रहा है की 20, 21, 22, 26 और 27 मार्च को नाम निर्देशन पत्र जमा किये जा सकेंगे। तो

वही 23 मार्च को चौथा शनिवार और 24 को रविवार तथा 25 मार्च को होली का अवकाश होने से नाम निर्देशन पत्र नही लिए जा सकेंगे। ऐसी जिला प्रसाशन से जानकारी आ रही है

कांग्रेस पार्टी से इन्होंने लिया नामांकन फॉर्म

आपको बता दे कि भले ही कांग्रेस पार्टी द्वारा अपने अधिकृत प्रत्याशी की सूची जारी नहीं की गई है, किंतु कांग्रेस पार्टी से कुछ अभ्यर्थी द्वारा भी 22 मार्च को भी नामांकन फार्म ले लिया गया है जिसमें अरविंद देशमुख, दलसिंह पन्द्रे, रामकुमार नगपुरे है तो वही 21 मार्च को भी कुछ अभ्यर्थी ने नामांकन फार्म ले लिया गया है जिसमें अनूप सिंह बैस, केवल सिंह झारिया, साधना भारतीय बहटेवार, शब्बीर पटेल है तो वही इसे पहले अभ्यर्थी सम्राट अशोक सिंह सरसवार, कंकर मुंजारे, हीना कावरे व धनंजय देशमुख के नाम के भी नामांकन फार्म ले लिया गये है

भारतीय जनता पार्टी से इन्होंने लिया नामांकन फार्म

आपको बता दे कि भारतीय जनता पार्टी से 22 मार्च को किसी ने फार्म नही लिया है और न ही कोई फार्म जमा किया गया है और इसे पहले अमन नावानी और भारती पारधी द्वारा नामांकन फार्म ले लिए गए हैं, जिसमें से 21 मार्च को भारती पारधी द्वारा अपना नामांकन फॉर्म भर दिया गया है अभी तक भारतीय जनता पार्टी से इन दो अभ्यर्थी द्वारा नामांकन फार्म लिए गए हैं

अन्य पार्टियों से इन्होंने लिया नामांकन फॉर्म

आपको बता दे की अलग-अलग क्षेत्रीय व अन्य दलों द्वारा नामांकन फॉर्म भरने के लिए इन अभ्यर्थी द्वारा नामांकन फार्म ले लिया गया है जिसमें 22 मार्च को भी कुछ अभ्यर्थी द्वारा नामांकन फार्म ले लिया गया है जिसमें बहुजन समाजवादी पार्टी से भारत सिंह शिवहरे, बहुजन मुक्ति पार्टी से राजकुमार नागेश्वर, आरपीआई से डोमन सिंह, आम आदमी पार्टी से गोरेलाल रहांगडाले, जनता दल से दिलीप चौधरी, भारतीय अम्युनिस्ट पार्टी से अशोक कुमार मसीह, क्रांतिकारी समाजवादी मंच से सहेजलाल उपवंशी ने फार्म लिया है तो वही 21 मार्च को इन लोगो ने लिया था फार्म सम्पूर्ण क्रांति पार्टी इंडिया से विष्णुप्रसाद अहिरवार, महाकोशल राष्ट्र पार्टी से मनोरमा नागेश्वर, प्रॉउष्ट ब्लाक इंडिया से दीपक गोंड, आम आदमी पार्टी से शिव जायसवाल, सुरेश सिंह कारे, बसपा पार्टी से दुर्गेश बिसेन, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से नंदलाल उइके, पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया डेमोक्रटिक से भरतलाल पांचे तथा 20 मार्च को इन अभ्यर्थी ने लिया था फार्म पीपुल्स् पार्टी ऑफ इंडिया डेमोक्रेटिक की ओर से धनीलाल मानेश्वर, दिलीप कुमार, कागुराम बाहेश्वर, अमरसिंह मर्सकोले, भारतीय शक्ति चेतना से प्रियंका भंडारकर, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया से अधिवक्ता रोशनलाल तुरकर व अधिवक्ता रामबिहारी शुक्ला, मप्र जनविकास पार्टी से सत्यनारायण शुल्के है

निर्दलीय मे इन लोगों ने लिया फॉर्म

आपको बता दे की निर्दलीय भी बहुत से अभ्यर्थियों ने फार्म लिया है जिसमें 22 मार्च को महादेव नागदेवे, उमाशंकर मुंजारे, प्रदीप परांजपे, देवदत्त जोशी, श्याम मसराम, रामेश्वर बिसेन, राधेश्याम भोयर द्वारा फार्म लिये गये है तो वही 21 मार्च को सौरभ लिल्हारे, धनेंद्र शरणागत, मनोज कुमार सैयाम, नंदकिशोर कटरे, जितेंद्र कुमार सोनवाने, ज्ञानप्रकाश उर्फ पप्पू पटेल, अजेय विशाल बिसेन, बब्बन खान, दिलीप छाबड़ा, मनीष वर्मा और रूपलाल कुतराहे ने नामाकंन फार्म लिया है तो वही 20 मार्च को इन अभ्यर्थी ने लिया था नामांकन फॉर्म जिसमे जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार द्वारा कांग्रेस पार्टी से भी फॉर्म लिया गया है और एक फॉर्म निर्दलीय रूप से भी लिया गया है , अधिवक्ता सुजीत कश्यप, मीर हामिद अली, रवि सेमसन, मंजुर खान, डॉ. मिरश्याम लिल्हारे, मोहन कुमार राउत, भुवनसिंह कोराम, सुकचंद उइके, भरतलाल मडावी, विकासकिर्ती बौद्ध और रघुवीर सिंह रहांगडाले शामिल है।

पूर्व मंत्री डोमन सिंह ने भी लिया नाम निर्देशन पत्र

आपको बता दे कि जिस प्रकार से इन दिनों नामांकन फार्म लेने का सिलसिला जोरों पर चल रहा है, इसी क्रम में पूर्व मंत्री रह चुके डोमन सिंह नगपुरे ने भी नामांकन फार्म लिया है और बताया कि वह सभी के साथ मिलकर और पूरी ताकत के साथ लोकसभा चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे भी वही यूट्यूब में कॉमेडी करने वाले धनेन्द्र शरणागत उर्फ देव पवार ने भी नामांकन पत्र लेकर जमा किया है और वह भी अब चुनाव लड़ने की बात कह रहे हैं ,जिसमें उन्होंने बताया कि वह युवाओं की सोच और किसानो की आवाज बनकर लोकसभा चुनाव में उतरे हैं और उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में आज फॉर्म लिया है

अभी तक दो नाम निर्देशन पत्र हुए जमा

अभी तक सिर्फ दो अभ्यर्थियों ने ही नाम निर्देशन पत्र जमा किए हैं, जिसमें भारतीय जनता पार्टी से पहले नाम निर्देशन पत्र भारती पारधी द्वारा जमा किया गया था, तो वहीं 22 मार्च को बरघाट के निर्दलीय प्रत्याशी धनेन्द्र शरणागत उर्फ देव पवार द्वारा अपना नाम निर्देशन पत्र जमा किया गया है और अभी तक लगभग 64 नाम निर्देशन पत्र लिए जा चुके हैं।

तीन फीडर्स में होगा सुधार विद्युत वितरण होगा बाधित

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। मप्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रेसनोट जारी कर बताया गया कि बालाघाट शहर वितरण केंद्र अंतर्गत 132 केव्ही उपकेंद्र से निकलने वाले 11 केवी टाउन 1 फीडर, टाउन 2, एवं टाउन 4 फीडर में अतिआवश्यक सुधार कार्य शनिवार को किया जाएगा। जिससे फीडर की विद्युत आपूर्ति सुबह 7:00 बजे से 10:00 बजे तक बंद रहेगी आवश्यकतानुसार समयावधि घटाई या बढ़ाई जा सकती है। जिससे फीडर से संबंधित निम्नानुसार क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। 132 केवी उपकेंद्र से टाउन 1 फीडर एमपीईबी कॉलोनी, सिंधी आटा चक्की, दीनदयाल पुरम, विश्वेश्वरैया चौक, पीएचई ऑफिस, एलआईसी ऑफिस ,अंबेडकर चौक, पुलिस थाना, डीआईजी कार्यालय, जटाशंकर कॉलेज, नगर पालिका, काली पुतली चौक, बस स्टैंड, दिक्षित बुक डिपो, राजहंस होटल। टाउन 2 फीडर से वारासिवनी रोड, फॉरेस्ट कालोनी, जज कालोनी, सिविल लाइन, पुलिस लाइन, शंकर घाट तथा टाउन 4 फीडर सबस्टेशन से पावर हाउस रोड, आकाशवाणी, सांची दूध डेयरी, कलेक्ट्रेट कार्यालय, जिला पंचायत, एसडीएम कार्यालय, जिला चिकत्सालय, जय स्तम्भ चौक में सुबह 7 से 10 बजे तक विद्युत वितरण बंद रहेगा।

ANJUMAN URDU SCHOOL
(ENGLISH MEDIUM)
Needed a Principal and teachers
Teachers for all main subjects
Preference - B.ed, D.ed, bachelor's degree
Office time - 9am to 1pm
Classes from NURSERY to 6th
Add-Ward No.09, Jama Masjid Chowk, Baihar Road, Balaghat
Mo. 9407314594

बैहर के तुमड़ीभाट में महिला का शव मिलने से मचा हड़कंप

करंट लगने से महिला की मौत होने की जताई जा रही आशंका, वन्यप्राणी के लिए बिछाए गया था करेंट ,चपेट में आई महिला की हुई मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैहर के तुमड़ीभाट में शुक्रवार की सुबहा एक महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया। जिसकी विद्युत करंट लगने से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि बैहर थाना क्षेत्र के तुमड़ीभाट में वन्यप्राणी के शिकार के लिए बिछाए गए करेंट की चपेट में आने से महिला की मौत हुई है। मृतक महिला का नाम पुषपाबाई पति नेमीचंद शरणागत 33 वर्ष बताया गया है। घटना के बाद यहां लोगो की भीड़ लग गई। कई लोगो का कहना है कि यह हत्या भी हो सकती है। हालांकि महिला के शव के पास मिले बिजली तारों से आशंका व्यक्त की जा रही है कि संभवत: किसी ने वन्यप्राणी के शिकार के लिए बिजली तार बिछाया होगा, जिसमें प्रवाहित करेंट की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई होंगी। घटना की जानकारी के बाद बैहर पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर शव बरामद कर पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पुरी की। वही मृतक के परिजनों के बयान दर्ज कर जाफौ 174 के तहत मर्ग कायम किया।जहा शव का पोस्टमार्टम करवरकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है।वही पुलिस द्वारा हर एंगल से इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीएम रिपोर्ट और जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है- रघुवंशी

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान बैहर थाना प्रभारी रामकुमार रघुवंशी ने बताया कि तुमड़ीभाट में महिला की मौत की खबर मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर शव बरामद कर। महिला के शव का पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंपा गया है। मामले में मर्ग कायम कर

26 मार्च का स्थानीय अवकाश निरस्त, अब 20 अगस्त कजलिया का होगा स्थानीय अवकाश

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के आदेशानुसार वर्ष 2024 में जिले में 3 स्थानीय अवकाश घोषित किये थे। जिसमें संसोधन करते हुये 26 मार्च होली के दूसरे दिन का अवकाश निरस्त करते हुये 10 अगस्त 2024 कजलिया का स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। जिले में 10 अगस्त कजलिया तथा 11 अक्टूबर दुर्गाष्टमी के दिन स्थानीय अवकाश रहेगा।

निर्वाचन संबंधि शिकायत व जानकारी के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। आम लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर जिला व तहसील स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किये गए है। पेड न्यूज संबंधित शिकायतों के लिये जिला कंट्रोल रूम न. 07632297180 के अलावा तहसील स्तर पर बनाये गये कंट्रोल रूम का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। 108-बैहर कंट्रोल रूम न. 07636256726, 109-लांजी 07635255443, 110-परसवाड़ा 07636297750, 111-बालाघाट 07632241220, 112-वारासिवनी 07633253023, 113-कटंगी 07630250001 तथा एमसीएमसी से संबंधित शिकायत के लिये 07632297184 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट